कानपुर में बढ़ सकता 400 करोड़ का निर्यात कारोबार - 12

संघ दिखाएगा भाजपा प्रदेश व राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम को हरी झंडी - 12

अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए नए ऊष्मा स्रोत ईंधन का परीक्षण- 13

ऋषभ पंत के पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे- 14

आज का मौसम

36.0° अधिकतम तापमान

29.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.32 सूर्यास्त 07.11

अमृत विचार

| मुरादाबाद |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 11:23 तक उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 25 जुलाई 2025, वर्ष 6, अंक 117, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रिटेन से मुक्त व्यापार समझौता

प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटिश पीएम स्टार्मर की मौजूदगी में हुए हस्ताक्षर | ऐतिहासिक समझौते से दोनों देशों में बढ़ेगा 34 अरब डॉलर का व्यापार

- समझौते से 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात को शुल्क से राहत
- ब्रिटेन से कारों और अन्य उत्पादों का निर्यात भी आसान होगा

लंदन, एजेंसी

भारत और ब्रिटेन ने गुरुवार को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए जिससे सालाना द्विपक्षीय व्यापार में करीब 34 अरब डॉलर का इजाफा होने की उम्मीद है। इस समझौते से 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क समाप्त होने के साथ ब्रिटिश व्हिस्की, कारों एवं कई अन्य वस्तुओं पर लगने वाले शुल्क में भी कटौती होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर की उपस्थिति में इस समझौते पर भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और उनके ब्रिटिश समकक्ष जोनाथन रेनॉल्ड ने हस्ताक्षर किए। भारतीय अधिकारियों ने कहा कि इस एफटीए के लागू होने से 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात को शुल्क से राहत मिलने की उम्मीद है। यह ब्रिटिश कंपनियों के लिए व्हिस्की, कारों और अन्य उत्पादों का भारत में निर्यात भी आसान करेगा। इस तरह दोनों देशों के बीच कुल व्यापार में बढ़ोतरी होगी। दोनों देशों के बीच तीन साल की बातचीत के बाद इस व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया गया है। इससे भारतीय वस्तुओं को सभी क्षेत्रों में व्यापक बाजार पहुंच सुनिश्चित होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि भारत को लगभग 99 प्रतिशत उत्पाद श्रेणियों के पूरी तरह शुल्क-मुक्त होने से फायदा होगा। यह छूट लगभग 100 % व्यापार मूल्य को समाहित करती है। ब्रिटेन ने कहा कि समझौते के बाद भारतीय उपभोक्ताओं को सॉफ्ट ड्रिंक, सौंदर्य प्रसाधन, कार एवं चिकित्सा उपकरण जैसे ब्रिटिश उत्पादों तक आसान पहुंच मिलेगी।

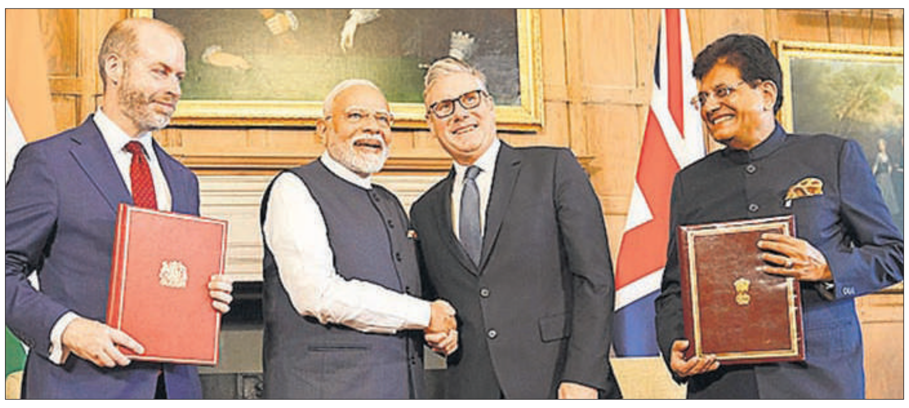

मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद हाथ मिलाते प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटिश समकक्ष स्टार्मर। ब्रिटेन के वाणिज्य मंत्री जोनाथन और भारत के उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी मौजूद रहे। ● एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- भारत-ब्रिटेन संबंधों के लिए ऐतिहासिक दिन

समझौते के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भारत-ब्रिटेन संबंधों में ऐतिहासिक दिन है। उन्होंने कहा कि कई वर्षों की कड़ी मेहनत के बाद भारत और ब्रिटेन के बीच एक व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। इससे पहले, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने गुरुवार वार को प्रधानमंत्री मोदी की अपने आधिकारिक आवास चेकर्स में मेजबानी की।

आतंकवाद पर दोहरे मापदंड बर्दाश्त नहीं

लंदन/नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन कहा है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंडों की कोई जगह नहीं है और उग्रवादी विचारधारा वाली शक्तियों को लोकतांत्रिक आजादी का दुरूपयोग नहीं करने दिया जाएगा। ब्रिटेन की आधिकारिक यात्रा पर आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को लंदन में अपने समकक्ष कीर स्टार्मर के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद प्रेस वक्तव्य में कहा कि लोकतांत्रिक आजादी का दुरूपयोग कर लोकतंत्र को ही कमजोर करने वालों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। मोदी ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करने के लिए ब्रिटेन के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि हम एकमत हैं कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंडों का कोई स्थान नहीं है। हम इस बात पर भी सहमत हैं कि उग्रवादी विचारधारा वाली शक्तियों को लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं करने दिया जा सकता।

रूस में विमान क्रैश 48 लोगों की मौत

- ब्लागोवेशचेंस्क से तिंडा जाते समय चीन सीमा पर हुआ क्रैश
- लैंडिंग करने के प्रयास में पहाड़ी से टकराया, लगी भीषण आग

मॉस्को, एजेंसी

रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र में हुई विमान दुर्घटना में 48 लोगों की मौत हो गई है। अमूर क्षेत्र के प्रमुख ने गुरुवार को यह जानकारी दी। बताया कि एएन-24 यात्री विमान रूस-चीन सीमा पर स्थित ब्लागोवेशचेंस्क शहर से तिंडा शहर की ओर उड़ान भरते समय रडार से गायब हो गया था। बाद में बचावकर्मियों को घने जंगलों से घिरी एक पहाड़ी पर विमान का जलता हुआ मलबा मिला। क्षेत्र के गवर्नर वैसिली ओर्लोव ने कहा कि विमान में सवार सभी यात्री और चालक दल के सदस्य दुर्घटना में मारे गए। उन्होंने तीन दिन के शोक की भी घोषणा की।

मीडिया में आईं खबरों में बताया गया कि एंटोनोव एएन-24 टर्बोप्रॉप विमान पूर्वी साइबेरिया के तिंडा हवाई अड्डे पर उतरने का दूसरा प्रयास करते समय एक पहाड़ी से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। चीनी सीमा के निकट अमूर क्षेत्र के गवर्नर ने टेलीग्राम चैनल पर बताया कि विमान में 43 यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे। गवर्नर ने कहा कि तिंडा हवाई अड्डे के निदेशक के अनुसार टक्कर के बाद, विमान में आग लग गई और उस क्षेत्र के ऊपर उड़ान भर रहे एमआई-8 हेलीकॉप्टर के चालक दल ने किसी के भी जीवित बचे होने की सूचना नहीं दी। क्षेत्रीय अंगारा एयरलाइंस का 50 साल पुराना विमान खाबरोवस्क-तिंडा-ब्लागोवेशेंस्क मार्ग पर उड़ान भर रहा था। रेडियो बीएफएम ने कुछ विशेषज्ञों के हवाले से बताया कि खराब मौसम के दौरान मानवीय चूक दुर्घटना का संभावित कारण है। दूसरी ओर इंजन की समस्या को भी दुर्घटना के लिए जिम्मेदार बताया जा रहा है।

क्रैश हुए रूसी विमान का मलबा।

ब्रीफ न्यूज

95 लाख के ईनामी 26 नक्सलियों का सरेंडर

कांकेर। छत्तीसगढ़ के तीन जिलों कांकेर, नारायणपुर और सुकमा में गुरुवार को सुरक्षा बलों तथा पुलिस को तब बड़ी सफलता हाथ लगी जब 95 लाख के ईनामी कंपनी कमांडर सहित 26 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। समर्पण करने वालों में नौ महिला नक्सली भी शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने में उत्तर बस्तर में सक्रिय 62 लाख के ईनामी 13 नक्सली शामिल हैं जिसमें पांच महिला भी हैं। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में कंपनी कमांडर मंगलू उर्फ रूपेश कोमरा और उत्तर बस्तर डिविजन का कमांडर इन चीफ मैनू नेगी भी है। मंगलू पर 10 लाख जबकि मैनू पर आठ लाख का ईनाम घोषित है। सरेंडर करने वालों में 10 लाख का एक, आठ-आठ लाख के चार, 5-5 लाख के तीन और एक-एक लाख के पांच नक्सली हैं।

तीन छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर का विकास

नई दिल्ली। भारत तीन प्रकार के छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) विकसित कर रहा है, जिनमें से एक रिएक्टर विशेष रूप से हाइड्रोजन उत्पादन के लिए होगा। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को राज्यसभा को एक लिखित उत्तर में बताया कि ये रिएक्टर मुख्यत: ऊर्जा-गहन उद्योगों के लिए कैप्टिव प्लांट्स के रूप में इस्तेमाल किए जाएंगे। सिंह ने बताया कि स्वदेशी रूप से विकसित किए जा रहे तीन रिएक्टरों में 200 मेगावाट विद्युत क्षमता वाला भारत स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर, 55 मेगावाट क्षमता वाला एसएमआर, और पांच मेगावाट थर्मल गैस कूल्ड रिएक्टर शामिल हैं।

विधायक के भाई के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

पुणे। महाराष्ट्र में पुलिस ने आज केडगांव-चौफुला क्षेत्र स्थित अंबिका लोकनाट्य कला केंद्र में हुई गोलीबारी में संलिप्तता के आरोप में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा-अजित पवार गुट) के विधायक शंकर मांडेकर के भाई बालासाहेब मांडेकर और दो अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया। रिपोर्ट के मुताबिक सांस्कृतिक केंद्र में बालासाहेब मांडेकर और उनके समूह द्वारा की गई अंधाधुंध गोलीबारी में एक महिला कलाकार घायल हो गई थी। इस बीच राकांपा (शरद गुट) के विधायक रोहित पवार ने सत्तारूढ़ दल पर मामले को दबाने और घायल कलाकार तथा सांस्कृतिक केंद्र के प्रबंधन पर चुप्पी साधे रहने का दबाव का आरोप लगाया।

अंदर देखें ... यूरेका

संसद में लगातार चौथे दिन भी कायम रहा गतिरोध

संसद परिसर में एसआईआर के विरोध में प्रदर्शन करते विपक्षी दलों के सांसद।

- नहीं हो सका कामकाज, रास में छह सदस्यों को दी गई विदाई
- एसआईआर के विरोध में विपक्ष के सदस्यों ने किया हंगामा

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद में गुरुवार को लगातार चौथे दिन बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर गतिरोध कायम रहा जबकि राज्यसभा में सेवानिवृत्त होने जा रहे छह सदस्यों को विदाई दी गई। हंगामे के कारण लोकसभा और राज्यसभा एक-एक बार के स्थगन के बाद पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। दोनों सदनों में एसआईआर के विरोध में विपक्ष के कई सदस्य आसन के समक्ष आकर नारेबाजी करते रहे।

लोकसभा में कार्यवाही आरंभ होते ही विपक्षी दलों ने आसन के निकट पहुंचकर नारेबाजी की और तख्तियां लहराईं, जिन पर एसआईआर विरोधी नारे लिखे हुए थे। उन्होंने बिहार में एसआईआर की कवायद पर तत्काल चर्चा की मांग करते हुए हंगामा किया। हालांकि, सदन में शोर-शराबे के बीच ही पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने प्रश्नकाल के दौरान कुछ पूरक प्रश्नों के उत्तर दिए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आसन के समीप शोर-शराबा कर रहे विपक्षी सदस्यों से प्रश्नकाल में भाग लेने की अपील की।

एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे जब निचले सदन की बैठक फिर शुरू हुई तो विधि और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने विपक्षी सदस्यों से गोवा राज्य विधानसभा के निर्वाचन क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधित्व का समायोजन विधेयक, 2024 पर चर्चा में भाग लेने की अपील की।

बुजुर्ग महिला को आवारा कुत्तों ने नोचकर मार डाला

कार्यालय संवाददाता, बिजनौर

अमृत विचार: खेत से पशुओं के लिए चारा लेने गई 60 वर्षीय महिला को आवारा कुत्तों के झुंड ने नोच कर मौत के घाट उतार दिया।

थाना अफजलगढ़ के गांव झाड़पुरा भागीजोत निवासी हुकुम चंद्र सैनी की पत्नी मुन्नी देवी गुरुवार को घर से महज 40 मीटर दूर खेतों में पशुओं के लिए चारा लेने गई थी। वहां कुत्तों के झुंड ने उन्हें घेर लिया और नोचने लगे। उनकी चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण दौड़े और कुत्तों को भगाया लेकिन तब तक महिला की मौत हो चुकी थी। कुत्तों ने महिला के सिर के बाल उखाड़ दिए और हाथ-पैर बुरी तरह जख्मी कर दिए। सीओ अफजलगढ़ राजेश सिंह सोलंकी व थानाध्यक्ष सुमित राठी मौके पर पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी। पिछले चार महीने में अफजलगढ़ क्षेत्र में कुत्तों के हमले में यह तीसरी मौत है।

मृतका मुन्नी देवी

- पशुओं के लिए चारा लेने गई थी खेत, तभी कुत्तों ने बोला हमला

पांच लोगों के हत्यारे को मृत्युदंड

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

- प्रेमी की पत्नी को उम्रकैद, दोनों पर 2,20,000 रुपये जुर्माना भी लगाया
- प्रेमिका बच्चों के साथ रहने का दबाव डाल रही थी तो सबको मार डाला

अमृत विचार : प्रेमिका और उसके चार मासूम बच्चों की हत्या करने के दोषी प्रेमी को अपर सत्र न्यायाधीश अनुराग कुरील ने गुरुवार को फांसी की सजा सुनाई है। कोर्ट ने उसकी पत्नी को भी आजीवन कारावास की सजा दी। दोनों पर 2,20,000 रुपये अर्थदंड भी लगा है।

जिला शासकीय अधिवक्ता श्यामसुंदर मिश्रा ने बताया कि राजापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अमान गांव के बाहर 25 अप्रैल 2017 को महिला सहित 5 बच्चों के शव मिले थे। महिला की पहचान बिहार के पटना जिले की माधवपुर निवासी लालमुनी देवी उर्फ रीना पत्नी सत्यानंद के रूप में हुई थी। शव उसके बच्चों रीता, संगीता, गीता व किशुन के थे। लालमुनी देवी का पति सत्यानंद मानसिक बीमार था और घटना से दो साल पहले घर छोड़कर कहीं चला गया था। इस दौरान लालमुनी देवी चित्रकूट के राजापुर थाना क्षेत्र के अमवा गांव निवासी अवधेश यादव के संपर्क में आ गई। कुछ समय बाद लालमुनी ने अवधेश पर बच्चों के साथ गांव चलकर रहने का दबाव बनाया और ऐसा न करने पर पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की बात कही थी। इस पर अवधेश ने अपनी पत्नी मंटू देवी उर्फ कुसुमकली के साथ मिलकर लालमुनी को रास्ते से हटाने का निर्णय लिया।

अवधेश यादव और मंटू देवी।

अनिल अंबानी समूह पर ईडी का छापा

मुंबई, एजेंसी

- 3000 करोड़ रुपये के ऋण घोटाले में एजेंसी ने की कार्रवाई

प्रवर्तन निदेशालय ने रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ 3,000 करोड़ रुपये के कथित ऋण घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में गुरुवार को कई जगह छापे मारे।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इन कंपनियों द्वारा लिए गए बैंक ऋणों के अलावा कुछ अघोषित विदेशी संपत्तियां भी एजेंसी की जांच के दायरे में हैं। सूत्रों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मुंबई में 35 से अधिक परिसरों में छापेमारी की जा रही है। ये परिसर 50 कंपनियों और करीब 25 लोगों से जुड़े हैं। यह कार्रवाई ईडी की दिल्ली स्थित जांच इकाई द्वारा की जा रही है। ईडी सूत्रों ने बताया कि 2017 से 2019 के बीच यस बैंक से लिए लगभग 3,000 करोड़ रुपये के ऋण के गलत इस्तेमाल के आरोपों में ये छापेमारी की जा रही है। समूह की दो कंपनी 'रिलायंस पावर' और 'रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर' ने शेयर बाजार को दी अलग-अलग सूचना में कहा कि ईडी की कार्रवाई का उनके व्यवसाय संचालन, वित्तीय प्रदर्शन, शेयरधारकों, कर्मचारियों या किसी अन्य हितधारक पर कोई असर नहीं पड़ा है।

आरोपियों को बरी करने के फैसले पर सुप्रीम रोक

मुंबई ट्रेन विस्फोट मामला

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने 2006 के मुंबई ट्रेन बम विस्फोट मामले में सभी 12 आरोपियों को बरी करने के बंबई उच्च न्यायालय के फैसले पर गुरुवार को रोक लगा दी, लेकिन कहा कि उन्हें फिलहाल जेल लौटने की जरूरत नहीं है।

न्यायालय ने निर्देश दिया कि बंबई उच्च न्यायालय के फैसले को नजीर न माना जाए। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मामले के सभी आरोपियों को नोटिस जारी किया और राज्य सरकार की अपील पर उनसे जवाब मांगा। पीठ ने कहा कि हमें सूचित किया गया है कि सभी प्रतिवादियों को रिहा कर दिया गया है और उन्हें वापस जेल भेजने का कोई सवाल ही नहीं उठता।

गुलदार के हमले में 11 साल की बच्ची की मौत, ग्रामीणों में गुस्सा

कार्यालय संवाददाता, बिजनौर

- खेत में मिला क्षत-विक्षत शव, शौच को गई तभी दबोच लिया
- पूरी रात लाठी-डंडे लेकर गुलदार को तलाशते रहे ग्रामीण

अमृत विचार : बिजनौर जिले के नहटौर थाना क्षेत्र के एक गांव में एक बच्ची को गुलदार ने मार डाला। गुस्साए परिजनों ने शव सड़क पर रखकर जाम लगा दिया।

गांव मंडोरी निवासी रवि कुमार की बेटी कनिका बुधवार की शाम करीब साढ़े सात बजे शौच के लिए खेत पर गई थी। देर तक न लौटने पर परिजन खोजने निकले। परिजनों और ग्रामीणों को खेत के किनारे खून और गुलदार के पंजों के निशान मिले। इससे परिजन डर गए। दर्जनों ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर खेतों में पूरी रात तलाशते रहे। पुलिस व वन विभाग की टीम भी पहुंची, लेकिन बच्ची का पता नहीं चला। गुरुवार सुबह करीब सात बजे गन्ने के खेत में कनिका का क्षत-विक्षत शव पड़ा मिला। आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। उनका आरोप था कि पहले भी गुलदार को कई बार देखा गया था लेकिन वन विभाग और प्रशासन ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। एसडीएम रितु रानी और सीओ धामपुर अभय कुमार पांडे गांव पहुंचे और कार्रवाई का भरोसा दिया। वन विभाग की टीम ने गुलदार की तलाश शुरू कर दी है। पिंजरे लगाए जा रहे हैं।

कनिका

अच्छी पहल | योगी सरकार ने कृषि श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी में की बढ़ोत्तरी

अब कृषि श्रमिकों को मिलेगी प्रतिमाह 6552 न्यूनतम मजदूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नकद, उपज और डिजिटल भुगतान के तीन विकल्प लागू

अमृत विचार : योगी सरकार ने कृषि मजदूरों के हित में अभूतपूर्व कदम उठाते हुए न्यूनतम मजदूरी की दरों में व्यापक संशोधन किया है। अब राज्य के सभी जिलों में कृषि कार्यों से जुड़े वयस्क श्रमिकों को 252 रुपये प्रतिदिन या 6552 रुपये प्रति माह न्यूनतम मजदूरी मिलेगी। पहले 240 रुपये प्रति दिन और 6240 रुपये प्रतिमाह मिलती थी।

इस निर्णय से लाखों खेतिहर मजदूरों, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, कुक्कुट पालन जैसे कृषि आधारित उद्योगों से जुड़े लोगों को वित्तीय सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन का आधार मिलेगा। श्रम एवं सेवायोजन विभाग के प्रमुख सचिव ने कहा कि यह दरें राज्य में हर प्रकार की खेती पर लागू होंगी।

सरकार ने ई-श्रम पोर्टल के माध्यम से असंगठित क्षेत्र के करोड़ों मजदूरों का पंजीकरण कर उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ा था। न्यूनतम मजदूरी की यह नई अधिसूचना उसी श्रृंखला में एक और मजबूत कड़ी है। यह फैसला न केवल श्रमिक कल्याण, बल्कि कृषि क्षेत्र में श्रमिकों की स्थायित्व और उत्पादन क्षमता को बढ़ावा देगा। साथ ही डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देकर आधुनिक और पारदर्शी प्रणाली की नींव भी रखेगा। श्रम एवं सेवायोजन विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. एमके शनमुगा सुन्दरम् ने बताया कि यह दरें राज्य के हर प्रकार की खेती पर लागू होंगी, चाहे वह परंपरागत कृषि हो, मशरूम उत्पादन हो या मंडी तक फसल पहुंचाने का श्रम। मजदूरी का भुगतान अब नकद, आंशिक नकद, कृषि उपज या डिजिटल माध्यमों से किया जा सकता है, लेकिन किसी भी स्थिति में मजदूरी की कुल राशि विहित दर से कम नहीं होनी चाहिए। शासनादेश में कहा गया है कि न्यूनतम मजदूरी की प्रति घंटे दर भी दैनिक मजदूरी का 1/6 भाग से कम नहीं हो सकेगी।

श्रमिक नीति में मूलभूत बदलाव का संकेत

योगी सरकार का यह फैसला सिर्फ मजदूरी तय करने का नहीं, बल्कि यह यूपी की श्रमिक नीति में मूलभूत बदलाव का संकेत है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य कर रहे लाखों श्रमिकों को सीधा लाभ मिलेगा और कृषि कार्यों में श्रम की गुणवत्ता व निरंतरता सुनिश्चित होगी। यह निर्णय योगी सरकार की सबका साथ, सबका विकास नीति का एक और उदाहरण है, जिसमें खेतिहर मजदूरों को आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाने की दिशा में ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

शहर में आज

☞ हरियाली तीज पर यंग एनर्जेटिक पॉजिटिव पीपल की ओर से कार्यक्रम रामगंगा विहार स्थित डीनूस क्लब हाई स्ट्रीट 4 :30 बजे

☞ नवाबपुरा के पंचायती मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा का छठां दिन शाम 5 :00 बजे

ब्रीफ न्यूज

किशोरी पर बदमाशों ने ब्लेड से किया हमला

सैफनी, अमृत विचार : थाना क्षेत्र में गुरुवार शाम को गांव के बाहर गई किशोरी को चार नकाबपोश बदमाशों ने दबोच लिया। किशोरी के शोर मचाने पर बदमाशों ने ब्लेड से उस पर हमला कर दिया। घटना में वह घायल हो गई है। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। बदमाशों की तलाश में पुलिस ने घेराबंदी की मगर कोई सुराग नहीं लग सका। घटना शाम पांच बजे के करीब बताई जा रही है। सीओ हर्षिता सिंह ने मौके पर पहुंचकर जांच की। आरोपियों की तलाश के लिए कांबिंग की, मगर कोई पता नहीं चल सका। सीओ ने बताया कि किशोरी के हाथ पर चोट के निशान भी हैं। मामले की जांच की जा रही है।

अमावस्या पर किया भंडारा

मुरादाबाद, अमृत विचार : अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल ने गुरुवार को अमावस्या पर पीतल नगरी रोडवेज के निकट दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर के बाहर भंडारा किया। राष्ट्रीय बजरंग दल के प्रदेश अध्यक्ष रोहन सक्सेना ने बताया कि यह संगठन की ओर से मासिक भंडारा है। इस दौरान सुरेश कुमार गुप्ता, अमित अग्रवाल, गौरव सैनी, गोविंद सिंह, पंकज कुमार, अर्पित सक्सेना, डॉ. मुदित अग्रवाल, अनुज आर्य, रोहित भटनागर, दिव्यांशु कुमार, अभिषेक श्रीवास्तव, दिशांत सैनी, विजय शर्मा आदि मौजूद रहे।

संग्रह मौर्य बने मुरादाबाद के नए डीआरएम

बरेली, अमृत विचार : रेलवे बोर्ड की ओर से गुरुवार को जारी किए आदेश में संग्रह मौर्य को मुरादाबाद मंडल का नया डीआरएम बनाया है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे से संग्रह मौर्य को मुरादाबाद मंडल की जिम्मेदारी दी है। यह नियुक्ति डीआरएम राजकुमार सिंह की जगह होगी। अभी राजकुमार सिंह के नए तैनातीस्थल के आदेश जारी नहीं किए गए हैं।

भोलेनाथ के जयकारे लगा रहे कांवड़िये

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : सावन में शिवालयों पर जलाभिषेक करने के लिए हरिद्वार व बृजघाट से गंगाजल लाने और लेकर लौटने का कांवड़ियों का क्रम जारी है। गुरुवार को भी कांठ रोड, दिल्ली रोड व रामपुर रोड पर कांवड़ियों के जत्थे बोल बम, हर हर महादेव का जयघोष करते हुए डीजे पर भजनों की धुन पर आगे बढ़ रहे थे।

तीसरे सोमवार 28 जुलाई को शिवालयों में कांवड़ियों का जत्था हरिद्वार व बृजघाट से लाए गंगाजल से भोलेनाथ का अभिषेक करेंगे। इसके लिए जल लाने व लेकर लौटने में कांवड़ियों के दल सड़कों पर शिव की भक्ति में डूबे दिखे। डीजे पर बज रहे शिव के भजनों से महानगर में वातावरण शिवमय हो गया है। वहीं कांवड़ियों की सेवा के लिए दिल्ली और कांठ रोड पर सेवा शिविरों को सक्रिय किया जा रहा है। कई शिविर शनिवार से प्रारंभ होंगे। इसके लिए व्यवस्था बनाने में कांवड़ सेवा समिति के पदाधिकारी व सदस्य जुटे रहे। शनिवार से कांवड़ियों की संख्या को बढ़ने पर रुट डायवर्जन भी लागू हो जाएगा। शनिवार से लेकर सोमवार की दोपहर तक प्रतिबंधित रहेगा।

विधायक ने शिवभक्तों को वितरित किया प्रसाद

मुरादाबाद, अमृत विचार : कुंदरकी के विधायक रामवीर सिंह ने गुरुवार को अपने शिविर कार्यालय महर्षि दयानंद लॉ कॉलेज भदासना में कांवड़ यात्रियों के लिए सेवा शिविर का उद्घाटन किया। उन्होंने शिव भक्तों को प्रसाद वितरित किया। विधायक ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था का पर्व है। धार्मिक आयोजन में शिव भक्त भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए कांवड़ और गंगाजल लाते हैं। भगवान शिव के भक्तों की सेवा करना हमारा सौभाग्य है और यही सच्ची श्रद्धा है। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि हर कांवड़िया श्रद्धा, सम्मान और सुविधा के साथ अपनी यात्रा पूरी करे। शिविर में कांवड़ियों के लिए भोजन प्रसाद, चिकित्सीय सुविधा, विश्राम स्थल, स्नान और शौचालय की व्यवस्था कराई गई है। इस दौरान मंडल अध्यक्ष महेंद्र सैनी, नीरज चंद्रा, रोहित सिंह, रामकिशोर लोधी, जय सिंह, रविन्द्र सिंह, सोनू रस्तोगी, रवि सक्सेना आदि मौजूद रहे।

बीमार नर्सिंग ऑफिसर को अमरनाथ यात्रा की ड्यूटी पर भेजने पर हंगामा

जिला अस्पताल में स्टाफ ने दो घंटे की नारेबाजी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

प्रमुख अधीक्षक कार्यालय में उनसे वार्ता करते स्वास्थ्य कर्मी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जिला अस्पताल में तैनात नर्सिंग ऑफिसर की बीते दिनों अमरनाथ यात्रा के लिए ड्यूटी लगाई गई थी। 26 जुलाई को उन्हें अपनी सेवाएं देनी थी। तीन दिन पहले उन्हें पेट में अचानक दर्द होने पर अल्ट्रासाउंड कराया तो फ्लूड की दिक्कत आई। बुधवार को उन्हें अस्पताल में भर्ती कर इलाज किया गया। आरोप है कि प्रमुख अधीक्षक व अपर निदेशक ने चिकित्सकों पर दवाब बनाकर उन्हें डिस्चार्ज कराया। इस पर स्वास्थ्य कर्मियों ने दो घंटे कार्य का बहिष्कार कर हंगामा किया।

डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संदीप बडोला के नेतृत्व में स्वास्थ्यकर्मी, लैब टेक्निशियन, आउटसोर्सिंग कर्मचारी, संविदा कर्मचारी प्रमुख अधीक्षक के कार्यालय में पहुंचे और नाराजगी जताकर नारेबाजी की। बीमार स्थिति में नर्सिंग ऑफिसर रुपिका को डिस्चार्ज करने और उन्हें अमरनाथ यात्रा की ड्यूटी में भेजने का कारण पूछा। अपर निदेशक व प्रमुख अधीक्षक डॉ. संगीता गुप्ता के जवाब से स्वास्थ्य कर्मी संतुष्ट नहीं हुए। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उनका शोषण किया जा रहा है। उनसे फोन छीनकर जमा कर लिया जाता है। प्रमुख अधीक्षक डॉ. संगीता गुप्ता ने इस संबंध में बताया कि स्वास्थ्य कर्मी की ड्यूटी कटवाने के संबंध में डायरेक्ट्रेट ऑफ कश्मीर के साथ ही उत्तर प्रदेश शासन को मेल द्वारा पत्र भेज दिया है। वहीं, अवकाश देने के नाम पर पैसे मांगने के आरोप निराधार हैं।

आउटसोर्सिंग के 16 कर्मचारियों को पिछले चार माह से वेतन नहीं मिला है। उन्हें चिकित्सा व मातृत्व अवकाश के वेतन का भी भुगतान नहीं हो रहा है। समय पर वार्षिक वेतन वृद्धि नहीं हो रही। दो साल से एरियर का भुगतान नहीं हुआ।

दवा के लिए परेशान हुए मरीज

दो घंटे कार्य बहिष्कार के चलते जिला अस्पताल की ओपीडी में डिस्पेंसरी बंद रहने से मरीजों और तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ा। ओपीडी में इलाज कराने पहुंचे मरीज जब दवाई लेने के लिए डिस्पेंसरी पहुंचे तो वहां ताला लटका मिला। दवा वितरण न होने से भीड़ बढ़ती चली गई। मरीजों ने बताया कि पर्चा बनवाने के बाद घंटों लाइन में खड़े रहकर भी दवा न मिलने पर होकर लौट गए।

संभल हिंसा मामला : जामा मस्जिद के सदर जफर अली को हाईकोर्ट ने दी जमानत

23 मार्च को पुलिस ने जफर अली को किया था गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता,प्रयागराज/संभल

जफर अली को अदालत में पेश करने के लिए ले जाती पुलिस। (फाइल फोटो)

अमृत विचार: जामा मस्जिद सर्वे को लेकर भड़की हिंसा के मामले में गिरफ्तारी के बाद चार महीने से जेल में बंद जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जमानत दे दी है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन की एकलपीठ ने गुरुवार को पारित किया।

संभल में 24 नवंबर 2024 को अदालत के आदेश पर जामा मस्जिद में सर्वे के खिलाफ मुस्लिम समाज के हजारों लोग सड़कों पर आ गये थे। इस दौरान हिंसा भड़की तो जमकर पथराव,फायरिंग व आगजनी हुई । पुलिस के अनुसार हिंसा में 4 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 29 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। संभल हिंसा को लेकर पुलिस की तरफ से कोतवाली संभल व थाना नखासा में कई मुकदमे दर्ज किये गये थे। एक मुकदमे में सांसद जियाउर्रहमान बर्क और सपा विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल को भी आरोपी बनाया गया । विशेष जांच दल (एसआईटी) ने संभल हिंसा में जामा मस्जिद कमेटी सदर जफर अली की बड़ी भूमिका होने का दावा करते हुए आरोपी बनाया था।

एसआईटी ने अपनी जांच में साफ किया कि जफर अली ने हिंसा से पहले 23 नवंबर की रात जामा मस्जिद में सर्वे की सूचना सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क को दी थी। इसके बाद ही जब अगले दिन सर्वे शुरू हुआ तो भीड़ इकट्ठा हुई और हिंसा की घटना हुई। इसके बाद 23 मार्च 2025 को पुलिस ने जफर अली को गिरफ्तार कर लिया था। वह करीब चार महीने से मुरादाबाद जेल में बंद हैं। कोर्ट ने जफर अली की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान मामले की परिस्थितियों को देखते हुए स्पष्ट किया कि यह जमानत आदेश ट्रायल की प्रक्रिया को प्रभावित नहीं करेगा। कोर्ट के आदेश के बाद अब जफर अली की रिहाई प्रक्रिया जल्द शुरू होगी।

व्हाट्सएप काल और चैटिंग से फंसे थे

संभल। एसआईटी में शामिल अधिकारियों ने हिंसा में जफर अली की भूमिका को लेकर पड़ताल की तो 24 नवंबर की देर रात को उनकी सांसद जियाउर्रहमान बर्क के साथ व्हाट्सएप काल और चैटिंग की बात सामने आई। एसआईटी सूत्रों का कहना है कि 24 नवंबर सुबह जामा मस्जिद में सर्वे की बात प्रशासनिक स्तर पर जामा मस्जिद कमेटी सदर जफर अली को 23 नवंबर की रात को बताई थी। इसके बाद जफर अली ने सांसद बर्क से बात कर बात बताई और फिर सर्वे के विरोध का ताना बाना बुना। 23 नवंबर की रात की व्हाट्सएप काल और चैटिंग जफर अली के खिलाफ सबूत बनी।

समर्थकों में खुशी

संभल, अमृत विचार : जफर अली का ईद का त्यौहार भी जेल के अंदर ही बीता। अब हाईकोर्ट से जमानत स्वीकृत हुई तो उनके परिजनों में खुशी की लहर नजर आई। समर्थकों ने भी खुशी का इजहार किया।

अस्थायी बस स्टैंड से संचालित होंगी बसें

मुरादाबाद, अमृत विचार : सावन में कांवड़ यात्रा के दौरान रोडवेज प्रशासन ने बस संचालन व्यवस्था में बदलाव किया है। शुक्रवार से रामपुर रोड और कांठ रोड की ओर जाने वाली सभी रोडवेज बसें अस्थायी बस स्टैंड से संचालित की जाएंगी।

उत्तर प्रदेश सड़क राज्य परिवहन निगम की क्षेत्रीय प्रबंधक ममता सिंह ने बताया कि कांवड़ यात्रा के दौरान शहर में यातायात दबाव, श्रद्धालुओं की आवाजाही और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है। अस्थायी बस स्टैंड से बसों के संचालन से यात्रियों को जाम से राहत मिलेगी और कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं की भी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी। बताया कि अस्थायी बस स्टैंड से बसों का संचालन सावन माह की समाप्ति तक जारी रहेगा। इसके लिए यातायात पुलिस और अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर लिया गया है। हालांकि रोडवेज प्रबंधन की ओर से यात्रियों की सुविधा के लिए अस्थायी बस स्टैंड पर मार्गदर्शन काउंटर, आवश्यक सूचना बोर्ड और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध अभी तक नहीं हो पाईं है। रोडवेज प्रबंधन ने यात्रियों से अपील की है कि वह यात्रा पर निकलने से पहले संचालन स्थल की जानकारी अवश्य प्राप्त करें।

तीसरे सोमवार के लिए आज शाम से होगा रूट डायवर्जन

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● कांवड़ मार्ग पर 1000 पुलिस कर्मियों की लगाई ड्यूटी

अमृत विचार : सावन माह के तीसरे सोमवार पर होने वाले जलाभिषेक और कांवड़ यात्रा के लिए पुलिस ने कमर कस ली है। कांवड़ियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हाईवे पर शुक्रवार की शाम छह बजे से भारी वाहनों को डायवर्ट कर दिया जाएगा। इसके बाद रविवार सुबह आठ बजे से छोटे वाहन भी डायवर्ट किए जाएंगे। कांवड़ मार्ग पर भी शुक्रवार शाम से ही जगह-जगह पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लग जाएगी। सीसीटीवी से नियमित निगरानी की जाएगी।

सावन माह का तीसरा सोमवार 28 जुलाई को है। जिले के साथ ही आसपास के जिलों में सावन के तीसरे और चौथे सोमवार पर भारी संख्या में कांवड़िया निकलते हैं। इसे देखते हुए तीसरे सोमवार के जलाभिषेक और कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने को अभी से पुलिस ने कमर कस ली है। एसपी ट्रैफिक सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि दिल्ली रोड हाईवे पर तीसरे सोमवार की कांवड़ यात्रा के मद्देनजर शुक्रवार 25 जुलाई को शाम पांच बजे से भारी वाहनों का प्रवेश बंद कर दिया जाएगा।

बस, ट्रक और अन्य बड़े वाहन इस दौरान बदले मार्ग से दिल्ली की ओर जाएंगे। इसी तरह कांवड़ियों की संख्या बढ़ने पर रविवार 27 जुलाई से छोटे वाहनों को भी डायवर्ट कर दिया जाएगा। शुक्रवार शाम से ही हाईवे की एक लेन कांवड़ियों के लिए आरक्षित कर दी जाएगी। कांठ रोड पर भी शुक्रवार शाम से भारी वाहनों को डायवर्ट कर दिया जाएगा।

उधर एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि तीसरे सोमवार के मद्देनजर और अधिक सतर्कता बरती जा रही है। थाना प्रभारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने क्षेत्र से जाने वाले एक-एक कांवड़ियों के जत्थे का रिकार्ड रखें। कांवड़ मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए महानगर समेत जिले भर में एक हजार पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। बैरियर लगाकर नियमित चेकिंग भी की जा रही है।

सीनियर वर्ग में लक्ष्य जैन नमन जैन की टीम विजेता

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● क्विज प्रतियोगिता खोज में परखी विद्यार्थियों की तकनीकी दक्षता

अमृत विचार : तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के एफओई एंड सीसीएसआईटी के ऑनलाइन मेगा क्विज कॉन्टेस्ट खोज में सीनियर लेवल प्रोजेक्ट डवलपमेंट कैटेगरी में बीटेक सीएस चतुर्थ सेमेस्टर के लक्ष्य जैन और नमन जैन की टीम विजेता रही। जूनियर वर्ग में बीटेक आईबीएम द्वितीय सेमेस्टर के तन्मय सेठी और युग जैन की टीम ने बाजी मारी।

विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ कम्प्यूटिंग साइन्सेज एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी सीसीएसआईटी में ऑनलाइन मेगा क्विज प्रतियोगिता खोज कराई गई थी। सीनियर लेवल प्रोजेक्ट डवलपमेंट कैटेगरी में बीटेक सीएस चतुर्थ सेमेस्टर के लक्ष्य जैन और नमन जैन की टीम विजेता रही। बीसीए चतुर्थ सेमेस्टर के शशांक जैन और हर्षित पाटनी की टीम रनरअप रही। जूनियर वर्ग में बीटेक आईबीएम द्वितीय सेमेस्टर के तन्मय सेठी और युग जैन की टीम ने बाजी मारी। बीटेक-एआई द्वितीय सेमेस्टर के कार्तिक जैन और आर्यन कुमार की टीम दूसरे स्थान पर रही। फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग के डीन प्रो. राकेश द्विवेदी के मार्गदर्शन में आयोजन किया। निर्णायक मंडल के सदस्यों अजय चक्रवर्ती, विनीत सक्सेना, रोहिल्ला नाज ने परिणाम घोषित किया। डीन ने कहा कि तकनीकी ज्ञान आज के समय की बड़ी पूंजी है। इंजीनियरिंग की प्रत्येक शाखा में संभावनाओं की कमी नहीं है, बशर्ते छात्र तकनीकी दक्षताओं को विकसित करते रहें। संचालन अजय चक्रवर्ती ने किया। कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष डॉ. रूपल गुप्ता, डॉ. संदीप वर्मा, मनोज गुप्ता, अंकुर अग्रवाल, राजीव कुमार आदि रहे।

धर्मांतरण के विरुद्ध सख्त कानून बनाए सरकार : राजकमल

मुरादाबाद, अमृत विचार : विश्व हिंदू परिषद ने मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने और हिंदू समाज को विकेंद्रित करने वाली शक्तियों के विरुद्ध एकजुटता के लिए अभियान चलाने का निर्णय लिया है।

महाराष्ट्र के जलगांव में विश्व हिंदू परिषद की केंद्रीय प्रबंध समिति की दो दिवसीय बैठक से लौटने के बाद विहिप के केंद्रीय प्रबंधन समिति के सदस्य डॉ. राजकमल गुप्ता ने बताया कि मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्ति और हिंदू समाज को विखंडित करने वाली शक्तियों के विरुद्ध एकजुटता के संकल्प, धर्मांतरण के विरुद्ध सख्त कानून केंद्र सरकार बनाकर इसे देश भर में लागू करे। कहा हम हिंदू द्रोहियों के विभाजनकारी षड्यंत्रों को फलीभूत नहीं होने देंगे। मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने के लिए हिंदू समाज के प्रतिनिधि 7 से 21 सितंबर के बीच राज्यों के मुख्यमंत्रियों से मिलकर ज्ञापन देंगे।

हिंदू-मुस्लिम एकता बनाए रखने का लिया संकल्प

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: जीएमडी रोड स्थित रेस्टोरेंट में सिविल डिफेंस कोतवाली डिवीजन की बैठक हुई। इसका उद्देश्य कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा, सहयोग व समन्वय पर विचार किया गया। बैठक की अध्यक्षता डिप्टी डिवीजन वार्डन चक्रेश लोहिया ने की।

उन्होंने कहा कि शहर की सुरक्षा व सेवा सिविल डिफेंस की प्राथमिकता है। सिविल डिफेंस का कार्य केवल आपातकालीन सेवाओं तक सीमित नहीं, बल्कि समाज की सुरक्षा और व्यवस्था में भी इसकी सक्रिय भूमिका होती है। उन्होंने सभी सदस्यों से कांवड़ यात्रा के लिए पूरी तैयारी और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। वहीं हिंदू-मुस्लिम एकता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि आरक्षित पोस्ट वार्डन शाकिर हुसैन ने कहा कि कांवड़ यात्रा के सफल आयोजन में सभी धर्मों के लोगों को मिलकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा हमें एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हुए सामाजिक सौहार्द और भाईचारे को कायम रखना होगा। पोस्ट वार्डन विपुल अग्रवाल ने शहरवासियों से आग्रह किया कि वह स्वच्छता, यातायात नियमों और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। उन्होंने कांवड़ यात्रियों से सहयोग की अपील की। कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था, जलपान, चिकित्सा और आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था करने की बात कही। बैठक में कोठीवाल नगर, बारादरी, टाउन हॉल, ढेहरिया मोहल्ला, अमरोहा गेट, 84 घंटा, नवाबपुरा, दौलत बाग, चौकी हसन खां, नई बस्ती पोस्ट के पोस्ट वार्डन, आरक्षित पोस्ट वार्डन, डिप्टी पोस्ट वार्डन, मोहम्मद वसीम अंसारी, आशीष चंद्र त्रिवेदी, अरशद अली, शाहबाज इकबाल, डिप्टी कंट्रोलर नीरज चक तथा सहायक डिप्टी कंट्रोलर सतीश कुमार रहे।

कांवड़ यात्रा के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गों पर अंडरपास में न हो कहीं जलभराव

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

सड़क सुरक्षा की बैठक करते अपर जिलाधिकारी प्रशासन गुलाब चंद्र व अन्य।

अमृत विचार : अपर जिलाधिकारी प्रशासन गुलाब चंद्र की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की मासिक समीक्षा बैठक हुई। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गों पर अंडरपास में जलभराव की समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होंने एनएचएआई के अधिकारियों को इसके लिए प्रबंध सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

एनएचएआई के अधिकारियों ने बताया कि जिले में चिह्नित दुर्घटना संभावित स्थानों पर अगले महीने सतर्कता और सुरक्षा के लिए कार्य कराए जाएंगे। अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने सड़कों के किनारे बिजली के पोल और पेड़ों पर रिफ्लेक्टर टेप लगाने में तेजी लाने के लिए कहा। काशीपुर तिराहा पर गोल चक्कर की गोलाई अधिक होने से वाहनों को हो रही समस्या पर उन्होंने एसपी यातायात सुभाष चंद्र गंगवार से कहा कि स्थलीय निरीक्षण कर सुगम यातायात के लिए डिजाइनिंग तैयार कराकर निर्माण कार्य कराएं। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि बिना फिटनेस वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाए। स्कूली वाहनों की भी नियमित जांच होनी चाहिए। अनफिट वाहनों को सीज करने के साथ ही जुर्माना भी लगाएं। विद्यालयों में गठित रोड सेफ्टी क्लब सक्रिय कर प्रार्थना सभा के दौरान बच्चों को सड़क सुरक्षा के नियमों के बारे में जागरूक करने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजीव बेलवाल आदि मौजूद रहे।

● बिना फिटनेस वाले वाहनों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

तीजोत्सव

तीज पर्व को खास बनाने की तैयारी में जुटी सुहागिनें, त्योहार की कर रहीं तैयारियां

तीज पर कोई ननद को देगा सरप्राइज, कोई सीख रही कजरी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरियाली तीज का पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि हरियाली तीज पर शिव-पार्वती की आराधना करने से वैवाहिक जीवन सुखमय रहता है। अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के साथ ही सुख और सौभाग्य की कामना से महिलाएं यह व्रत करती हैं। इस पर्व को हर बार की तरह यादगार बनाने के लिए इस बार भी महिलाओं ने खास तैयारी की है। कोई ननद को सरप्राइज देने की तैयारी कर रहा है तो कई सुहागिनें सास से तीज पर कजरी के गीत सीख रही हैं।

तीज की तैयारी को लेकर बाजार में खरीददारी करती महिलाएं। ● अमृत विचार

मंडी चौक निवासी अपूर्वा टंडन ने बताया कि इस बार पहली बार तीज का पर्व मनाएंगी। बचपन से मां को विधि विधान के साथ यह पर्व मनाते हुए देखा। तीज पर कजरी गीत का काफी महत्व है। इससे मां पार्वती और भगवान शंकर प्रसन्न होते हैं। ऐसे में अपनी सास से कजरी के गीत सुनकर उन्हें याद कर रही हैं।

जीएमडी रोड निवासी मनीषा यादव ने बताया कि ननद के साथ होने पर कभी एहसास नहीं होता कि वह ससुराल में हैं। उनके बहनों से अधिक प्यार मिलता है। ऐसे में तीज पर ननद के लिए सरप्राइज देने की तैयारी चल रही है। उनका कहना है कि पति की लंबी आयु की कामना के साथ ही परिवार की खुशहाली के लिए यह पर्व है।

साहस एनजीओ की सचिव कल्पना जैन ने बताया कि जरूरतमंदों की सेवा ही भगवान की असली पूजा है। ऐसे में तीज के इस पर्व को पारंपरिक तरीके से मनाने के साथ ही जरूरतमंद बच्चों को उनकी प्रतिभा के अनुरूप मंच देने का प्रयास है। बीते दिनों इसकी पहल हो चुकी है। तीज पर संकल्प लेंगी कि इसी तरह उनके सपनों को पंख देती रहें।

तीज की खुशी को दोगुना करने के लिए यंग एनर्जेटिक पॉजिटिव पीपल की ओर से शुक्रवार को तीज उत्सव कार्यक्रम का आयोजन होगा। क्लब की अध्यक्ष नेहा मेहरोत्रा ने बताया कि यह कार्यक्रम नवविवाहित महिलाओं के लिए आयोजित किया जा रहा है। इसमें तीज क्वीन, टैटू क्वीन, रील क्वीन, सिंदूर क्वीन, बिंदास क्वीन, सुंदर सुशील क्वीन, सिंधारा क्वीन की थीम पर महिलाएं अपनी प्रस्तुति देंगी।

कांग्रेस के 8 ब्लॉक अध्यक्षों की घोषणा

मुरादाबाद, अमृत विचार : कांग्रेस पार्टी के संगठन सृजन अभियान के तहत धरातल पर बदलाव नजर आने लगे हैं। प्रदेश कांग्रेस के अनुमोदन के बाद जिले के आठों ब्लॉकों में नए अध्यक्षों की तैनाती कर दी गई है।

जिला कांग्रेस प्रवक्ता सुधीर पाठक ने बताया कि ब्लॉकों में एक पद के लिए कई दावेदार थे। जिलाध्यक्ष विनोद गुम्बर ने जिला पदाधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट मंगाई थी। जिलाध्यक्ष विनोद गुम्बर ने ब्लॉक अध्यक्षों के नामों की घोषणा की। मुरादाबाद सदर से शकील सैफी, मूंढापांडे से ठाकुर नरेंद्रपाल सिंह, छजलैट से सीपी सिंह, डिलारी से जाकिर हुसैन, कुंदरकी से मुनीर तुर्की, भगतपुर टांडा से शमशाद हुसैन, ठाकुरद्वारा से मोहम्मद आरिफ और बिलारी से मुख्तियार हुसैन को ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

लोहिया वर्ल्ड स्पेस के लग्जरी विला में रोजगार के मिलेंगे अवसर

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : लोहिया वर्ल्ड स्पेस समूह ने न्यू मुरादाबाद में अपने पहले लक्जरी विला प्रोजेक्ट की शुरुआत की है। यह शहर के विकास को नई दिशा देगा।

निदेशक पीयूष लोहिया।

गुरुवार को लोहिया वर्ल्ड स्पेस के निदेशक पीयूष लोहिया ने दिल्ली रोड स्थित होटल में प्रेस वार्ता में बताया कि 10 एकड़ में 175 अत्याधुनिक विला बनाने जा रहा है। तेजी से विकसित हो रहे न्यू मुरादाबाद क्षेत्र को यह परियोजना नया शहरी चेहरा देगी। उन्होंने बताया कि एनसीआर के विकल्प के रूप में उभरता मुरादाबाद नोएडा, गुरुग्राम और दिल्ली जैसे महंगे और व्यस्त शहरों के बीच एक शांति, सुविधा और संतुलित जीवनशैली का बेहतर विकल्प बनेगा। लोहिया वर्ल्ड स्पेस परियोजना में बनाए जा रहे विला की कीमत 1 करोड़ 25 लाख से शुरू होगी। सर्विस क्लास लोगों के लिए लोहिया ग्रुप का सभी बैंकों से टाइअप है। इस विला को बैंक से लोन करा कर ले सकते हैं। लोगों की आकांक्षाओं को साकार करने का एक बेहतर प्रयास किया गया है। इस परियोजना में सभी की सुविधाओं को ध्यान रखा गया है। इसमें सामुदायिक केंद्र और अन्य सुविधाएं भी शामिल की हैं। इसके आसपास का क्षेत्र निवेश और आवास के लिहाज से बेहतर होगा। इस प्रोजेक्ट से स्थानीय युवाओं को रोजगार का अवसर मिलेगा।

आज का मौसम

धूप के साथ हल्के बादलों की आवाजाही रहेगी।

35.0° अधिकतम तापमान | 27.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05:32 | सूर्यास्त 07:12

सिटी ब्रीफ

गांव वासियों को दिखा तेंदुआ, दहशत

पाकबड़ा, अमृत विचार : इन दिनों कई गांवों में चोरों का शोर और ड्रोन का खौफ नजर आ रहा है। इसके बीच ग्रामीणों को तेंदुआ दिखाई देने से लोग दहशत में हैं। थाना क्षेत्र में लगातार ड्रोन उड़ने व चोरों का शोर मच ही रहा है कि इस बीच थाना क्षेत्र के गांव गिंदौड़ा में पार्क के पास अंकित एवं अरविंद को गांव की ओर जाते समय सड़क पार करते हुए तेंदुआ दिख गया। तेंदुआ देखते ही दोनों डर गए और गांव में पहुंचकर सभी को बताया कि कोई भी व्यक्ति गांव के बाहर संभल कर निकले। अभी गांव की ओर तेंदुआ आया है। बच्चों को घरों से बाहर न निकलने दें। खेतों पर जाते समय लोग इकट्ठा होकर जाएं। ग्रामीणों का कहना है कि एक तरफ ड्रोन उड़ने से चोरी का डर ऊपर से तेंदुए के चलते घरों से बाहर निकलना मुश्किल है।

आवेदन शुल्क में छूट के लिए करेंगे मांग

मुरादाबाद, अमृत विचार : सूरज नगर स्थित प्रदेश कार्यालय पर गुरुवार को भारत जागृति कान्फ्रेंस की बैठक हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुमित शर्मा ने कहा कि सरकारी नौकरियों में आवेदन शुल्क समाप्त किया ताकि गरीब व्यक्ति भी पंजीकरण करा सके। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अमित लाठे ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण कानून जल्द से जल्द बनाया जाए। जिबताया कि इन मांगों को जल्द शासन स्तर पर उठाया जाएगा। प्रदेश सचिव डॉ. मनमोहन ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी 25 जुलाई को पर्यावरण सुरक्षा को लेकर जन अभियान चलाया जाएगा। इसमें शहर के साथ ही ग्रामीणों को पर्यावरण प्रदूषण से होने वाली हानियों के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस मौके पर सुभाष कौशिक, अनिल गुप्ता, प्रेम गुप्ता, मनोज गुप्ता, हरिशंकर, रंजना शर्मा, तुषार शर्मा आदि मौजूद रहे।

मकान मालिक ने पड़ोसियों की मदद से महिला और साथी को पकड़ा

काम छोड़कर गई नौकरानी ने घर में की चोरी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- पुलिस ने दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेजा

अमृत विचार : सदर कोतवाली क्षेत्र में 15 दिन पहले काम छोड़कर गई नौकरानी अपने दोस्त के साथ मकान मालिक के घर में चोरी करने घुस गई। नौकरानी और उसका साथी सोने-चांदी के जेवरात और नकदी चुरा कर घर से निकल ही रहे थे कि बच्चों को स्कूल छोड़कर लौटे मकान मालिक ने उन्हें देख लिया और शोर मचाकर पड़ोसियों की मदद से दोनों को पकड़ लिया। मकान मालिक की तहरीर पर पुलिस ने महिला और साथी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर दोनों को जेल भेज दिया है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला सागर सराय निवासी संजय राजपूत के घर भट्टी मोहल्ला मंडी चौक की रहने वाली अर्चना मुल्तानी काम करती थी। बताया गया कि 15 दिन पहले ही अर्चना मुल्तानी, संजय राजपूत के घर से नौकरी छोड़कर चली गई थी। गुरुवार की सुबह संजय राजपूत और उनकी पत्नी अपने बच्चों को स्कूल छोड़ने गए थे। जब वह बच्चों को छोड़कर वापस लौटे तो उनके घर से नौकरानी अर्चना और उसका साथी सामान लेकर बाहर निकल रहे थे। यह देख संजय राजपूत ने शोर मचा दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग भी आ गए। जिसके बाद संजय राजपूत में पड़ोसियों की मदद से दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। नौकरानी अर्चना मुल्तानी के साथ पकड़े गए युवक ने अपना नाम दीपक निवासी लाइनपार बताया। दीपक, अर्चना का दोस्त है। पुलिस के अनुसार अर्चना मुल्तानी और उसका दोस्त दीपक चोरी के इरादे से संजय के घर में घुसे थे। दोनों उनके घर से तीन सोने की चेन, एक अंगूठी, एक लॉकेट, 8000 की नकदी और पीतल के कुछ बर्तन चुरा कर ले जा रहे थे। आरोपी के पास से चाकू भी बरामद हुआ है। सदर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बि जेंद्र सिंह ने बताया कि मकान मालिक की तहरीर पर महिला और उसके दोस्त के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

पत्रकारिता की सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- उपजा के स्थापना दिवस पर डॉ. व्यस्त ने रखे विचार

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट (उपजा) के स्थापना दिवस समारोह में विधान परिषद सदस्य डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त ने कहा कि पत्रकारिता न केवल लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है बल्कि सामाजिक परिवर्तन में भी उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इस दौरान प्रतियोगिता में केसीएम स्कूल के दर्श माहेश्वरी ने पक्ष में तथा जीजी हिन्दू इंटर कॉलेज की सिद्धि गुप्ता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज में कार्यक्रम हुआ। विशिष्ट अतिथि महाराजा अग्रसेन इंटर कालेज के प्रधानाचार्य अरुण कुमार शुक्ला ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से बच्चों की प्रतिभा निखरने के साथ ही उनका बौद्धिक विकास भी होता है। कार्यक्रम में श्रीराम शर्मा, डॉ. मनोज रस्तोगी, संस्था के जिलाध्यक्ष हरिप्रकाश शर्मा, जिला महामंत्री कुमार देव, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष अभिव्यक्ति सिन्हा, विमलेन्द्र कुमार शर्मा, अभिषेक भारद्वाज, दिनेश शर्मा, वीरभान सिंह, सुशील शर्मा, सुहेल खान, प्रेम प्रकाश सक्सेना, सतेंद्र अग्रवाल और अभिषेक सिंघल आदि मौजूद रहे।

प्राथमिक विद्यालय में मिले केवल शिक्षक, बच्चे नदारद

विद्यालय परिसर में घास में घूम रहे कीड़े, गौहरपुर सुल्तानपुर विद्यालय में अव्यवस्थाएं, पूछने पर अध्यापिका नाराज

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : कान्वेंट स्कूलों की तर्ज पर बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में व्यवस्था देने के सरकारी तंत्र के प्रयास सरकारी स्कूलों की चौखट पर ही दम तोड़ रही हैं।

इन स्कूलों में अव्यवस्था से शिक्षण प्रभावित हो रहा है। किसी विद्यालय के परिसर में घास उगने से जहरीले कीड़े घूम रहे हैं तो कहीं केवल शिक्षक ही स्कूल में मौजूद रहे, बच्चे नदारद। अमृत विचार की टीम मुरादाबाद सदर ब्लॉक के गोहरपुर सुल्तानपुर कंपोजिट विद्यालय में पहुंची तो यहां अव्यवस्था मिली। जबकि हसनपुर गढ़ी प्राथमिक विद्यालय में मर्जर हुए नवाबपुर प्राथमिक विद्यालय के अध्यापक मौजूद रहे, लेकिन बच्चे नहीं मिले। अध्यापिका ने बच्चों के न आने की वजह ढाई किलोमीटर की दूरी और बीच हाईवे पर स्कूल का होना बताया। अध्यापक घरों से लाए निजी बैटरी से पंखा चलाकर बात करते मिले।

प्राथमिक विद्यालय में गर्मी में पढ़ते छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

प्राथमिक विद्यालय गोहरपुर सुल्तानपुर में पेड़ के नीचे बच्चों को पढ़ाती अध्यापिका।

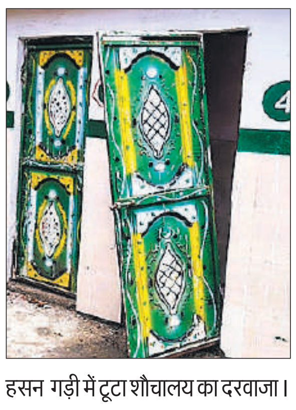

हसन गड़ी में टूटा शौचालय का दरवाजा।

कई कक्षाओं के छात्रों को नहीं मिलीं किताबें

हसनपुर गढ़ी प्राथमिक विद्यालय में घर से लाए बैटरी वाले पंखे की हवा के बीच सहायक अध्यापक नीतू वार्ष्णेय और अन्य अध्यापक बातचीत करते मिले। इस विद्यालय में नवाबपुरा प्राथमिक विद्यालय के मर्जर के बाद भी नवाबपुरा के एक भी बच्चे स्कूल में नहीं आए थे। नवाबपुरा प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका भावना ने बताया कि में कक्षा दो में एक भी बच्चा नहीं है। कक्षा 4 और पांच की अभी तक किताबें नहीं मिली हैं। बच्चों को विद्यालय तक लाने के प्रयास के बारे में बताया कि नवाबपुरा विद्यालय हसनपुर गढ़ी विद्यालय से लगभग ढाई से तीन किलोमीटर दूर पड़ता है और बीच में हाईवे पर असुरक्षा के चलते अभिभावक बच्चों को स्कूल भेजने से मना कर रहे हैं। इस विद्यालय में छात्र छात्राओं को अभी तक न कोर्स की किताबें मिली हैं, न यूनीफॉर्म। कक्षाओं में गंदगी पसरी थी। परिसर में घास में जहरीले कीड़े भी घूमते मिले। सहायक अध्यापक नीतू वार्ष्णेय ने बताया कि घास कटवाने के लिए कई बार ग्राम प्रधान से कहा गया लेकिन अभी तक नहीं हुआ।

गौहरपुर सुल्तानपुर कंपोजिट विद्यालय में पेड़ के नीचे पढ़ाई

गौहरपुर सुलतानपुर कंपोजिट विद्यालय में बच्चे टाट पट्टी पर बैठकर पढ़ाई कर रहे थे। पानी की टंकी थी लेकिन टोटी टूटी थी। शौचालय बंद था। बच्चे कक्षाओं के बाहर जमीन पर टाट पट्टी बिछाकर पढ़ रहे थे। शिक्षक-शिक्षिकाएं विद्यालय परिसर में पेड़ के नीचे बैठकर बात करने में लीन थे। जबकि बच्चे खुद पढ़ रहे थे। सहायक अध्यापक शिवानी सक्सेना ने कोई भी जानकारी देने से मना कर दिया। अध्यापिका की जब जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से वार्ता कराई तो वह और भड़क गईं।

> किताबें लगभग सभी विद्यालयों में पहुंचाई जा चुकी हैं। किसी विद्यालय में शायद कुछ किताबें न पहुंची हो। विद्यालयों में व्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी हेड मास्टर और अध्यापकों की है।अगर विद्यालयों में पानी और शौचालय की व्यवस्था खराब है तो इसके लिए संबंधित अध्यापकों को नोटिस जारी करेंगे। जांच के लिए टीम गठित कर विद्यालय का औचक निरीक्षण कराएंगे।
>
> **-विमलेश कुमार,** जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी

अब तक नहीं जुड़ सके 2126 ड्रॉपआउट बच्चे

मुरादाबाद, अमृत विचार : बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा ड्रॉपआउट बच्चों को स्कूलों से जोड़ने के प्रयास अब तक अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाया है। जनपद में कुल 42126 ड्रॉपआउट बच्चों को चिह्नित किया गया है, लेकिन इन्हें विद्यालयों से जोड़ने की प्रक्रिया बेहद धीमी गति की होने के कारण अभी 2126 बच्चों को जोड़ने प्रक्रिया की गति तेज नहीं हो पा रही है। राज्य परियोजना निदेशक ने गंभीरता लेते हुए कहा है कि ड्रॉपआउट बच्चों से संबंधित सभी परिवारों का सर्वेक्षण कार्य प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जाने के निर्देश दिए हैं।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया कि वह अपने-अपने क्षेत्रों में सर्वेक्षण कार्य चार दिनों के भीतर पूर्ण कर उसकी रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। सर्वेक्षण में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, ग्राम प्रधान, शिक्षा मित्रों और स्कूल प्रबंधन समितियों की मदद भी ली जाएगी। बेसिक शिक्षा विभाग का उद्देश्य है कि हर बच्चा शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़े, लेकिन अब तक इस दिशा में जो प्रयास किए गए हैं, वे पर्याप्त नहीं माने जा रहे।

मूंढापांडे थाना पुलिस ने नाबालिग आरोपी को बालिग बनाकर भेजा जेल

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- 17 दिन जिला कारागार में रहा किशोर, एसपी सिटी कर रहे हैं मामले की जांच

अमृत विचार : मूंढापांडे थाना पुलिस ने युवती को बहला फुसलाकर भगा ले जाने वाले नाबालिग आरोपी को बालिग बनाकर जेल भेज दिया। जबकि नाबालिग के पिता ने जन्मतिथि की पुष्टि करने के लिए पुलिस को हाईस्कूल की मार्कशीट भी दी थी, लेकिन इसके बाद भी पुलिस ने नहीं सुनी। नाबालिग आरोपी 17 दिन तक जिला कारागार में रहा। शिकायत के बाद प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड मुरादाबाद के आदेश पर आठ जुलाई को नाबालिग को किशोर न्यायालय भेजा। अब मामले की एसपी सिटी जांच कर रहे हैं।

थाना मूंढापांडे क्षेत्र के एक व्यक्ति ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव को शिकायती पत्र सौंपकर बताया कि उसका नाबालिग बेटा जिसकी जन्म तिथि 11 सितंबर वर्ष 2008 है वह गांव की युवती को जून माह में भगा ले गया था। युवती को पुलिस ने बरामद किया और मेडिकल व बयान के आधार पर नाबालिग के खिलाफ दुष्कर्म की धारा बढ़ा दी। पिता के अनुसार नाबालिग को लेकर थाने पहुंच गए। वहां पर इंस्पेक्टर ने चौकी इंचार्ज से मिलने की बात कही। चौकी इंचार्ज ने नाबालिग को हिरासत में ले लिया। बेटे को नाबालिग बताते हुए हाईस्कूल की मार्कशीट की फोटो स्टेट चौकी इंचार्ज को दी। चौकी इंचार्ज ने मार्कशीट लाने की बात कही तो उसी रात इंस्पेक्टर को मार्कशीट ह्वाट्सएप कर दी। अगले दिन सुबह थाने पहुंचे तो पुलिस ने स्कूल के प्रधानाध्यापक से लिखवाकर लाने की बात कही। नाबालिग के पिता प्रधानाध्यापक से लिखवाकर लेकर आए कि इसने वर्ष 2011 में हाईस्कूल पास किया है। इंस्पेक्टर को थाने पहुंचकर दोबारा कागज दिखाए तो उन्होंने चौकी इंचार्ज से बात करने के लिए कहा। नाबालिग को किशोर न्यायालय भेजने के लिए रुपये की मांग की। मना करने पर पुलिस ने 28 जून को 16 साल नौ माह के किशोर को जिला कारागार भेज दिया। इसके बाद प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड मुरादाबाद में प्रार्थना पत्र दिया। जांच के बाद आठ जुलाई को किशोर को किशोर न्यायालय भेजा गया। मामला पुलिस अधिकारियों तक पहुंच गया। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह को एसएसपी ने पूरे मामले की जांच सौंप दी। वहीं एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। पूरे मामले की मैं स्वयं जांच कर रहा हूं। शिकायकर्ताओं के बयान दर्ज किए गए है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

वकील पर हमला, 3 नामजद सहित कई अज्ञात पर रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : थाना सिविल लाइंस क्षेत्र में वकील पर धारदार हथियार और लोहे के सरिया से हमला करने का मामला सामने आया है। हमले में वकील गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने इस संबंध में तीन नामजद और कुछ अज्ञात युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

थाना सिविल लाइंस क्षेत्र के हिमगिरी कालोनी निवासी मंथन वर्मा कचहरी में अधिवक्ता हैं। पुलिस को दी गई तहरीर में अधिवक्ता ने बताया कि रोजाना की तरह वह बुधवार रात लगभग 8 बजे जिम से लौट रहे थे। उसी दौरान चंद्रा मेडिकल स्टोर के पास कुछ युवक राहगीरों से अभद्रता कर रहे थे। जब वकील मंथन वर्मा वहां से गुजर रहे थे, तो युवकों ने उनके साथ भी गाली-गलौज शुरू कर दी। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपितों ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने वकील को लोहे की सरिया और धारदार हथियारों से पीटना शुरू कर दिया, जिससे उन्हें आंख के ऊपर और सिर के पीछे गंभीर चोटें आईं। मौके से गुजर रहे राहगीरों ने किसी तरह उन्हें हमलावरों से बचाया। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर वकील ने थाने में तहरीर दी। जिसमें तीन युवकों नितिन, वाशू और रोहित को नामजद किया गया है, जबकि कुछ अन्य युवकों को अज्ञात बताया गया है। घटना के समय वकील का दोस्त गौरव चौधरी भी मौके पर मौजूद था। थाना सिविल लाइंस के प्रभारी निरीक्षक मनीष सक्सेना ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर तीन नामजद और कुछ अज्ञात हमलावरों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

रतनपुर कलां में मंदिर स्थल की सफाई में मिला कुआं

पाकबड़ा, अमृत विचार : रतनपुर कलां में मंदिर स्थल की सफाई करने के दौरान प्राचीन कुआं निकला है। लोग कुआं के जीर्णोद्धार की तैयारी में लग गए। मंदिर स्थल की कमेटी के लोगों ने इसकी सूचना अधिकारियों को भी देने के लिए कहा है।

थाना क्षेत्र के गांव रतनपुर कला में जाहरवीर बाबा की श्री कृष्ण जन्म स्थली कमेटी में मेला लगाया जाता है। जिसके लिए गुरुवार को मेला स्थल की जेसीबी द्वारा सफाई की जा रही थी। इसी दौरान मिट्टी का टीला हटाने पर वहां कुछ ईंटें निकलते ही दिखाई दी। वहां पर दबा हुआ कुआं दिखाई दिया। जिसे देखकर कमेटी के लोगों में खुशी छा गई। कमेटी के पदाधिकारी प्रमोद कुमार ने बताया 400 साल पुराना कुआं बताया जा रहा है। जो सफाई के दौरान निकल कर सामने आया है। इसकी सूचना पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों को दी जाएगी। इसके जीर्णोद्धार के लिए कहा जाएगा।

महाराष्ट्र के विकास आयुक्त से मिले ईपीसीएच के अध्यक्ष

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

- राज्य सरकार से जमीन उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया

अमृत विचार: हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने मुंबई में महाराष्ट्र सरकार के विकास आयुक्त उद्योग दीपेंद्र सिंह कुशवाहा से मुलाकात की। महाराष्ट्र में हस्तशिल्प उद्योग को बढ़ावा देने और राज्य से हस्तशिल्प निर्यात को नई ऊंचाइयों तक ले जाने को विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में महाराष्ट्र की हस्तशिल्प विरासत जैसे वर्ली पेंटिंग, ट्राइबल जूलरी, बांस शिल्प, नारियल शिल्प, पॉटरी और अजंता पेंटिंग की संभावनाओं पर जोर दिया। डॉ. नीरज खन्ना ने राज्य में कारीगरों व निर्यातकों के लिए अनुकूल नीति तैयार करने के उद्देश्य से कई सुझाव प्रस्तुत किए। इनमें निर्यात नीति, उन्नत एमडीए योजना, ई-कॉमर्स सहायता, माल ढुलाई सब्सिडी, ब्याज सब्सिडी, डिजाइन विकास सहायता, महिला उद्यमियों को बढ़ावा और जीआई टैग उत्पादों को प्रोत्साहन जैसे बिंदु शामिल रहे। बैठक में मुंबई, ठाणे और पुणे में इनक्यूबेशन सेंटर खोलने पर चर्चा हुई। ईपीसीएच ने महाराष्ट्र सरकार से 7 लाख वर्ग फुट का निर्माण क्षेत्र उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया। प्रतिनिधिमंडल ने महाराष्ट्र सरकार को 13-17 अक्टूबर 2025 तक होने वाले 60वें आईएचजीएफ दिल्ली मेला ऑटम 2025 में भाग लेने का आमंत्रण दिया, जहां महाराष्ट्र के शिल्प उत्पादों को 7000 विदेशी खरीदारों और 3000 से अधिक भारतीय निर्यातकों के समक्ष प्रदर्शित किया जाएगा। ईपीसीएच के प्रतिनिधिमंडल में मुख्य संयोजक अवधेश अग्रवाल, सीओए सदस्य रवि पासी और प्रदीप मुछल्ला सहित वरिष्ठ निर्यातक अशोक बूब भी शामिल रहे।

रिटायर्ड पुलिसकर्मी के घर फायरिंग, चार पर रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : थाना मझोला क्षेत्र में पारिवारिक विवाद के चलते रिटायर्ड पुलिसकर्मी के घर पर फायरिंग की घटना सामने आई है। पीड़ित ने बहू के भाई और अन्य पर जानलेवा हमला करने की नियत से तमंचे से गोली चलाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तीन नामजद और एक अज्ञात व्यक्ति पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

थाना मझोला क्षेत्र के पूनम विहार कॉलोनी खुशहालपुर निवासी लखमी चंद उत्तर प्रदेश पुलिस से सेवानिवृत्त हैं। लखमी चंद ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उन्होंने अपने बेटे विनीत कुमार की शादी 21 फरवरी 2025 को प्रीति उर्फ रौनक निवासी मोहल्ला दान सहाय की मिलक थाना मझोला के साथ की थी। शादी के कुछ समय बाद ही बहू ने घर में झगड़े करने शुरू कर दिए और 26 मई 2025 को अपनी सास मिथलेश देवी का गला दबाकर हत्या का प्रयास किया। इस मामले में मझोला थाने में पहले से मुकदमा दर्ज है। पीड़ित के अनुसार बुधवार की रात 9 बजे प्रीति का भाई मोहित, फुफेरा भाई बिट्टू, अंकित और तीन अन्य अज्ञात युवक उनके घर पहुंचे और घर के गेट पर खड़े होकर गाली-गलौच करने लगे। जब गेट नहीं खोला गया तो मोहित ने जान से मारने की नियत से तमंचे से फायर कर दिया। पुलिस को आता देख आरोपी वहां से फरार हो गए।

लखमी चंद ने पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। थाना मझोला प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर तीन नामजद और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।

मेहंदी से दिखाई भारतीय संस्कृति की झलक

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : गोकुलदास हिंदू गर्ल्स कॉलेज में गुरुवार को हरियाली तीज पर मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन चित्रकला विभाग एवं गृह विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इसमें छात्राओं ने मेहंदी से कला प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता की विजेता छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

प्रतियोगिता में छात्राओं ने परंपरागत भारतीय संस्कृति को सहेजते हुए अपनी हथेलियों पर स्वास्तिक, बेल-बूटे, पत्तियां, कलश, मोर और ज्यामितीय सुंदर कलाकृतियां रच कर आकृतियों की सौंदर्य का प्रदर्शन किया। प्राचार्य प्रो. चारू मल्होत्रा ने प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि हरियाली तीज केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति, प्रेम और संस्कृति के संगम का प्रतीक है। प्रतियोगिता में विजयी छात्राओं में प्रथम स्थान मुनतहा (बीए) एवं आयशा (बीए),

मेहंदी प्रतियोगिता में लगी मेहंदी को देखता निर्णायक मंडल। ● अमृत विचार

- मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर मुनतहा एवं आयशा रहीं

द्वितीय स्थान सिद्रातुल मुतहा (बीए) एवं सिद्रा राहत (बीए) तृतीय स्थान अलीशा एवं निधि प्रजापति (बीए) सांत्वना पुरस्कार इशिता रस्तोगी एवं उजमा अंजुम (दोनों बीए) को मिला। कार्यक्रम की संयोजक डॉ.प्रेमलता कश्यप, तबस्सुम और यशिका रहीं। निर्णायक मंडल में प्रो. सुदेश, प्रो. प्रवीण सैनी और प्रो. करुणा आनंद शामिल रहीं। संचालन डॉ. प्रेमलता कश्यप ने किया। इस अवसर पर चीफ प्रॉक्टर प्रो. किरण साहू के अलावा प्रो. मीनाक्षी शर्मा, प्रो. अनुराधा सिंह, प्रो. सीमा गुप्ता, प्रो. आंचल गुप्ता, प्रो. वंदना पांडे, प्रो. सुधा सिंह, डॉ. सीमा मलिक, डॉ. रेनू शर्मा, डॉ. सविता अग्रवाल, डॉ. प्रज्ञा मित्तल, डॉ. सीमा रानी, डॉ. मोनिका सिंह व डॉ. गुलशन आरा आदि उपस्थित रहीं।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने घी, बर्फी सहित 46 नमूने लिए

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : सहायक आयुक्त खाद्य राजवंश प्रकाश श्रीवास्तव के नेतृत्व में गुरुवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों ने महानगर के बाजारों और ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थ व उसे बनाने में इस्तेमाल होने वाले घी आदि के कुल 46 नमूने लिये।

टीम ने घी के 30, बर्फी के चार नमूने, दालचीनी का एक आदि के कुछ 46 नमूने लिये। खाद्य सुरक्षा अधिकारी सच्चन कुमार ने बर्फी का एक नमूना अगवानपुर से, घी का एक नमूना और पाकबड़ा से घी का एक नमूना लिया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने महानगर के गौर ग्रेसियस के किसान मार्ट से घी के दो नमूने लिए। कृपा शंकर ने चंदौसी रोड बिलारी से एक घी का नमूना, सुभान डेरी से 2 घी के नमूने, राजू डेरी हुसैनपुर से 2 घी के नमूने लिए। भूपेंद्र सिंह ने ढकिया से घी का एक नमूना, बिलारी से एक नमूना बाबा डेरी से लिया। राजीव कुमार ने कांठ में आरिफ की दुकान से 2 घी के नमूने, आसिफ डेरी छजलैट से घी का नमूना, अबरार डेरी कांठ से घी का नमूना, चौधरी डेरी कांठ से एक घी का सैंपल लिया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी रामकिशोर ने सलीम दूध डेरी से दही का नमूना लिया। हितेंद्र पाल ने बेसन के लड्डू का नमूना, सोनपापड़ी नमूना सहित अन्य नमूने लिये। अनिल सिंह ने आजाद नगर से तीन घी के, केके यादव ने महानगर के चक्कर की मिलक से 2 घी के नमूने लिए। जनता जनरल स्टोर से काला नमक, चक्कर की मिलक चौराहा से बूंदी लड्डू व बर्फी का एक-एक नमूना, जिगर कॉलोनी से लड्डू का एक नमूना जिगर कॉलोनी स्थित नसीम अहमद की दुकान से लाल मिर्च पाउडर का नमूना लिया।

अधर्म बढ़ने पर भगवान करते हैं असुरों का नाश : अर्द्धमौनी

मुरादाबाद, अमृत विचार : नवाबपुरा के पंचायती मन्दिर में श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन कथावाचक आचार्य धीरशान्त अर्द्धमौनी ने बताया कि मथुरा में भगवान ने प्राकट्य कर कंस के अत्याचारों को समाप्त करने के लिए गोकुल को प्रस्थान किया। भगवान के आनन्द उत्सव में देवी-देवता और स्वयं उमा-रमा भी भगवान के ऐश्वर्यों को देखने के लिए शामिल हुईं। पूतना जो पूर्व जन्म में बलि महाराज की पुत्री रत्नमाला थी। उसका वध करके भगवान ने ब्रज वासियों की रक्षा की। जब पृथ्वी पर अधर्म बढ़ता है तब तब भगवान विभिन्न रूपों को धारण करके असुरों का नाश करते हैं। इस दौरान मनोरमा गुप्ता, फूलवती सैनी, किशन प्रजापति, माधव कान्ता देवी दासी, अंकित पण्डित, राम गोपाल, विपनेश गुप्ता, अमित शर्मा, पवन अग्रवाल, सुधा शर्मा, जगदीश यादव रहे।

भगन्दर, बवासीर

सभी प्रकार के बार-बार ऑपरेटेड Complex Fistula (जटिल भगन्दर) पाइल्स तथा एनल फिसर एवं Anal Stenosis की क्षार सूत्र द्वारा पूर्ण सफल चिकित्सा

सुश्रुत क्लीनिक

क्षार चिकित्सा गुदा एवं वृहदांत्र रोग [COLO-RECTAL-CENTER]

28.बी, एकता नगर स्टेडियम रोड, बरेली

9897030475
9411221895
7060162071

डॉ. लालता प्रसाद (सर्जन)

B.sc., B.A.M.S., D.Ay.M. सर्जरी (I.M.S), (B.H.U.) वाराणसी
गुरू /प्रोफेसर - राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ आयुष मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली
भू.पू, वरिष्ठ लेक्चरार एस. आर. एम. स्टेट आयु कॉलेज, बरेली
Life-Member Association of Anaesthetists of Indian Medicine

45 वर्षों का कुशल अनुभव

डॉ. अभय प्रकाश (सर्जन)

B.A.M.S., M.S सर्जरी
क्षार सूत्र एवं गुदा रोग विशेषज्ञ

बाल गुदा रोग विशेषज्ञ व समस्त गुदा रोग भगन्दर, बवासीर, ऐनल फिसर रेक्टल पालिप, पाइलोनिडल साइनस, कोलाइटिस

गुदा रोगों के लक्षण

मलद्वार से खून मवाद आना गांठ का मल द्वार से बाहर निकलना मल द्वार के आस पास बार-बार फोड़ा बनना एवं फूटना, बार-बार मल त्याग करना, मल द्वार में दर्द एवं खुजली होना

समय
प्रातः 10:00 से 2:00 बजे तक
सायं 7:00 से 8:00 बजे तक
रविवार
प्रातः 10:00 से 2:00 बजे तक
सायंकाल अवकाश

हरिद्वार से गंगाजल लेने जत्था रवाना

तीसरे सोमवार को विभिन्न मंदिरों में भगवान भोलेनाथ का करेंगे जलाभिषेक

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचार : नगर में शाहबाद रोड पर सीएचसी के सामने शिव मंदिर से मृत्युंजय डाक कांवड़ बेड़े को हरिद्वार के लिए वरिष्ठ भाजपा नेता बाबूराम लोधी ने भोले का झंडा दिखाकर रवाना किया।

भाजपा नेता ने कांवड़ियों से कहा कि आते-जाते अत्यंत सावधानी बरतें, किसी को कोई असुविधा न हो। बताया यह बेड़ा हरिद्वार से लौटकर 28 जुलाई को इसी शिव मंदिर में कांवड़ के जल से भोलेनाथ का अभिषेक करेंगे। इस बेड़े में विकास, अंकित, राजू, अरुण पाल, शिवम शर्मा, विशाल, राहुल, मनोज, संजीव, देवराज सतीश सैनी, शिव कुमार ललित, अरुण, नितिन प्रजापति, सोनू, नीतू, शेखर, अमन राजपूत विकास पाल अनुपम ओमवीर निशु, आशु, संजीव चौधरी गुड्डू सनी शर्मा, अनुज,अमन लोधी, काशीनाथ, शेखर, शिवा कश्यप आदि शामिल रहे।

बिलारी से हरिद्वार गंगा जल लेने जाते शिवभक्त।

कांठ से गुजरते कांवड़िये। ● अमृत विचार

कांठ-मुरादाबाद हाईवे हुआ भगवामय

कांठ, अमृत विचार : सावन माह के तीसरे सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए हरिद्वार से गंगाजल लेकर कांवड़ियों के लौटने का सिलसिला जारी है। गुरुवार को क्षेत्र की सड़कों पर कांवड़िये अपनी मंजिल की ओर बढ़ते रहे। इस दौरान हर हर महादेव और बम बम भोले के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। सावन में शिव भक्त हरिद्वार से पैदल कांवड़ में गंगाजल लेकर आते हैं और सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। दूरदराज के कांवड़िये कांवड़ लेकर कांठ से गुजर रहे हैं। गुरुवार को दिनभर कांवड़ियों की वापसी होती रही। वहीं हरिद्वार जाने के लिए भी कांवड़ियों के वाहन नगर से होकर गुजरते रहे। कोई ढोल की थाप पर भगवान शिव की महिमा का गुणगान करते हुए जाता दिखाई दिया तो कोई डीजे व धार्मिक भजनों पर झूम रहा था। इससे कांठ का वातावरण पूरी तरह से शिव भक्ति में सराबोर हो गया। 28 जुलाई को सावन के तीसरे सोमवार को कांवड़िये क्षेत्र के मंदिरों में जलाभिषेक करेंगे।

स्ट्रीट लाइटें बंद होने से कांवड़ियों को लग रही ठोकर

कांठ, अमृत विचार : स्योहारा-कांठ हाईवे पर नगर पंचायत की लाइटें बंद होने व सड़क चौड़ीकरण का कार्य अधूरा होने के कारण कांवड़िये अंधेरे में ठोकरें खा रहे हैं। स्योहारा कांठ हाईवे पर पिछले एक माह से नगर पंचायत की कई लाइटें बंद पड़ी हैं। वहीं, लोक निर्माण विभाग ने भी सड़क चौड़ीकरण के कार्य को अधर में छोड़ दिया है। एसडीएम व वरिष्ठ अधिकारियों ने कैमरे लगवाने व ठीक करवाने, सड़कों पर गड्ढे ठीक करने, प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए थे। लेकिन इनमें से कोई कार्य समय से नहीं हुआ। सड़क चौड़ीकरण का कार्य अधर में होने के कारण हाईवे पर गड्ढों में पानी भर रहा है। दोनों विभाग की खामियों के कारण कांवड़िये अंधेरे में ठोकरें खाते हुए इधर से गुजर रहे हैं।

कार्यालय का उद्घाटन करते भाजपा जिलाध्यक्ष व साथ में अन्य। ● अमृत विचार

पंचायत चुनावों की तैयारियों में जुटें भाजपाई : आकाश

संवाददाता, कांठ/छजलैट

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी मंडल कांठ एवं छजलैट के कार्यालय का दोनों स्थानों पर भाजपा के जिला अध्यक्ष आकाश कुमार पाल ने उद्घाटन किया।

भाजपा नेता मुकेश माहेश्वरी के क्रेशर के प्रांगण में भारतीय जनता पार्टी मंडल कांठ के कार्यालय का उद्घाटन किया। जिला अध्यक्ष ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को एकरूपता और दृढ़ता से पंचायत चुनाव की तैयारी करनी है। इस अवसर पर राजन विश्नोई, अंकुश कुमार चौहान, देवराज सिंह जाटव, सत्यवान सिंह राजपूत, प्रमोद कुमार, सूरज सिंह, हरिओम सिंह, बलवंत सिंह, मधु चौहान, चंचल पाल, देवेंद्र कुमार, विनय चौधरी, रिजवान अल्वी, सर्वेश कुमार, जयपाल सैनी, अश्वनी कुमार रहे। मंडल छजलैट के मंडल कार्यालय का उद्घाटन भाजपा जिलाध्यक्ष आकाश कुमार पाल ने किया। कार्यक्रम में चौधरी हुकम सिंह, आंचल चौधरी, राजन विश्नोई, सुमित दिवाकर, विक्रांत सिंह, विशेश्वर प्रसाद शर्मा एवं संजीव कुमार, उधम सिंह, सतनाम सिंह, अखिलेश विश्नोई, पुष्पेंद्र सिंह, हेमपाल सिंह, राजेश त्यागी, सतवीर सिंह, ब्रह्मपाल सिंह, हरेंद्र सिंह प्रजापति, सिम्मी देवी, अंकित गुप्ता रहे।

मंदिर को शरारती तत्वों ने किया क्षतिग्रस्त

बिलारी, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव मोहम्मद इब्राहिमपुर में वाल्मिकी समाज का परिवार रहता है। यहां प्राचीन चामुंडा मंदिर भी है, कुछ दिन पहले किसी ने वाल्मीकि चामुंडा मंदिर को क्षतिग्रस्त कर दिया था।

गुरुवार को वाल्मीकि परिवार ने समाज के लोगों तथा भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज संगठन के राष्ट्रीय मुख्य संचालक कर्मवीर लल्ला बाबू द्रविड़ के साथ कोतवाली प्रभारी मोहित चौधरी को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि गांव में शरारती तत्वों द्वारा वाल्मीकि चामुंडा मंदिर को बार-बार क्षतिग्रस्त किया जा रहा है, कभी दीवार तोड़ी जा रही है तो कभी त्रिशूल निकाल कर फेंक दिया जाता है। कोतवाली प्रभारी को शिकायती पत्र देते हुए उन्होंने मांग की शरारती तत्वों पर कार्रवाई की जाए। जिससे गांव में शांति बनी रहे।

भारतीय संस्कृति की रक्षा करते हैं त्योहार: सारिका

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार : भारत विकास परिषद शाखा कांठ के तत्वावधान में नारी शक्ति, प्रेम और समर्पण का प्रतीक 'तीज उत्सव, महिलाओं ने उमंग और उल्लास के साथ मनाया। मल्हार के गीत नृत्य की प्रस्तुति ने समां बांधा और एक दूसरे को तीज की बधाई दी।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सारिका सिंह ने त्योहार भारतीय संस्कृति की रक्षा करते हैं। मुख्य बाजार स्थित वैश्य धर्मशाला में गुरुवार रात हरियाली तीज उत्सव संपन्न हुआ। सरिता सिंह का परिषद की महिला सहभागिता मनीषा माहेश्वरी ने बुके देकर स्वागत किया। गणेश वंदना प्रस्तुत के बाद विभिन्न खेल हुए, जिसमें निर्णायक मंडल ने नेहा अग्रवाल को तीज क्वीन, चुना एवं झूला गेम में सुविधा माहेश्वरी विजय घोषित की गई। समारोह में मधु गुप्ता, अलका शर्मा, मोहिनी माहेश्वरी, महिमा, शिवानी, ललिता चौहान, राशि राखी अग्रवाल, रितु, आशा, मेघा शिवानी, राशि, बानी, सायरा प्रतिभाग किया। इस अवसर पर भारत विकास परिषद के अध्यक्ष महेश चंद गुप्ता, परिषद के प्रांतीय मीडिया प्रभारी सुदेश बिश्नोई, सचिन गौरव बिश्नोई, प्रमोद बिश्नोई, कुंवर सुरेंद्र सिंह, प्रदुमन बिश्नोई पदाधिकारी मौजूद थे। आगंतुकों का आभार मनीषा माहेश्वरी ने व्यक्त किया।

तीज क्वीन नेहा अग्रवाल।

ड्रोन उड़ाने के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचार : क्षेत्र में लगातार ड्रोन दिखाई देने की सूचना से ग्रामीणों में दहशत है। वहीं, पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह से मुस्तैद है। एसडीएम ने ड्रोन के संबंध में निर्देश जारी किए हैं।

एसडीएम विनय कुमार सिंह ने गुरुवार को आदेश जारी कर कहा कि क्षेत्र में जिस भी व्यक्ति के पास ड्रोन है वह डिजिटल स्काई पर अपना ड्रोन और रिमोट आदि का रजिस्ट्रेशन कराए, साथ ही संबंधित थाने पर आधार कार्ड और ड्रोन से संबंधित जानकारी उपलब्ध करा दें।

एसडीएम ने कहा कि 3 दिन में सभी को थाने में जानकारी देनी है। एसडीएम ने कहा कि यदि कोई बिना प्रशासन की अनुमति के ड्रोन उड़ाएगा या रखेगा तो उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही आरोपी पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया जाएगा।

बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने पर होगी कार्रवाई

छजलैट, अमृत विचार : रात में अज्ञात ड्रोन दिखाई देने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए थाने में आवश्यक बैठक की गई। बैठक में ड्रोन कारोबारियों को निर्देश दिए गए। एसडीएम संत दास पवार ने 3 दिन में ड्रोन स्वामियों द्वारा रिमोट प्रमाण पत्र, आधार कार्ड के साथ संबंधित थाने में सूचना दर्ज नहीं कराने पर ड्रोन नियम के तहत कार्यवाही एवं एक लाख जुर्माना करने के निर्देश दिए थे। निर्देशों का पालन करते हुए थाना अध्यक्ष संजय पांचाल ने ड्रोन स्वामियों की बैठक बुलाई। बैठक में ड्रोन स्वामियों ने आवश्यक अभिलेख दिखाते हुए थाने में अपनी सूचना दर्ज कराई। थाना अध्यक्ष संजय पांचाल ने ड्रोन स्वामियों से ग्रामीण क्षेत्रों में ड्रोन उड़ाकर दहशत फैला रहे असामाजिक तत्वों के संबंध में गहन विचार विमर्श किया। उन्होंने कहा कि यदि अज्ञात लोगों द्वारा ड्रोन उड़ने की सूचना तत्काल थाने में उपलब्ध करा दी जाए तो समय रहते इस पर अंकुश लगाया जा सकता है। पुलिस गस्त कर कार्रवाई में जुटी हुई है। शीघ्र ही यह लोग पुलिस गिरफ्त में होंगे।

ड्रोन के दुरुपयोग पर प्रशासन सख्त

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : तहसील ठाकुरद्वारा के उपजिलाधिकारी प्रीति सिंह ने ड्रोन मालिकों को निर्देश दिया है कि वे अपने ड्रोन और व्यक्तिगत जानकारी, आधार कार्ड सहित, तीन दिनों के भीतर नजदीकी थाने में दर्ज कराएं। यह कदम क्षेत्र में ड्रोन के दुरुपयोग को रोकने और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए उठाया गया है। तीन दिन की अवधि के बाद गहन जांच की जाएगी। यदि इस अवधि के बाद किसी व्यक्ति के पास बिना पंजीकरण का ड्रोन पाया जाता है, तो उसे सूचना छिपाने का दोषी माना जाएगा। ऐसे मामलों में संबंधित थाने के माध्यम से कार्रवाई की जाएगी, जिसमें 5,00,000 रुपये का जुर्माना भी शामिल है।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते मुख्य अतिथि। ● अमृत विचार

पंचायत चुनाव को लेकर भाजपाइयों ने की बैठक

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : नगर महिला मोर्चा मंडल की अध्यक्ष रूपेश रानी के आवास पर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर बैठक हुई। जिसमें मुख्य अतिथि ओमपाल सैनी ने कहा कि आने वाले पंचायत चुनाव के लिए अभी से कार्यकर्ताओं को एकजुट हो जाएं। इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को गांव जाकर केंद्र में प्रदेश सरकार की भाजपा की नीतियों को अवगत कराकर लोगों को भाजपा के प्रति जागृत करना होगा। बैठक की अध्यक्षता दीपक वाल्मीकि मंडल अध्यक्ष ठाकुरद्वारा ने की। बैठक में संजीव चौहान, दिनेश प्रजापति, पीयूष अग्रवाल, आफताब हाशमी, उदयवीर सिंह, दिलीप सिंह, जयवीर सिंह, प्रदीप पाल, राजपाल सिंह चौहान, सुधीर नायक, विपिन शर्मा, सुनील कुमार, मेश्वर प्रसाद ,रूपेश रानी, भूपेंद्र पाल सिंह, अशोक सैनी, धर्मेंद्र कुमार, गुलाम साबिर, बृजपाल सिंह, दिनेश ठाकुर, शिवेंद्र गुप्ता, धर्मेंद्र पाल मौजू रहे।

राशन डीलर को पीटने पर मामा-भांजों पर रिपोर्ट

भोजपुर, अमृत विचार : गांव सेहल निवासी रूप सिंह की तहरीर पर पुलिस ने गांव के चार युवकों के खिलाफ मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज की है।

प्रभारी निरीक्षक शरद मलिक को दी तहरीर में ग्रामीण ने कहा है कि सोमवार को बेटा विकास गांव में राशन की दूकान बंद करके घर को आ रहा था। उसे रास्ते में गांव के प्रधुन ने रोककर अपने भाई का अंत्योदय राशन कार्ड बनवाने को कहा। बेटे ने कहा राशन कार्ड ऑन लाइन बनते हैं, मैं नहीं बनवा सकता। इस पर प्रधुन ने अपने भाई रवि और भांजों निखिल व इंद्रपाल को बुलाकर मारपीट कर दी। प्रधुन ने बेटे के सिर में ईंट मार दी। मेरी पत्नी और मैं बचाने को आया तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर चले गए। बाद में चिकित्सकों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया जहां उसका उपचार चल रहा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दो लाख व बाइक के लिए महिला को निकाला, आठ पर रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, भोजपुर

अमृत विचार : विवाहिता ने पति समेत आठ पर दहेज में दो लाख रुपये एवं बाइक की मांग को लेकर मारपीट कर घर से निकालने के आरोप में केस दर्ज कराया है।

प्रभारी निरीक्षक शरद मलिक को दी तहरीर में विवाहिता ने बताया है कि उसका विवाह 29 अप्रैल 23 को थाना डिलारी के गांव तुमड़िया कलां निवासी फरमान के साथ हुआ था। पति फरमान, ससुर भूरा, सास जाफरी, जेठ मुमताज, जेठिनी शबाना, ननद गुलशन व शबाना और देवर अरमान बुलेट और दो लाख की नकदी की मांग को लेकर उत्पीड़न करने लगे। देवर अरमान कमरे में अकेला देखकर अश्लील हरकतें करता था। इसकी शिकायत ससुरालजनों से कि तो उन्होंने कहा हमारे घर ऐसा ही होता है। सोमवार को सभी ने एक राय होकर मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट

कांठ, अमृत विचार : ग्राम नयागांव कासमपुर निवासी रेशमा पुत्री शमशेर की शादी 17 वर्ष पूर्व अशरफ पुत्र अरशद मोहल्ला कासिम नगर बाईपास अगवानपुर थाना सिविल लाइन के साथ की थी। शादी के बाद से उसका पति एवं अन्य ससुराल वाले दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे और उसका उत्पीड़न किया। पंचायत में सुलहनामा भी कराया, लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ। 14 जुलाई को विवाहिता के पति अशरफ, ससुर अरशद, देवर सलमान, नुसरत ने दहेज की मांग को लेकर मारा पीटा और उसके पति ने तलाक देकर घर से निकाल दिया। पुलिस ने आरोपियों पर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

किशोरी को शादी का झांसा दे दुष्कर्म, आरोपी फरार

ठाकुरद्वारा, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र में किशोरी को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया गया। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है।

कोतवाली क्षेत्र के गांव में नाबालिग को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता अब तीन माह की गर्भवती है। घटना का खुलासा तब हुआ जब किशोरी की तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे चिकित्सक के पास लेकर गए। मुरादाबाद रोड स्थित गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को कि 3 माह पहले वह और उसका परिवार कि बाहर गया था। इस दौरान सोनू पुत्र अनवर निवासी ग्राम जाफराबाद थाना ठाकुरद्वारा घर में घुस आया। सोनू ने किशोरी को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया।

22 जुलाई को जब किशोरी को उल्टियां हुईं, तो उसकी मां उसे डॉक्टर के पास लेकर गई। जांच में किशोरी को तीन माह का गर्भवती पाया गया। किशोरी का आरोप है कि जब उसने सोनू और उसके परिजनों से शादी की बात की, तो उन्होंने इनकार कर दिया। कोतवाली पुलिस ने पॉक्सो एक्ट व दुष्कर्म की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर की है।

घर में सो रही वृद्धा का मंगलसूत्र, पाजेब निकाली

संवाददाता, ठाकुरदारा

अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव खाई खेड़ा निवासी प्यारेलाल व उसकी पत्नी केलादेवी गहरी नींद में सोए थे। गुरुवार तड़के तीन बजे तीन नकाबपोश चोर घर में घुस आए। एक चोर 70 वर्षीय महिला केला देवी के गले में पड़ा सोने का मंगलसूत्र व पैरों से चांदी की पाजेब निकालने लगा। जब वृद्धा ने इसका विरोध किया तो उसके साथ आरोपी मारपीट करने लगा। पत्नी की आवाज सुनकर वृद्ध पति ने एक चोर को पकड़ लिया। इस दौरान चोर के साथी ने वृद्ध को डंडा मारकर घायल कर दिया। जिसमें प्यारेलाल रूप से घायल हो गया। इस दौरान ग्रामीणों को आता देखकर तीनों आरोपी जंगल के रास्ते फरार हो गए। सूचना पुलिस पर पुलिस भी मौके पर पहुंची लेकिन तब तक चोर फरार हो गए थे। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

डेरे से जेवर और नकदी चोरी

कांठ, अमृत विचार : कांठ के मोहल्ला मान नगर पट्टी वाला निवासी रामकुमार पुत्र लल्लू बाज पेशे से कलाबाज है। 20 मई को उसने ग्राम रुस्तमपुर में डेरा डाल रखा था। डेरे पर उसकी बेटी नेहा अपनी ससुराल से आई हुई थी। उसका पति पुलिस में नौकरी करता है। उसी रात सभी लोग गर्मी के कारण डेरे के बाहर सोए हुए थे। अंधेरे में चोरों ने भतीजी की शादी के लिए रखे जेवर और नगदी, ढाई लाख रुपये का सामान चुरा लिया था। पुलिस ने तहरीर देने के बाद भी अभियोग पंजीकृत नहीं किया था। इसके बाद रामकुमार ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर चोरों पर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की। न्यायालय के आदेश पर मुकरजी, भागेश, सोनू मान नगर पट्टी वाला, रंजीत कुमार आलमपुरी, रमेश वर्मा कांठ सभी आरोपियों पर मामला दर्ज करने के निर्देश थाना कांठ पुलिस को दिए थे। पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर अभियोग पंजीकृत कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

प्रशासन ने सरकारी जमीन से अवैध कब्जा हटवाया

डिलारी, अमृत विचार : गांव सहसपुरी के ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी कि गांव के निरंजन सिंह शिवप्रसाद आदि ने नये पंचायत भवन के पास खाली पड़ी सरकारी जमीन पर कब्जा कर लिया है। यहां उन्होंने चरी, बाजरा आदि बोकर अवैध रूप से कब्जा जमा लिया है। शासन ने मामले को संज्ञान में लेकर सरकारी जमीन खाली करने का आदेश जारी कर दिया, जिस पर तहसीलदार ठाकुरद्वारा आदित्य कुमार व राजस्व विभाग की टीम ने पुलिस फोर्स के साथ गांव पहुंचकर दबंगों द्वारा बोई फसल को ट्रैक्टर से पलटवाकर सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कर दिया।

अमीनों को निर्देश देते तहसीलदार। ● अमृत विचार

लक्ष्य के अनुरूप करें वसूली

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार : तहसीलदार ने अमीनों की बैठक में लक्ष्य के अनुरूप वसूली करने एवं बड़े बकायेदारों पर शिकंजा कसने के निर्देश दिए।

तहसीलदार राजकुमार ने अमीनों के साथ बैठक की और उन्हें लक्ष्य के अनुरूप वसूली करने के निर्देश दिए। तहसीलदार ने कहा कि सभी अमीन इस बात का पूरी तरह ध्यान रखें कि क्षेत्र के बड़े बकायेदारों को चिह्नित कर उनकी सूची बनाकर वसूली करें। तहसीलदार ने कहा कि तहसील के सभी अमीन इस बात को पूरी तरह से पहले समझ लें कि कहीं किसी तरह की अगर कोई समस्या आ रही है तो उस समस्या के बारे में चर्चा कर लें।

बकाया वसूली मामले में शासन गंभीर है इसलिए तहसील का जो भी लक्ष्य निर्धारित वसूली का किया गया है, उससे कम वसूली नहीं होनी चाहिए। इस अवसर पर हरवीर सिंह, अमर सिंह, यशपाल सिंह, भैया राम एवं अन्य अमीन उपस्थित रहे।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैने अपने नाम की स्पेलिंग SAYEED MOHAMMAD के स्थान पर SAYEED MOHD कर दी है। भविष्य में मुझे अंग्रेजी की नई स्पेलिंग वाले नाम से ही जाना पहचाना जाए। Sayeed Mohd निवासी सी-112, जिगर कालोनी, मुरादाबाद

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

सिटी ब्रीफ

29 को होगी कराटे की प्रतियोगिता

रामपुर, अमृत विचार : जिला विद्यालय निरीक्षक अंजलि अग्रवाल ने बताया कि अंडर 14, 17 और 19 कराटे प्रतियोगिता 29 जुलाई को सुबह 9 बजे से सनातन धर्म इंटर कालेज में होगी। प्रतियोगिता में शामिल होने वाले छात्रों का ऑनलाइन जन्म प्रमाण पत्र, पेन नंबर और आधार कार्ड होना अनिवार्य है। कक्षा 11 और 12 में अध्ययनरत छात्रों का आधार कार्ड, हाईस्कूल उत्तीर्ण अंक तालिका होना अनिवार्य है। बताया कि, खिलाड़ी अपने प्रमाण पत्रों की 3 प्रमाणित प्रतियों समेत व्यायाम शिक्षक की संरक्षता में समय से प्रतियोगिता में शामिल हों।

मांगों को लेकर बीएसए को सौंपा ज्ञापन

रामपुर, अमृत विचार : राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिलाध्यक्ष रवेंद्र गंगवार ने बीएसए कल्पना देवी को ज्ञापन सौंपा है। कहा कि, जिले का कोई विद्यालय शिक्षक विहीन, एकल शिक्षक की ओर से संचालित नहीं हो। प्रत्येक विद्यालय में कम से कम दो शिक्षकों की नियुक्ति हो। उच्च प्राथमिक विद्यालय में तीन शिक्षक नियुक्त होने का प्रावधान है। बोले कि, महासंघ इकाई मांग करता है कि स्थाई नियुक्ति नहीं होने वाले विद्यालयों और एक शिक्षक के सहारे संचालित स्कूलों में तैनाती की जाए, जिससे छात्र-छात्राओं की पढ़ाई बाधित न हो।

एएसपी ने आरटीसी का किया निरीक्षण

रामपुर, अमृत विचार : अपर पुलिस अधीक्षक अतुल कुमार श्रीवास्तव ने क्षेत्राधिकारी शाहबाद के साथ पुलिस लाइन में आरटीसी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान क्लासरूम में जाकर महिला प्रशिक्षुओं की समस्या और सुझावों को सुना। चल रहे निर्माण कार्य, बैरकों, मैस आदि का निरीक्षण कर सम्बन्धित को दिशा-निर्देश दिए।

भाजपाइयों ने एसडीएम का किया स्वागत

रामपुर, अमृत विचार : कुछ दिन पूर्व आनंद कुमार कनौजिया ने मिलक एसडीएम का कार्यभार ग्रहण किया है। भाजपा पदाधिकारी एसडीएम से मिलने पहुंचे। उन्होंने पुष्प गुच्छ देकर एसडीएम का स्वागत किया। इस मौके पर नगर अध्यक्ष ममता अत्री, मंडल महामंत्री विजयपाल राजपूत, जिला मंत्री एससी मोर्चा सुशील दिवाकर, यतेंद्र कुमार अत्री आदि मौजूद रहे।

तमाम चुनौतियों के बीच समय के साथ कदमताल कर लाखों लोगों के दिलों की बनी है धड़कन

60 वर्ष की आयु में भी पहली पसंद बनी है आकाशवाणी रामपुर

स्थापना दिवस

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : शुक्रवार को आकाशवाणी रामपुर का स्थापना दिवस है। 25 जुलाई 1965 को आकाशवाणी रामपुर का ट्रांसमीटर स्थापित हुआ। जबकि, वर्ष 1960 में आकाशवाणी केंद्र बनाने का काम शुरू हुआ था।

जबकि नवाब गेट के निकट वर्ष 1975 में आकाशवाणी रामपुर का स्टूडियो बनकर तैयार हुआ। 26 जनवरी 1979 से तीन सभाओं में कार्यक्रम शुरू हुए। तीनों सभाओं का आज भी प्रसारण हो रहा है। आकाशवाणी रामपुर 60 वर्ष की आयु में भी हर खासो-आम की पहली पसंद है। स्थापना दिवस पर आज अपराह्न 3 बजे से आकाशवाणी परिसर में महफिल सजेगी।

- आकाशवाणी परिसर में आज सजेगी महफिल, 1965 से कर रहा है राज

आकाशवाणी को टेलीविजन से चुनौती मिली, लेकिन समय के साथ कदमताल करते हुए आकाशवाणी लोगों के दिलों की धड़कन बन गया है। क्षेत्रीय गतिविधियों पर आधारित कार्यक्रम आसपास, खिलाड़ियों के लिए स्पोर्ट्स राउंड अप और बच्चों के लिए कलियां, किसानों के लिए, कृषि जगत, युवाओं के लिए युववाणी, योजनाओं पर आधारित अमृत कलश, कानूनी सलाह, हलो फरमाइश, हलो रामपुर, मनभावन, आपका पत्र मिला 2.50 करोड़ श्रोताओं की ओर से सुना जाता है। कार्यक्रम अधिकारी राजीव कुमार बताते हैं कि, बदलते दौर में अब रेडियो लोगों के मोबाइल और यू-ट्यूब पर उपलब्ध हो गया है। आजादी के बाद के दिनों में रेडियो से ही लोग सूचनाएं प्राप्त करते थे। रामपुर रियासत का जब भारतीय गणराज्य में विलय हुआ था तो यहां के तत्कालीन नवाब रजा अली खां ने शर्त रखी थी कि यहां आकाशवाणी का केंद्र खुलवाया जाए, इस बात का मर्जर एग्रीमेंट में भी उल्लेख है। रजा अली खां की सोच यह थी कि रामपुर रियासत में जो कलाकार हैं, उनको आकाशवाणी की वजह से संरक्षण मिल जाएगा। इस शर्त के मुताबिक रामपुर में 25 जुलाई 1965 को आकाशवाणी केंद्र की शुरुआत की गई थी। केंद्र का उद्घाटन नवाब रजा अली खां ने ही किया था।

नवाब गेट के निकट स्थित आकाशवाणी रामपुर का स्टूडियो। • अमृत विचार

आकाशवाणी के रामपुर केंद्र को रोजाना मिलते हैं श्रोताओं के खत

वरिष्ठ उद्घोषक असीम सक्सेना बताते हैं कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात भी रेडियो के लिए संजीवनी बनी। विक्रांत चौधरी बताते हैं कि एफएम और मोबाइल पर आकाशवाणी की सहज उपलब्धता ने युवाओं में पकड़ बनाई है। अवधेश गौतम बताते हैं कि आकाशवाणी की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है आज भले ही लोग किसी को चिट्ठी नहीं लिखते हैं लेकिन आकाशवाणी के रामपुर केंद्र को प्रतिदिन श्रोताओं के तमाम खत मिलते हैं। इन खतों को काफी सहेज कर रखा जाता है। आकाशवाणी मनोरंजन के साथ-साथ सूचना उपलब्ध कराने और लोगों को शिक्षित करने का भी काम कर रहा है।

छात्राओं को योजनाओं के बारे में दी जानकारी

रामपुर, अमृत विचार : महिला विशेष सुरक्षा दल प्रभारी ने छात्राओं को सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। कहा कि छात्राएं सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकती हैं। साइबर अपराध के बारे में बताया।

विद्या मंदिर कन्या इंटर कॉलेज में गुरुवार को मिशन शक्ति अभियान के बारे में सुरक्षा व स्वावलंबन के लिए छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों, साइबर अपराध के बारे में बताया गया। महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, घरेलू हिंसा हेल्पलाइन 181, पुलिस आपात कालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 समेत अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी देकर सुरक्षा और सम्मान के प्रति जागरूक किया।

बोल बम के साथ हरिद्वार, ब्रजघाट रवाना होने लगे कांवड़ियों के जत्थे

तीसरे सोमवार पर भगवान शिव का जलाभिषेक करने की तेज हुईं तैयारियां

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : 28 जुलाई को सावन का तीसरा सोमवार है। इसको लेकर कांवड़ियों में भगवान शिव की भक्ति का रंग अभी से उफान मारने लगा है। तीसरे सोमवार पर जलाभिषेक के लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। बृहस्पतिवार को ही कांवड़िये के जत्थे भक्ति में लीन दिखे। जल जाने के लिए कांवड़ियों के जत्थे जिले भर से हरिद्वार और ब्रजघाट के लिए रवाना हो रहे हैं। कोई समूह बनाकर बाइकों से तो कोई ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से परिवार के साथ जा रहे हैं। यह जत्थे रविवार की देर रात तक पैदल जल लेकर लौटेंगे। सुरक्षा को लेकर पुलिस मुस्तैद रही।

जिले भर से कांवड़ लेने के लिए डीजे की धुन के साथ नाचते गाते कांवड़ लेने के लिए जत्थे रवाना हो रहे हैं। हर-हर महादेव, जय-जय शिव शंकर, बोल बम के साथ लोग जयघोष लगाते हुए चल रहे हैं। दिन भर हाईवे कांवड़ियों की भक्ति से सराबोर रहा। रामपुर जीरो प्वाइंट से कांवड़िए ब्रजघाट और हरिद्वार के लिए जा रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जगह-जगह पर पुलिस की मुस्तैदी रही। वहीं, तीसरे सोमवार को लेकर शिव मंदिरों में भी तैयारियां शुरू हो गई हैं। पूरे दिन बाईपास से होकर भक्त जल लेने लिए रवाना होते रहे।

हाईवे पर तैनात पुलिस बल। • अमृत विचार

- भक्ति के रंग में रंगे हैं कांवड़िये, डीजे की धुन पर नाचते-गाते जा रहे जत्थे

आज से लागू होगा रूट डायवर्जन

तीसरे सोमवार पर कांवड़ियों का रैला आने की संभावना है। इसको देखते हुए पुलिस महकमा अलर्ट हो गया है। सुरक्षा के लिहाज से गुरुवार से ही पुलिस बल तैनात हो गया है। शुक्रवार को उच्चाधिकारियों के आदेश पर रूट डायवर्जन कर दिया जाएगा। प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से इसको लेकर तेजी से तैयारियां की जा रही हैं।

स्टेशनरी भत्ता 500 रुपये करने पर सीएम का जताया आभार

रामपुर, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश राजस्व निरीक्षक संघ की बहुप्रतीक्षित मांग स्टेशनरी भत्ता में वृद्धि कर 6 रुपये के स्थान पर 500 रुपये प्रति माह किए जाने पर मुख्यमंत्री का आभार जताया है। प्रशासनिक अधिकारी को दिए ज्ञापन में कहा गया है कि राजस्व निरीक्षक संवर्ग योजनाओं को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है।

राजस्व निरीक्षक को विरासत, आईजीआरएस, ऑनलाइन आवेदन के प्रिंट निकालने, नोटिस भेजने, विभिन्न आवेदनों, संपूर्ण समाधान दिवस, नजरी नक्शा, डाकबही आदि स्टेशनरी व्यय के रूप में प्रति निरीक्षक को स्टेशनरी भत्ता के रूप में धनराशि मात्र 6 रुपये ही प्राप्त होती थी, जिसमें अब स्टेशनरी भत्ता में वृद्धि करते हुए 500 रुपये प्रति माह का शासनादेश जारी किया गया है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान जिलाध्यक्ष हरवंश सिंह, विनय कुमार, दिलीप कुमार सक्सेना, जहीन आलम खां, तहरीरुरहमान, मोहम्मद हनीफ खां, नसीर अहमद, मोहम्मद यासीन मौजूद रहे।

समस्त पुराणों में श्रेष्ठ है महापुराण : पवन

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- कथा के तीसरे दिन कथा वाचक ने कहा, सहज भाव से प्रसन्न हो जाते हैं भोलेनाथ

अमृत विचार: ज्वालानगर के शिव विहार स्थित श्री नारायण प्राचीन सर्वेश्वर महादेव मंदिर में शिव महापुराण कथा का आयोजन हो रहा है। तीसरे दिन कथा वाचक पंडित पवन कौशिक ने कहा कि शिवपुराण समस्त पुराणों में श्रेष्ठ है। इसमें वेद-वेदांत में प्रतिपादित परमात्मा का गान किया गया है।

कथा सुनाते वाचक।

मंदिर में बृहस्पतिवार को कथा वाचक ने कहा कि जो श्रद्धालु श्रद्धा एवं प्रेम से इस शिवपुराण का पाठ या श्रवण करता है। वह भगवान शिव का प्रिय बनकर परम गति को प्राप्त करता है। शिवरात्रि के महत्व को बताते हुए कहा कि जो व्यक्ति इस पावन तिथि पर शिवजी की पूजा करता है, उसे पूरे वर्ष की पूजा का पुण्य प्राप्त होता है। शिवजी सहज भाव से प्रसन्न हो जाते हैं। केवल एक लोटा जल से भी भक्त की सारी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। गायत्री मंत्र के महत्व के बारे में बताया कि इस मंत्र में 24 अक्षर होते हैं। इसे उच्चतम ध्यान और श्रद्धा के साथ जपना चाहिए, मात्र बोलने की शैली में नहीं। कथा से पूर्व मुख्य यजमान संजीव दयाल सक्सेना ने व्यासपीठ का पूजन किया। पूजन की विधि पंडित मनोज शर्मा द्वारा संपन्न कराई। विशेष रूप से सह यजमान के रूप में नन्हे व दीपक कुमार ने भी व्यासपीठ पूजन में भाग लिया।

कथा में नरेंद्र कुमार सक्सेना, विनोद अग्रवाल, सुंदर शर्मा, राज सिंह, अनुज सक्सेना, बनवारी लाल मौर्य, सोमपाल सिंह, सुभाष सिंह, राम अवतार शर्मा, हीरालाल शर्मा, पुनीत अग्रवाल, धर्मदास, नीरज दीक्षित, नूतन पूजा, प्रदीप दयाल सक्सेना, मनीष सक्सेना, रमेश चंद्र सक्सेना, दुली चांद सहित अनेक भक्त मौजूद रहे।

जितना खेल जरूरी, उतनी ही पढ़ाई भी : क्रीड़ाधिकारी

खिलाड़ियों से बात करते क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी चंचल मिश्रा। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी ने स्टेडियम के निरीक्षण में शिक्षा पर भी दिया जोर

अमृत विचार : मुरादाबाद मंडल के क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी चंचल मिश्रा ने नवाब जुल्फिकार अली स्पोर्ट्स कांपलेक्स पनवड़िया में एस्ट्रो टर्फ हॉकी मैदान एवं छात्रावास का निरीक्षण किया। आवासीय हॉकी छात्रावास के खिलाड़ियों से मुलाकात की मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। खिलाड़ियों को खेल के साथ-साथ शिक्षा को भी ध्यान में रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जितना खेल जरूरी है उतना ही आपके लिए पढ़ाई भी आवश्यक है। खिलाड़ियों को मिल रही सुविधाओं का उपयोग करते हुए अपना अच्छा परफॉर्मेंस देने के लिए कहा। इसके बाद क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी ने बमनपुरी स्टेडियम का निरीक्षण किया। यहां पर चल रहे कार्यों, कार्यालय संबंधी अभिलेखों का निरीक्षण किया। खेलों को बढ़ावा देने के लिए खेल अवस्थापनाओं को दुरुस्त, खिलाड़ियों को अच्छी सुविधाएं देने के लिए प्रभारी क्रीड़ा अधिकारी संतोष कुमार को निर्देश दिए।

निशुल्क कोचिंग के लिए अभ्यर्थी करें आवेदन

रामपुर, अमृत विचार : मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत शहर स्थित राजकीय रजा इंटर कॉलेज में संचालित कोचिंग में प्रवेश के लिए इच्छुक छात्र आवेदन कर सकते हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी सूरज कुमारी ने बताया कि वर्तमान समय में शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए, सिविल सेवा परीक्षा, नीट-यूजी तथा वन डे एग्जाम की कक्षाएं संचालित की जा रही है। योजना के तहत अभ्यर्थियों के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया चल रही है।

अभ्यर्थी राजकीय रजा इंटर कॉलेज में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक अपना पासपोर्ट साइज फोटो, शैक्षणिक रिकार्ड 10वीं, 12वीं, ग्रेजुएशन की मार्कशीट की छायाप्रति लाकर आवेदन कर सकते हैं। कोई भी अभ्यर्थी अधिकतम 2 शैक्षणिक सत्रों के लिए ही प्रशिक्षण के लिए पात्र होगा। अभ्यर्थी किसी भी कार्य दिवस में राजकीय रजा इंटर कॉलेज में सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक स्वयं आकर आवेदन कर सकता है।

गृह, जलकर में वृद्धि पर भड़के व्यापारी, कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : नगर पालिका की ओर से गृहकर और जलकर में बढ़ोत्तरी को लेकर सभासदों के विरोध के बाद अब बृहस्पतिवार को व्यापारी बिफर गए। व्यापारियों ने कार्यालय पर एकत्रित होने के बाद नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे और प्रदर्शन किया। इसके बाद ज्वाइंट मजिस्ट्रेट राजकुमार सिंह भास्कर को ज्ञापन सौंपकर बढ़ी हुई दरों को वापस लेने की मांग की है।

तिलक कॉलोनी में स्थित उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के कार्यालय पर व्यापारी बृहस्पतिवार की दोपहर एकत्रित हुए। इसके बाद कलेक्ट्रेट पहुंचे। सौंपे गए ज्ञापन में संगठन के जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता ने कहा कि वर्ष 2019 से अब तक का गृहकर, जलकर कई गुना बढ़ा दिया गया है। नोटिस जारी करके नगर पालिका परिषद के जिम्मेदारों की ओर से जनता को परेशान किया जा रहा है। टैक्स बढ़ाने के प्रकरण में नगर पालिका परिषद ने आम जनता और व्यापारी समाज से सहमति प्राप्त नहीं की गई है। मनमाने तरीके से

- कार्यालय पर एकत्रित होने के बाद नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे व्यापारी

नियम विरुद्ध आम जनता पर 50 गुना टैक्स के नोटिस जारी किए जा चुके हैं। इसे रोका जाना आवश्यक है। वर्तमान में 43 सभासदों में से 36 सभासद, जनप्रतिनिधि पालिका की बोर्ड की बैठक में टैक्स का प्रस्ताव शून्य करने पर पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं। व्यापार मंडल जनता पर अन्याय नहीं होने देगा। आम जनता के ऊपर हो रहे जुल्म व अत्याचार को रोकने के लिए आवाज उठाई जा रही है। उद्योगों और लघु उद्योगों पर भी भारी टैक्स वसूलने की तैयारी चल रही है। जिला अर्थव्यवस्था की दृष्टि से अधिक पिछड़ा है। कहा कि रोजगार के अभाव में 40 प्रतिशत जनता यहां से दूसरे प्रदेशों व अन्य देशों में पलायन कर चुकी है। गृह और जलकर के बढ़ने से पूरे शहर के लोग परेशान हैं। इस दौरान राजीव शर्मा, सुरेश यादव, फईम अहमद, अब्दुल वासिक, पप्पू खान, महफूज हुसैन, सामी खान, शाहिद खुसरो, इमरान खान, शिबू खान, बाबू खान, दिलशाद हुसैन, मसूद अहमद, फहद खान, विष्णु सैनी, शुभम अरोड़ा, यासीन, मिलन सक्सेना समेत अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करते व्यापारी। • अमृत विचार

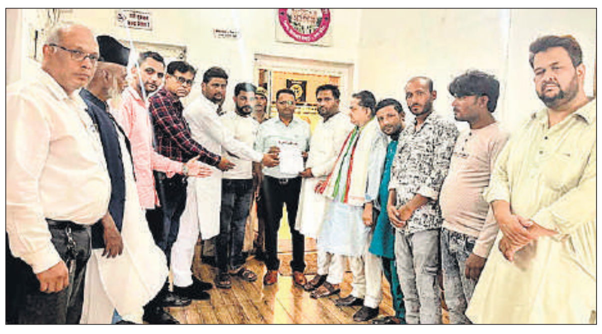
प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन देते कांग्रेस के पदाधिकारी। • अमृत विचार

टैक्स बढ़ोत्तरी पर कांग्रेसियों ने भी किया प्रदर्शन

रामपुर, अमृत विचार : कांग्रेसियों ने गृह और जलकर में हुई वृद्धि के विरोध में बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। डीएम को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा। पूर्व शहर अध्यक्ष नोमान खां की अगुवाई में कांग्रेस के पदाधिकारी कलेक्ट्रेट पहुंचे। पालिका के अधिकारियों की मनमानी के विरोध में प्रदर्शन किया। कहा कि नगर पालिका परिषद ने मनमाने तरीके से गलत सर्वे व तथ्यों के आधार पर गृहकर, जलकर बढ़ाया है। कहा कि बाहरी व्यक्तियों से सर्वे कराया गया है। टैक्स स्वीकृत सर्किल रेट व मार्ग चौड़ीकरण के विपरीत है। कहा कि नगर पालिका के 32 सभासदों के वीडियो के माध्यम से यह स्पष्ट किया है कि बढ़ाया गया कर बोर्ड बैठक में पास नहीं हुआ था। यह एक गंभीर विषय है। सभासदों ने इस प्रस्ताव को पास ही नहीं किया है। आम जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए नए सिरे से इसका सत्यापन कराने की मांग की है। इस मौके पर आरिफ अल्वी, मनी कपूर, सैयद विक्की मियां, सुहेल खान, शाहिद, नूर मोहम्मद, मकसूद अंसारी, अकरम अली, जीशान रजा खान, अजीमुद्दीन, रहमान शाह खान, शाहनवाज आलम, फयाज खां, निजाम पाशा समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उत्साह

हरियाली तीज को लेकर बाजार में बढ़ी रौनक, शाम को खरीदारी के लिए पहुंच रहीं महिलाएं

बाजार में तीज की हरियाली...महिलाओं में उमंग छाई

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : हरियाली तीज शनिवार को मनाई जाएगी। इसको लेकर पर्व का रंग बाजार पर भी चटक होने लगा है। त्योहार को लेकर बाजार में रौनक बढ़ गई है। दुकानें सज गई हैं। शाम को बाजार में खरीदारी के लिए चहल-पहल तेज हो गई है। दुकानदार भी बिक्री को लेकर उत्साहित हैं। महिलाओं ने खरीदारी तेज कर दी है। मेंहदी लगवाने के लिए ब्यूटी पार्लर में आर्डर आने लगे हैं। व्रत की भी तैयारियां घरों में शुरू हो गई हैं।

सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को हरियाली तीज का त्योहार मनाते हैं। यह व्रत सुहागिन स्त्रियों के लिए खास होता है। मान्यता है कि हरियाली तीज का व्रत स्त्रियां पति की लंबी आयु व सुखद वैवाहिक जीवन की कामना के साथ करती हैं।

- मेंहदी लगवाने के लिए ब्यूटी पॉर्लर में बढ़े आर्डर, साड़ियों की खरीदारी तेज

महिला पति की दीर्घायु व सौभाग्य के लिए व्रत रखती है। एक सप्ताह पहले से ही महिलाएं बाजारों में जाकर सामान की खरीदारी करने लगती हैं। शनिवार को तीज का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। इसको देखते हुए महिलाओं ने खरीदारी शुरू कर दी है। बाजारों में भी शाम को महिलाओं की भीड़ बढ़ रही है। अभी से ही ब्यूटी पार्लर में जाने की तारीख तय कर ली गई है, ताकि तीज से एक दिन पहले जाकर अपना मैकअप करवा सकें। त्योहार को देखते हुए मेंहदी लगाने वालों ने दाम भी बढ़ा दिए हैं।

सुहागिन की पहली तीज होने पर इस पर्व की खुशी और बढ़ जाती है। सुहागिनें पहली तीज अपने मायके में मनाती हैं। ससुराल पक्ष से उनके पास सिंधारा जाता है। -पारुल चौहान

तीज का त्योहार हरियाली और खुशियों का प्रतीक है। महिलाएं 16 श्रृंगार करती हैं। भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा अर्चना कर पति की लंबी आयु की कामना करती हैं। -रीना यादव

हरियाली तीज का पर्व पति की लंबी आयु के लिए रखा जाता है। भगवान शंकर और माता पार्वती की पूजा होती है। पूरे साल इस पर्व का महिलाओं को इंतजार रहता है। - श्वेता शर्मा

कुंवारी कन्याएं भी रखती हैं व्रत

हरियाली तीज का अब कुंवारी कन्याओं में भी क्रेज बढ़ता जा रहा है। ऐसे में कन्याएं भी यह व्रत मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए रखती हैं। हरियाली तीज के दिन हरे रंग का विशेष महत्व है। महिलाएं 16 श्रृंगार करके पूजा अर्चना करती है। पूजा के समय श्रृंगार के सामान के अलावा फैनी और घेवर भी चढ़ाया जाता है।

हरियाली तीज को लेकर एक सप्ताह पहले ही बाजारों में रौनक बढ़ जाती है। महिलाएं अपने लिए कपड़ों की खरीदारी करती हैं। तीज वाले दिन सोलह श्रृंगार कर पूजा अर्चना की जाती है। - शालिनी रस्तोगी

कवि राम किशोर को मिलेगा मुंशी प्रेमचंद साहित्य रत्न सम्मान

रामपुर, अमृत विचार : कवि राम किशोर वर्मा को मुंशी प्रेमचंद साहित्य रत्न सम्मान 2025 के लिए जयपुर (राजस्थान) में चयन किया गया है, जो महान साहित्यकार उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती पर 3 अगस्त को राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान, दुर्गापुरा के ऑडिटोरियम में आयोजित होने वाले सम्मान समारोह में प्रदान किया जाएगा।

अभाकाम संस्था, सांगानेर, जयपुर (राजस्थान) के महामंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने दी है। उन्होंने बताया कि, संस्था की ओर से मुंशी प्रेमचंद साहित्य रत्न सम्मान 2025 प्रतियोगिता में कविता श्रेणी में चयनित होने पर कवि राम किशोर वर्मा को यह सम्मान दिया जाएगा।

रामपुरी फूड फेस्टिवल में शामिल हुए नवेद मियां

दिल्ली में रामपुरी फूड फेस्टिवल में पूर्व मंत्री नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां।

रामपुर, अमृत विचार : शाही शान के साथ शाही दस्तरख्वान के व्यंजनों का स्वाद हासिल करने का प्रचलन बढ़ गया। दुनियाभर में अब रामपुर की शाही रसोई के पकवानों पर न सिर्फ चर्चा होती है बल्कि रामपुरी फूड फेस्टिवल भी आयोजित हो रहे हैं। ऐसी ही फूड फेस्टिवल दिल्ली स्थित हयात रीजेंसी में चल रहा है।

रामपुर के अंतिम शासक नवाब रजा अली खां के पौत्र पूर्व मंत्री नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां ने रामपुरी फूड फेस्टिवल में शिरकत की। उन्होंने बताया कि, शेफ रहमान ने इस फूड फेस्टिवल में रामपुर के शाही दस्तरख्वान के पकवान सामने लाए हैं। शेफ रहमान ने रामपुर के शाही व्यंजनों को पुनर्जीवित करने में 18 साल बिताए हैं। रामपुरी फूड फेस्टिवल समय, परम्परा और स्वाद का संगम है।

न्यूज ब्रीफ

शहर में आज निकलेगा अलम का जुलूस

रामपुर, अमृत विचार : तंजीम ए अजा के जनरल सेक्रेट्री सैयद बाबर हुसैन जैदी ने बताया कि 29 मोहर्रम को अलम का जुलूस शहर के मोहल्ला लाल कबर स्थित इमामबाड़ा मोहम्मद जफर बेग से सुबह 10 :30 बजे बरामद होगा। जुलूस परंपरागत मार्गों से होता हुआ इमामबाड़ा किला में देर रात को पहुंचेगा, जहां अजादार आग पर मातम करेंगे। इससे पहले बजरिया मुल्ला जरीफ से कोयले वाली मस्जिद तक छुरियों का मातम होगा। अलम के जुलूस में बनारस, सुल्तानपुर, जलालपुर, सहारनपुर, बरेली, नौगावां सादात, अमरोहा, सिरसी के अलावा स्थानीय अंजुमने नौहाख्वानी और मातम करेंगी।

बिजली कटौती से लोग हो रहे परेशान

बिलासपुर, अमृत विचार : बेगमाबाद बिजली घर से जुड़े गांवों में बिजली कटौती से लोग परेशान हैं। 8 घंटे आपूर्ति के दावों के बीच ग्रामीण इलाकों में शेड्यूल के मुताबिक बिजली नहीं दी जा रही है। सबसे अधिक समस्या बेगमाबाद बिजली घर क्षेत्र से जुड़े ग्रामीण इलाकों को उठानी पड़ रही है। 8 से 9 घंटे आपूर्ति हो रही है। अहरो, खजुरिया, बेगमाबाद समेत दर्जनों गांवों में कटौती की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली अधिकारी अघोषित बिजली कटौती करते हैं।

आरोपियों पर कार्रवाई की उठाई मांग

रामपुर, अमृत विचार : केमरी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी ग्रामीण का कहना है कि उसकी बहन कुछ दिनों पहले अपने रिश्तेदार के यहां पर गई थी, जहां से कुछ लोग उसका अपहरण करके ले गए थे। पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज करके किशोरी को तलाश लिया था, लेकिन अभी तक आरोपियों को पकड़ नहीं सकी है।

नए वेतनमान को लेकर सचिव को सौंपा ज्ञापन

रामपुर, अमृत विचार : कोऑपरेटिव बैंक वर्क्स यूनियन यूनिट का एक प्रतिनिधि मंडल बृहस्पतिवार को सचिव मुख्य कार्यपालक जिला सहकारी बैंक को ज्ञापन सौंपा। नए वेतनमान की मांग की गई है। सचिव ने आश्वासन दिया कि जल्द ही नए वेतनमान का लाभ दिया जाएगा, जिन कर्मचारियों का 10 साल व 14 साल नहीं लग पाया है वह भी बहुत जल्द लगा दिया जाएगा। इस मौके पर रमेश चंद्र, मोहम्मद जुहैब, योगेंद्र सिंह, संतोष कुमार, रविंद्र, संजय आदि मौजूद रहे।

जीएसटी अफसरों की मनमानी पर भड़के व्यापारी

राज्यकर कार्यालय पहुंचकर व्यापारियों ने डिप्टी कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : जीएसटी अधिकारियों की मनमानी को लेकर बृहस्पतिवार को व्यापारी भड़क गए। गुस्साए व्यापारियों ने अधिकारियों की कार्यशैली को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। नारेबाजी करते हुए कार्यालय पहुंचकर डिप्टी कमिश्नर को ज्ञापन सौंपकर प्रताड़ित नहीं किए जाने की मांग की। चेतावनी भी दी कि अधिकारियों की मनमानी स्वीकार्य नहीं होगी। उत्पीड़न न रुका तो आंदोलन का रास्ता अख्तियार किया जाएगा।

राज्यकर कार्यालय पर प्रदर्शन करते व्यापारी ● अमृत विचार

उप्र. उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश व्यापी अभियान के तहत बृहस्पतिवार को जिलाध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा व्यापारियों के राज्यकर कार्यालय पहुंचे। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डिप्टी कमिश्नर संदेश कुमार जैन को सौंपा। सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि तहत वसूली व सर्वे छापे के नाम पर व्यापारियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। दमनकारी नीति अपनाते हुए बैंक

- उप्र. उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष ने कहा, मनमर्जी स्वीकार्य नहीं

खाते सीज हो रहे हैं। खातों से धन निकासी भी की जा रही है। ईमेल से नोटिस दी जाती है, जिसकी वजह से व्यादेख नहीं पाते और व्यापारी ग्रेड-1 के यहां अपील भी नहीं कर पाते हैं। घोषणा के बावजूद ट्रिब्यूनल न होने से दूसरी अपील भी नहीं हो पाती है। इस दौरान व्यापरियों ने प्रदेश के अलग-अलग जिलों में हुई कई घटनाओं का हवाला भी दिया। व्यापारियों का जांच के नाम पर उत्पीड़न किया जा रहा है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कहा कि अधिकारियों की इस कार्यशैली से शासन और विभाग की भी छवि धूमिल हो रही है। इस पर रोक लगाने की मांग की गई। व्यापारी टैक्स जमा कर राजस्व बढ़ाने में सहायकत होता है और इसके बाद भी व्यापारियों पर अनुचित तरीके से कार्रवाई की जा रही है।

प्रदर्शन में शामिल

प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपने वालों में शाहिद शम्सी, शोएब मोहम्मद, हारिस शम्सी, अवतार सिंह, प्रदीप खंडेलवाल, जगन्नाथ चावला, चंद्र प्रकाश रस्तोगी, इमरान, सलीम, बिलाल शमसी, शकेब अहमद, सऊद शम्सी, मुराद खान, मोहसिन खान, काशिफ खान, अर्शी शमसी, राजीव अग्रवाल, नूर खान, वाजिद अली, वरुण मिश्रा, पुष्कर अग्रवाल, मुकेश आर्य, राम गुप्ता, रुशी जमाल, नसीम मियां, हरीश अरोड़ा, फैसल हबीब आदि रहे।

डिप्टी कमिश्नर संदेश कुमार जैन को ज्ञापन सौंपते व्यापारी। ● अमृत विचार

संसद की मस्जिद में दूसरे इमाम को रखे सरकार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

- भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मस्जिद के इमाम पर बोला हमला

अमृत विचार : भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने रामपुर के सपा सांसद व संसद की मस्जिद के इमाम पर गंभीर आरोप लगाए।

जमाल सिद्दीकी।

उन्होंने संसद की गरिमा, पारदर्शिता और संवैधानिक प्रावधानों को बनाए रखने के उद्देश्य से लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिख कर संविधान और लोकसभा के नियमों के अनुसार कार्रवाई की मांग की है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को भी पत्र लिखा है। मौलाना मोहिब्बुल्लाह नदवी को पद मुक्त करने की मांग की है।

लोकसभा अध्यक्ष को भेजे पत्र में जमाल सिद्दीकी ने कहा है कि सांसद मौलाना मोहिब्बुल्लाह नदवी वर्तमान समय में मौलाना वक्फ बोर्ड के तहत आने वाली संसद मस्जिद में इमाम के रूप में तैनात हैं। वक्फ बोर्ड से 18 हजार रुपये मासिक वेतन प्राप्त कर रहे हैं। इमाम का यह पद भारत के संविधान के अनुच्छेद 102 (1) (ए) के तहत लाभ का पद माना जाता है। संविधान और संसदीय नियमों में स्पष्ट है कोई सांसद ऐसा पद धारण नहीं कर सकता जो अयोग्यता का आधार बनाता हो।

दूसरी तरफ दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को भेजे पत्र में जमाल सिद्दीकी ने लिखा है कि मस्जिद के इमाम मौलाना मोहिब्बुल्लाह नदवी सपा के कार्यकर्ता हैं। सपा सांसद डिंपल यादव को भी मस्जिद में लेकर आए, जबकि वहां महिलाओं का प्रवेश वर्जित है। यह जानकारी भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी फैसल मुमताज ने दी है।

प्रशिक्षण केंद्र में डीआईजी ने महिला आरक्षियों की जानी समस्या

सैनिक सम्मेलन में बोलते डीआईजी मुनिराज जी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : पुलिस उपमहानिरीक्षक मुरादाबाद मुनिराज जी ने एसपी के साथ पुलिस लाइन में रिक्रूट महिला आरक्षियों के प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण किया। रिक्रूट महिला आरक्षियों का सैनिक सम्मेलन हुआ।

निरीक्षण के दौरान रिक्रूट आरक्षियों के व्यवस्थापन, ट्रेनिंग की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके साथ ही रिक्रूट आरक्षियों के साथ सैनिक सम्मेलन किया। प्रत्येक महिला आरक्षी प्रशिक्षुओं से उनकी ट्रेनिंग व समस्याओं के बारे में जानकारी ली। रिक्रूट आरक्षियों को ट्रेनिंग के दौरान मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं, समस्याओं के संबंध में जानकारी लेकर निस्तारण के आदेश दिए। इस मौके पर पर एएसपी संभल, सीओ शाहबाद समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

शहर में चोरों की आहट से लोग हो रहे परेशान

रामपुर, अमृत विचार : शहर में चोरों की आहट से लोग परेशान हैं। लोगों की नींद तक पूरी नहीं हो पा रही है। लोग छतों पर बैठकर पूरी-पूरी रात बिता रहे हैं। पुलिस भी परेशान हैं। पिछले 15 दिन से रात में ड्रोन उड़ने से लोग परेशान हैं।

चोरों की आहट शहर में भी नजर आ रही है। शहर के डूंगरपुर कालोनी के अलावा फूलों वाली बागिया, पक्का बाग, मोरी गेट, मंडी समिति, बिलासपुर गेट में चोरों के आने के बाद से लोग दहशत में आ गए हैं। लोग रात को छतों पर बंदूक, डंडे लेकर पहरेदारी कर रहे हैं। ज्वालानगर, अजीतपुर में भी चोरों के आने से लोग परेशान है। जानकारी मिलने पर पुलिस भी दौड़ती है, लेकिन हाथ कुछ नहीं लग रहा है।

किसानों की समस्याओं को लेकर किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन भानु से जुड़े किसानों की बृहस्पतिवार को आंबेडकर पार्क में पंचायत हुई। इसमें कर्ज माफी, भ्रष्टाचार और महंगाई का मुद्दा उठाया गया। इसके बाद किसान नारेबाजी करते हुए हाईवे, राहे रजा होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे और प्रदर्शन किया।

- भाकियु भानु ने की पंचायत, कर्ज माफी भ्रष्टाचार महंगाई का उठा मुद्दा

पंचायत में प्रमुख राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मो. हनीफ वारसी ने कहा कि, कुछ अधिकारी मनमानी कर रहे हैं। किसान, मजदूर कर्ज में दबाकर आत्महत्या कर रहा है। किसान अपने गन्ने के भुगतान के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं। खाद उपलब्ध नहीं हो रही है। किसानों को सिंचाई के लिए बिजली भी चार से पांच घंटे मिल रही है। कहा कि शीघ्र महापंचायत कलेक्ट्रेट में की जाएगी। मंडल की समीक्षा 10 तारीख को होगी। पंचायत के बाद किसानों ने नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट की ओर कूच किया, जहां परदर्शन किया। इसके बाद प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष मो. सलीम वारसी, श्याम मोहन पांडे, अब्दुल हसन पाशा, अवतार सिंह, अकील खान, अमीर अहमद, मुराद खान, चरणजीत सिंह, सतनाम सिंह, संतोष ठेकेदार, दानिश पाशा, अब्दुल हसन, मोहम्मद आजम, हरदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करते किसान। ● अमृत विचार

किसानों को मिलेट्स की खेती को लेकर किया गया जागरुक

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : आत्मा अधिशासी परिषद व डिस्ट्रक्ट फूड सिक्योरिटी एक्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। बैठक की अध्यक्षता एडीएम न्यायिक जंग बहादुर यादव ने की।

उप कृषि निदेशक राम किशन सिंह ने आत्मा योजना के तहत कृषक प्रशिक्षण, फार्मर अवार्ड, किसान मेला, किसान-वैज्ञानिक संवाद, किसान गोष्ठी कराने की बात कही। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा पोषण मिशन के तहत क्लस्टर प्रदर्शन, सामान्य बीज वितरण, कृषि रक्षा प्रबंधन, मिलेट्स बीज की मिनी किट ज्वार, बाजरा, कोदो, रागी, सांवा के बारे में जानकारी दी। बैठक में भूमि संरक्षण अधिकारी डॉ. भगवत सरन ने किसान समृद्धि योजना के बारे में

कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक में मौजूद अधिकारी व किसान। ● अमृत विचार

- कलेक्ट्रेट सभागार में हुई आत्मा अधिशासी परिषद की बैठक में दी गई जानकारी

बताया गया। डॉ. दीपक मेहंदीरत्ता ने प्राकृतिक खेती व सहफसली खेती कराने, किसानों को शिक्षण उपलब्ध कराने का सुझाव दिया। प्रगतिशील किसान अजय पाल सिंह ने सीधे बोआई के लिए अनुदान पर मशीन दिलाने पर जोर दिया। उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम लखन और राजकीय उद्यान अधीक्षक अजय कुमार ने किसानों को करनाल हरियाणा में प्रशिक्षण दिलाने के लिए कहा। डॉ. अय्यूब खां ने मोती की खेती करने के बारे में बताया। बैठक में जिला कृषि अधिकारी कुलदीप सिंह राणा, सहायक निदेशक मत्स्य आदि मौजूद रहे।

ढाई लाख के नशीले पाउडर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता, भोट

अमृत विचार : थाना पुलिस ने नशीले पदार्थ के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। दोनों के कब्जे से ढाई लाख रुपये की कीमत का एक किलो सफेद नशीला पाउडर बरामद हुआ है। पुलिस ने दोनों तस्करों के खिलाफ केस दर्ज कर जेल भेज दिया है।

नशीले पाउडर के साथ गिरफ्तार तस्कर।

बुधवार देर रात सूचना पर पुलिस ने मिलक मुंडी गांव के पास रास्ते से गुजर रहे गंज थाना क्षेत्र के मोहल्ला तालाब निहालुद्दीन निवासी आसिफ खां व फरीद हसन खां को दबोचा। उनके पास से एक किलो सफेद नशीला पाउडर, दो मोबाइल, 4,272 रुपये बरामद हुए। थानाध्यक्ष अमर सिंह राठौर ने बताया कि दोनों तस्करों ने पूछताछ में बताया कि काफी समय से नशीले पाउडर की सप्लाई करते थे। कुबूला कि कि स्मैक, अन्य महंगे

- पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज कर भेजा जेल, कई बिंदुओं पर हो रही जांच

नशीले पदार्थों को बनाते समय इस सफेद पाउडर का ही प्रयोग किया जाता है। यह पाउडर अत्याधिक नशीला होता है। स्मैक में मिलाने पर नशे की मात्रा भी बढ़ा देता है। कहा कि, नशीले पाउडर के इस धंधे में कितने लोग और शामिल हैं, नशीले पाउडर को कहां से लाया जाता है, कहां सप्लाई की जाती है, इसकी भी जांच भी की जा रही है।

विवाहिता से दुष्कर्म का प्रयास केस दर्ज

बिलासपुर, अमृत विचार : इलाके में सभासद पति ने एक विवाहिता को कमरे में खींचकर दुष्कर्म करने का प्रयास किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

एक मोहल्ले की निवासी महिला के अनुसार, सभासद पति उसके घर में घुस आए। बातचीत के बहाने अश्लील हरकतें करने लगा। विरोध पर कमरे में खींचकर दुष्कर्म का प्रयास करने लगा। शोर सुनकर पति और मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंच गए। आरोपी को पकड़ लिया गया। हालांकि, बाद में वह मौके से भाग गया। कुछ देर बाद दोनों पक्ष लाठी डंडों के साथ आमने-सामने आ गए। महिला ने पुलिस को तहरीर दी। प्रभारी निरीक्षक बलवान सिंह ने बताया कि आरोपी सभासद पति कामिल खां निवासी मोहल्ला शीरी मियां हरि ड्रेस के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाना आवश्यक : आदेश

प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन देते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष आदेश कुमार शंखधार की अगुवाई में लोग एकत्र होकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। इसके बाद प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। कहा कि किसी भी प्रदेश में हिंदू समाज सुरक्षित नहीं है।

त्योहारों पर देश के किसी न किसी हिस्से में या देश के किसी न किसी शहर में हमले होते हैं। शोभायात्राओं पर हमले होते हैं। पिछले दिनों बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले का दंगा हुआ, जिसमें हिन्दुओं को मारा गया। पहलगाम में सुनियोजित तरीके से आंतकी घटना को अंजाम दिया गया। विकास और समृद्धि के लिए भी जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाया जाना आवश्यक है। ज्ञापन देने वालों में राहुल कुमार, दीनदयाल, सर्वराज यादव, विशाल दुबे, मुकेश, देवेंद्र मौजूद रहे।

बेरोजगार घूम रहे दुकानदार रोजी-रोटी का बढ़ा संकट

संवाददाता, टांडा

- दो माह पूर्व तोड़ी गईं थी नगर पालिका की 24 दुकानें
- बड़ी संख्या में छिन चुका है परिवारों का रोजगार

अमृत विचार: दो माह पूर्व तोड़ी गई नगरपालिका की दुकानों के बाद भी किरायेदारों को रोजगार नहीं मिल सका है। इसको लेकर लोगों ने नगर पालिका के ईओ को पत्र सौंपा है।

टांडा में 19 मई को प्रशासन ने नगरपालिका की 24 दुकानों को तोड़ दिया था। रामपुर मार्ग स्थित राजकीय इंटर कॉलेज के सामने स्थित यह दुकानें 1988 में पालिका ने निर्मित कराई गईं थीं। दुकानों को तोड़ने से 24 परिवारों का रोजगार छिन गया था। उनके सामने अब आजीविका का संकट खड़ा हो गया।

बृहस्पतिवार को दुकानदारों ने नगरपालिका के ईओ को पत्र सौंपा। बताया कि दुकानें तोड़ते समय उन्हें आश्वासन दिया गया था कि जल्द ही वैकल्पिक जगह मुहैया कराई जाएगी, मगर एक माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी उनके लिए कोई स्थान चिन्हित नहीं किया गया है। दुकानदारों ने कहा कि वह बेरोजगार होकर भटक रहे हैं। बच्चों का पालन-पोषण भी उनके लिए बोझ बन गया है।

उन्होंने नगरपालिका ईओ से जल्द ही वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि वे अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकें। इस दौरान मोहम्मद अतीक, मोहम्मद अशरफ और मोहम्मद शफीक सहित कई प्रभावित दुकानदार मौजूद थे।

आम के बाग में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

टांडा, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव बादली निवासी ब्रजेश ठाकुर का शव बृहस्पतिवार की सुबह गांव के बाहर बेहल्ला नदी से आगे आम के बाग में पेड़ से लटकता मिला। सुबह गांव के बाहर गए लोगों को घटना की जानकारी हो सकी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिजनों का कहना है कि युवक डनलप गाड़ी चलाकर और खेती किसानी करके परिवार का पालन पोषण करता था। मृतक ने अपने पीछे चार बच्चे छोड़ गया है। सबसे छोटा बेटा 5 वर्ष का है। जबकि पत्नी की मौत पांच साल पहले हो चुकी है। ब्रजेश ही अपने बच्चों का इकलौता सहारा था। उसकी मौत के बाद बच्चों के सिर से अब पिता का भी साया उठ गया। कोतवाली प्रभारी प्रदीप कुमार ने बताया शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

दिखाया हुनर

सीबीएसई नार्थ जोन हॉकी प्रतियोगिता में पूरे दिन में खेले गए आठ मैच

अंडर-14 में एपीएस देहरादून ने जीता 6-0 से मुकाबला

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : सीबीएसई नार्थ जोन हॉकी टूर्नामेंट में बृहस्पतिवार को आठ मुकाबले हुए। जिसमें अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 वर्गों की टीमों ने हॉकी का हुनर दिखाया। अंडर-14 में पहला मुकाबला गुरुकुल द स्कूल हरिद्वार और एपीएस देहरादून की टीमों के बीच खेला गया। जिसमें एपीएस स्कूल की टीम ने एक तरफा मुकाबल में 6-0 से जीत दर्ज की।

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते मुख्य अतिथि। ● अमृत विचार

अंडर-17 वर्ग में स्मार्ट इंडियन मॉडल स्कूल रामपुर और सेंटपाल स्कूल रामपुर की टभ्मों के बीच मुकाबला हुआ, इसमें सेंटपाल की टीम विजयी रही। तीसरा मैच अंडर-19 वर्ग में सेंटमेरी स्कूल रामपुर और एसआरवीएम स्कूल हरिद्वार की टीमों के बीच खेला गया। एसआरवीएम ने 9-0 से करारी शिकस्त दी।

हॉकी मैच सुबह करीब 10 बजे से शुरू हुआ। मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। चौथा मैच अंडर-19 वर्ग में ग्रीनवुड स्कूल रामपुर ने स्मार्ट इंडियन मॉडल स्कूल को 6-0 से हराया। पांचवा मैच अंडर-14 वर्ग का सेंट पॉल और स्मार्ट इंडियन मॉडल स्कूल रामपुर के बीच हुआ। जिसमें सेंट पॉल ने 7-0 से जीत दर्ज की। छठा मैच अंड-17 वर्ग में बाबा खदेरा सिंह स्कूल मथुरा ने सनवे स्कूल रामपुर को 7-0 से हराया। सातवां मैच अंडर-19 वर्ग में सेंटमेरी स्कूल रामपुर ने स्मार्ट इंडियन मॉडल स्कूल को 1-0 से मात दी। आठवें मैच में अंडर-14 वर्ग में स्मार्ट इंडियन मॉडल स्कूल और एपीएस स्कूल देहरादून के बीच खेला गया, जिसमें एपीएस स्कूल देहरादून ने एक तरफा मुकाबले में 6-0 से जीत दर्ज की।

- मुख्य अतिथि बोले, खेल आत्मविश्वास और कठिन परिश्रम का भी प्रमाण

इस दौरान विद्यालय के प्रबंधक शरद गुप्ता ने खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि सभी विद्यार्थियों ने अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्ट खेल भावना का जो परिचय दिया है, वह सराहनीय है। सेमीफाइनल तक की यात्रा केवल खेल प्रतिभा नहीं बल्कि आत्मविश्वास और कठिन परिश्रम का भी प्रमाण है। इस दौरान रामबाबू , सुनील सिंह (मेरठ), लाल मोहम्मद (शाहजहांपुर), मुशीर अहमद (शाहजहांपुर), एहसान (मेरठ), मुमताज अहमद (बरेली), मुस्कान सागर (रामपुर), नेहा सिंह (रामपुर) और ताजुंबल जैदी (मेरठ) से शामिल रहे।

शिक्षक बनकर डीएम ने बच्चों से पूछे सवाल

रसोई में बन रहे भोजन की परखी गुणवत्ता, आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर, दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

अमृत विचार : डीएम निधि गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कंपोजिट विद्यालय ढक्का और आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। स्कूल में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं से उन्होंने सवाल भी हल कराए और उनसे अन्य विषयों की जानकारी ली व कविताएं सुनीं।

इसके साथ ही विद्यालय में बन रहे खाना की भी गुणवत्ता परखी। आंगनबाड़ी सेंटर पर गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की। डीएम निधि गुप्ता संभव अभियान का निरीक्षण करने के लिए निकली थीं। इसी के तहत उन्होंने ढक्का कंपोजिट विद्यालय का निरीक्षण किया।

सबसे पहले वह आंगनबाड़ी केंद्र पर पहुंची। यहां उन्होंने अपने सामने बच्चों का वजन कराया और उनकी लंबाई का माप कराया। अन्नप्राशन के साथ ही गर्भवती महिलाओं की गोदभराई भी की। माताओं से अपने स्वास्थ्य के साथ बच्चों की डाइट का भी विशेष ध्यान रखना को कहा। आंगनबाड़ी केंद्र पर पंजीकृत किशोरियों, धात्रियों, गर्भवती महिलाओं से उन्होंने नियमित रूप से राशन मिलने की बात पूछी। इस पर सभी ने हां में उत्तर दिया। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्री और साहयिका का निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं का लाभ इन लोगों को हर हाल में मिलना चाहिए। डीएम ने कहा कि यदि कहीं पर भी लापरवाही बरती गई या हेरफेर हुआ तो वह संबंधित के खिलाफ निश्चित रूप से कार्रवाई करेंगी।

बोर्ड पर बच्चों को गणित के सवाल देतीं डीएम निधि गुप्ता। ● अमृत विचार

मिड डे मील का निरीक्षण करतीं डीएम निधि गुप्ता ● अमृत विचार

स्कूल में सुनी कविताएं और हल कराए सवाल

कंपोजिट विद्यालय में पहुंचते ही डीएम शिक्षिका बन गईं। चाक लेकर ब्लैकबोर्ड के पास पहुंच गईं। उन्होंने ब्लैकबोर्ड पर कुछ सवाल हल करने के लिए बच्चों को दिए। अधिकांश बच्चों ने सवाल हल कर दिए। जिन बच्चों ने सवाल हल नहीं कर पाए उन्हें समझाया और शिक्षकों को सही से पढ़ाने की हिदायत दी। कुछ बच्चों से कविताएं सुनी। इसके बाद संवाद किया। उन्होंने बच्चों से पूछा कि वे क्या क्या बनना चाहते हैं। इस पर बच्चों ने उन्हें जबाव दिया। डीएम ने बच्चों को मेहनत से पढ़ाई करने की शिक्षा दी। इसके बाद उन्होंने विद्यालय में बन रहे मिड डे मील को चेक किया और रसोई में साफ सफाई की व्यवस्था का ध्यान रखने के निर्देश रसोईया को दिए। विद्यायल के निरीक्षण के दौरान शौचालय सही न पाए जाने पर डीएम ने प्रधानाचार्य को निर्देशित किया कि वे लोग जल्द सही कराएं। इसके बाद गांव के लोगों से संवाद किया और शिक्षा व आंगनबाड़ी केंद्र का हाल जाना। महिलाओं ने जल भराव की समस्या की बात कही। इस पर डीएम ने तुरंत निरीक्षण किया और जल्द समाधान का आश्वसन दिया। निरीक्षण के दौरान इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी ज्ञान प्रकाश सिंह, खंड विकास अधिकारी पल्लव गर्ग, एबीएसए, सीडीपीओ और संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शिकायतों की डीएम ने की समीक्षा

डीएम निधि गुप्ता ने निधि गुप्ता वत्स ने शासन, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, रेवेन्यू बोर्ड सहित विभिन्न आयोग आयुक्त मुरादाबाद एवं अन्य माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतों के निस्तारण एवं संदर्भों की समीक्षा की। डीएम ने साफ निर्देश दिए शिकायतों का निस्तारण तय समय पर हो जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश् किया कि शिकायतों का निस्तारण निष्पक्षता के साथ किया जाए। प्रत्येक विभाग की शिकायतों की स्थिति की नियमित मॉनीटरिंग करने और लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। समीक्षा बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सत्यपाल सिंह, पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार सहित समस्त उपजिलाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सिटी ब्रीफ

सभासद को दी जान से मारने की धमकी

गजरौला, अमृत विचार : कस्बा के मोहल्ला लक्ष्मी नगर निवासी सौरभ वर्मा सभासद हैं। बुधवार को बारिश का पानी प्लॉट में भर गया। इसकी शिकायत मिलने पर सभासद निरीक्षण करने के लिए गए थे। आरोप है कि वहां पहले से खड़े सुमित ने सभासद के साथ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। जानकारी पर सौरभ के पिता भी मौके पर पहुंच गए। वहीं लोगों की भीड़ के जमा होने पर आरोपी फरार हो गया। प्रभारी निरीक्षक अखिलेश प्रधान ने मामले में पीड़ित सभासद की तहरीर पर आरोपी सुमित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू करने की बात कही।

मेले में मारपीट का वीडियो वायरल

हसनपुर, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव फूलपुर बीझलपुर शिव मंदिर में बुधवार को सावन माह की शिवरात्रि पर लगे मेले में कहासुनी के बाद दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। इस घटना का एक वीडियो देर शाम सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिसमें कुछ युवक एक शख्स को बेरहमी से पीटते हुए साफ दिखाई दे रहे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद कोतवाल दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि उन्हें वायरल वीडियो की जानकारी नहीं है, लेकिन इसकी जांच कराई जा रही है।

मजदूरी न मिलने पर ठेकेदार के खिलाफ कोतवाली में प्रदर्शन

कोतवाली गेट पर प्रदर्शन करते मजदूर। ● अमृत विचार

संवाददाता,हसनपुर

- रुपये मांगने पर टालमटोल कर रहा था ठेकेदार
- परेशान होकर श्रमिकों ने थाने में दिया शिकायती पत्र

अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के दो गांव के मजदूरों ने ठेकेदार पर मजदूरी के पैसे ना देने का आरोप लगाते हुए कोतवाली गेट पर प्रदर्शन किया। गुरुवार को कोतवाली क्षेत्र के गांव रुखालू व बाईखेड़ा के मजदूरों ने कोतवाली क्षेत्र के गांव उधनपुर निवासी ठेकेदार पर मजदूरी के पैसे ना देने का आरोप लगाते हुए कोतवाली गेट पर प्रदर्शन किया।

मजूदरों ने कहा कि ठेकेदार पांच दिन से रोज टाल मटोल कर रहा है। वे लोग मजदूरी के पैसे लेने के लिए भटक रहे हैं। इस मौके पर सभी ने कोतवाल दिनेश शर्मा को शिकायती पत्र दिया। प्रदर्शन करने वालों में विजेंद्र सिंह, राजपाल सिंह, जितेंद्र सिंह, महेश ,संजय सिंह ,दिनेश कुमार, गेंदा सिंह ,सतीश, श्रीपाल ,कालिया ,धीरज, जोगिंदर आदि मौजूद रहे। जब इस बारे में कोतवाल दिनेश शर्मा से बात की तो उन्होंने बताया कि मजदूरों का शिकायती पत्र प्राप्त हो गया है। आरोपी ठेकेदार को पकड़वाकर मजदूरों के पैसे दिलवाई जाएंगे। उन्होंने बताया कि ठेकेदार को तलाश किया जा रहा है।

घर से एक लाख रुपये का सामान चुरा ले गए चोर

संवाददाता रहरा (अमरोहा)

अमृत विचार: रहरा थाना क्षेत्र के गांव पौरारा मुस्कम गांव में चोरों ने एक घर में धाबा बोल दिया। महिला ने जब चोरों को विरोध किया तो हमला करके घायल कर दिया। पीड़िता ने थाना में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पौरारा मुस्कम गांव निवासी श्रीचंद सैनी ने बताया कि उनका घर गांव के पश्चिमी छोर पर बाहर की ओर है। गुरुवार सुबह करीब 3 बजे वह उसी पत्नी गीता और 10 वर्षीय बेटा प्रियांश के साथ बरामदे में सो रहा था। इसी बीच दो चोर उनके घर में घुस आए। चोरों ने कमरे में रखे संदूक का ताला तोड़कर दो जोड़ी चांदी की पायल, एक चांदी का पेंडल, एक नोटों का हार, एक सोने की नोज पिन और 5000 रुपए की नकदी चोरी कर ली। आवाज होने पर उनकी पत्नी गीता देवी जागी तो चोर उनके साथ मारपीट कर फरार हो गए। जिससे गीता की बाजू में खुली चोट आई है। हालांकि जाग होने पर ग्रामीणों में उनका पीछा किया। लेकिन तब तक चोर फरार हो चुके थे। थाना अध्यक्ष कुरमेश त्यागी ने बताया कि तहरीर प्राप्त हुई है। जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चोरी के बाद बिखरे पड़े सामान को दिखाती गीता देवी।

हर-हर गंगे के जयकारों के साथ श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया

गजरौला, अमृत विचार : सावन अमावस्या पर ब्रजघाट व तिगरीधाम गंगा में हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित किया। गर्मी के मौसम में भोर से ही श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान शुरू कर दिया। हर-हर गंगे के जयकारों के साथ श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया। घाटों के किनारे विधि विधान संग पूजन भी किया। बहुत से श्रद्धालु बुधवार देर रात ही ब्रजघाट पहुंच गए, उन्होंने सूर्य की पहली किरण के साथ गंगा स्नान कर सूर्य को अर्घ्य देते हुए पूजा की।

अमरोहा समेत हरियाणा, दिल्ली व अन्य राज्यों के साथ बुलंदशहर, हापुड़, मेरठ, संभल, मुरादाबाद, रामपुर, बिजनौर आदि जिलों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भी गंगास्नान किया। शाम तक श्रद्धालुओं के गंगा स्नान करने का सिलसिला जारी रहा। वहीं सुरक्षा को लेकर गंगाघाटों पर पुलिस भी तैनात रही।

गंगा में स्नान करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

शिवाला मंदिर पर हुआ भोलेनाथ का श्रृंगार

सावन की शिवरात्रि पर मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु, गाए भजन

हसनपुर, अमृत विचार : सावन माह की शिवरात्रि के अवसर पर भगवान भोलेनाथ का भव्य श्रृंगार किया गया और कलाकारों ने भगवान के बहुत ही सुंदर भजनों को प्रस्तुत किया। उपस्थित भक्त भजनों पर झूमने पर मजबूर हो गए। बुधवार को सावन माह की शिवरात्रि पर्व के अवसर पर शिवसेना के जिला प्रमुख वेद प्रकाश यादव ने नगर के श्री झारखंड महादेव शिवाला मंदिर के प्रांगण में एक संकीर्तन का आयोजन कराया। संकीर्तन से पूर्व उज्जैन से आए कलाकारों ने भगवान भोलेनाथ का भव्य श्रृंगार किया गया। जिसे देखकर प्रत्येक भक्त चकित रह रहा था। इसके बाद कलाकार सौरभ मित्तल, राहुल मस्ताना एवं कामना राज ने एक-एक करके अपनी प्रस्तुति दी। कलाकारों की प्रस्तुति पर भक्त झूमने पर मजबूर हो गए थे। संकीर्तन की समाप्ति के बाद भक्तों को प्रसाद का वितरण भी किया गया। संकीर्तन में कविता यादव, राहुल अग्रवाल, रवि यादव, विनय, राजेंद्र, मनोज, नरेश, सतवीर गिरी, पप्पू गिरी, देवेंद्र शास्त्री, संजीव शर्मा, महेश शर्मा, अनु यादव, प्रीति यादव, दीक्षा, दिव्या शर्मा आदि रहे।

चामुंडा मंदिर में किया गया हवन पूजन

हसनपुर, अमृत विचार : गांव पीठखेड़ा में श्रावण मास की शिवरात्रि के पर्व पर बुधवार की देर शाम माता चामुंडा देवी मंदिर पर पिछले कई दशकों से चली आ रही परंपरा के अन्तर्गत हवन अयोजित हुआ। जिसमें श्रद्धालुओं ने चामुंडा माता की पूजा अर्चना करते हुए मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ में आहुतियां देकर सुख शांति के लिए प्रार्थना की। पंडित रामावतार शर्मा ने विधि विधान के साथ हवन कराया। इस दौरान महावीर सिंह ने बताया कि गांव में सुख समृद्धि और खुशहाली के लिए पिछले कई दशकों से चली आ रही परंपरा के अंतर्गत चामुंडा स्थल पर हवन यज्ञ का आयोजन किया गया है। सावन महीने में हवन प्रक्रिया के कार्यक्रम का विशेष महत्व रहता है।

युवती से मिलने पहुंचे प्रेमी को ग्रामीणों ने पकड़ा, पंचायत के बाद कराई शादी

संवाददाता आदमपुर(अमरोहा)

अमृत विचार : शीतला सराय मेले में प्रेमिका से मिलने पहुंचे प्रेमी को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। इसके बाद युवती और युवक के परिजनों को सूचना दी। सूचना के बाद मेले में पहुंचे दोनों के परिजनों की बीच पंचायत में तय हुआ कि दोनों की शादी कर दी जाए। इसके बाद मंदिर में दोनों की रीति रिवाज से शादी करा दी गई।

थाना आदमपुर क्षेत्र के गांव शीतला सराय में शिवरात्रि के मेले का आयोजन हो रहा है। बुधवार को मेले में प्रेमिका से मिलने के लिए गजरौला थाना क्षेत्र के गांव शीशोवाली निवासी युवक बाइक से पहुंच गया। मिलने के बाद दोनों आदमपुर शिव मंदिर पर पहुंचे और एक दूसरे के साथ जीने मरने की कसमें खाईं। देर रात युवक प्रेमिका को छोड़कर बाइक से जाने लगा। तब गांव के लोगों ने उसे और युवती के पकड़ लिया। इसके बाद दोनों के परिजनों को सूचना दी। इसके बाद युवक के परिजन भी युवती के गांव पहुंच गए। गुरुवार को युवक और युवती के परिजनों के बीच पंचायत हुई, जिसमें दोनों की शादी का फैसला हुआ। इसके बाद सबकी सहमति से दोनों ने मंदिर में सात फेरे और परिजनों का आशीर्वाद लिया। यह शादी पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद दिल्ली से हसनपुर चली आई महिला, वापस ले गई पुलिस

हसनपुर, अमृत विचार : इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती प्यार में बदल गई और महिला दिल्ली से प्रेमी से मिलने के लिए हसनपुर पहुंच गई। विवाहिता के पति ने गुमशुदगी की सूचना दिल्ली पुलिस को दी, इसके बाद पुलिस महिला को लेने युवक के घर पहुंच गई और महिला को ले गई। कस्बा के मोहल्ला खेवान निवासी एक युवक और दिल्ली की विवाहिता के बीच इंस्टाग्राम पर दोस्ती हो गई। दोस्ती होने के बाद दोनों ने एक दूसरे का मोबाइल नंबर ले लिया और आपस में बातचीत करने लगे। विवाहिता के पति को जब इसके बारे में पता चला तो उसने पत्नी को समझाने का भी प्रयास किया था, लेकिन वह नहीं मानी। मंगलवार को विवाहिता सब कुछ छोड़कर दिल्ली से हसनपुर निवासी युवक के घर पहुंच गई। लोकेशन मिलने पर गुरुवार को दिल्ली पुलिस भी युवक के घर पर पहुंच गई। पुलिस को देखते ही युवक मौके से फरार हो गया। युवक को पुलिस तलाश भी करती रही, लेकिन वह मिला नहीं। इसके बाद पुलिस महिला को अपने साथ ले गई। थाना प्रभारी दिनेश शर्मा ने बताया कि इंस्टाग्राम पर युवक और महिला के बीच दोस्ती हुई थी। इसके बाद वह यहां पहुंच गई। महिला को पुलिस अपने साथ ले गई है।

लूट की झूठी सूचना पर देर रात तक दौड़ती रही पुलिस

संवाददाता हसनपुर

- परिजनों ने कहा कि मानसिक मंदित है सलमान

अमृत विचार: युवक द्वारा लूट की झूठी सूचना दिये जाने पर कोतवाली पुलिस ने दौड़. लगा दी। पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया, आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी की जा रही है।

गुरुवार की रात को नगर के मोहल्ला कायस्थान निवासी सलमान ने अपने शरीर पर ब्लड मारने के बाद कोतवाली पुलिस को लूट की झूठी सूचना दे दी। लूट की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। आनन फानन में कोतवाली पुलिस ने घटनास्थल पर दौड़ लगा दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो पता चला कि युवक ने लूट की झूठी सूचना दी थी। उसके बाद पुलिस आरोपी को पकड़कर कोतवाली ले आयी। परिजनों का कहना है कि युवक मानसिक मंदित है। इसलिए आए दिन इस तरह की घटनाएं करता रहता है। प्रभारी निरीक्षक दिनेश कुमार शर्मा ने बताया युवक सलमान द्वारा लूट की झूठी सूचना दी गई थी। पुलिस आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

छात्र से मारपीट कर साइकिल लूटी

हसनपुर, अमृत विचार : कस्बा में गुरुवार को नकाबपोश लुटेरों ने दर्जियों वाले मोहल्ला निवासी आमिर नामक युवक से दीपपुर मार्ग पर साइकिल छीन ली। आमिर अपने घर वापस जा रहा था। आमिर ने बताया कि जैसे ही वह दीपपुर मार्ग पर पहुंचा। वैसे ही दो बदमाशों ने रोक लिया और उसकी साइकिल छीनकर ले गए। पीड़ित की सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सिटी डायरी

संपत्ति विवाद में मां बेटी से मारपीट

हसनपुर, अमृत विचार : संपत्ति के विवाद में दबंग चचेरे ससुर ने महिला और उसकी बेटी के साथ मारपीट की। पीड़िता ने थाना में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सिकरौली मिलक निवासिनी ललित देवी ने बताया कि उनके पति की मौत हो चुकी है। पति की मौत के बाद से उनका चचेरा ससुर संपत्ति पर कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। बुधवार को चचेरे ससुर ने उनकी संपत्ति पर कब्जा करने का प्रयास किया। जब उन्होंने विरोध किया तो आरोपी और उसके साथियों ने उन्हें व उनकी बेटी पर हमला कर दी। जिससे दोनों को चोटे लगी हैं। पीड़िता ने थाना में तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की है। थाना प्रभारी दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि महिला और उसकी बेटी को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

एक साल से मुख्य मार्ग पर जलभराव, ग्रामीण परेशान

हसनपुर, अमृत विचार : हसनपुर तहसील क्षेत्र के दौलतपुर कलां गांव के मुख्य मार्ग पर एक वर्ष से जल भराव है। ग्रामीणों ने बताया कि यह मार्ग अलीगढ़ रोड के पास है और गांव को मुख्य मार्ग है। जल निकासी न होने से काफी दिक्कत होती है। वे लोग कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक निस्तारण नहीं हो सका है। गांव के कुंवरपाल प्रधान, पिंटू सिंह, मान सिंह, रवि, धीरज और राजेंद्र ने बताया कि यदि जल्द समस्या का निस्तारण न हुआ तो वे लोग डीएम से शिकायत करेंगे।

तारों से बांधकर ट्रैक्टर से शक्ति आजमा रहे स्टंटबाज

हसनपुर : अमृत विचार : सोशल मीडिया पर धोरिया गांव का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें दो ट्रैक्टर चालक नियमों का उल्लंघन करते हुए दो ट्रैक्टरों को पीछे से बांधकर विपरीत दिशा में खींच रहे हैं। इस दौरान तमाम तमाशबीन भी मौके पर खड़े दिखाई दे रहे हैं। बताया जाता है कि चालक फेसबुक और इंस्टाग्राम पर फालोअर्स बढ़ाने के लिए ऐसा कर रहे हैं। सीओ दीप कुमार पंत ने बताया कि मामला संज्ञान में नही है। जांच के बाद दोनों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जन समस्याओं के निस्तारण के लिए दिया एसडीएम को ज्ञापन

हसनपुर, अमृत विचार : भाकियू (भानू) की मासिक बैठक ब्लॉक परिसर में एसडीएम कार्यालय के सामने हुई। बैठक में यूनियन के जिलाध्यक्ष बबित गुर्जर ने कहा कि आनलाइन खतौनी में हो रही गड़बड़ियों, बिजली मीटर में बिल अधिक निकाला जा रहा है, इस पर तुरंत रोक लगाने की मांग की। ब्लॉक अध्यक्ष राजीव चौहान ने पशुओं के हमले में मारे गए किसानों को 10 लाख रुपये का मुआवजा दिलाने और सड़क की मरम्मत कराने की मांग की। किसानों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर जल्द समस्याओं के निस्तारण की मांग की। बैठक में हाशिम चौधरी, तासिर अली,जमशेद चौधरी, मोहम्मद आदिल, अब्दुल वहाब, ववित धामा, लवकुश कुमार, नन्हे सिंह, कोमल शर्मा, सुमित त्यागी, गोविंद सिंह चौहान आदि लोग मौजूद रहे।

जवान की लिव इन पार्टनर ने की हत्या

बिजनौर,अमृत विचार: सेना के जवान की उसकी लिव इन पार्टनर ने गला दबाकर हत्या कर दी।

अमरोहा जनपद के कोटा रजबपुर निवासी अमित सागर भारतीय सेना में था। वह नजीबाबाद के आदर्शनगर इलाके में ममता के साथ लिव इन रिलेशन में रह रहा था। महिला की शादी हो चुकी थी। वह मूल रूप से बिजनौर की रहने वाली बताई गई है। अमित की मां कांति देवी ने पुलिस को तहरीर दी कि 15 जुलाई को मकान मालिक ने उन्हें अमित की हालत गंभीर होने की जानकारी दी थी। वह नजीबाबाद पहुंचीं तो अमित को अस्पताल ले जाया जा रहा था, रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई। उन्होंने ममता और उसके भाई योगेश को हत्या के लिए जिम्मेदार ठहराया।

रेलवे ट्रैक पर धरना देने की चेतावनी दी

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन (शंकर) जनजागरण कार्यक्रम के तहत ऐलान किया है कि यदि अमेरिका दूध की डेयरी भारत में लगाएगा तो किसान कापूरपुर रेलवे ट्रैक पर धरना देने के लिए विवश होंगे। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को अमेरिका के दबाव में नहीं आना चाहिए।

यूनियन का जगजागरण कार्यक्रम नौगवां सादात थाना क्षेत्र के गांव कुतुबपुर हमीदपुर स्थित पंचायत भवन में हुआ। इस मौके पर जिलाध्यक्ष चौधरी नेमपाल सिंह ने कहा कि अमेरिका भारत में अपनी डेयरी भारत में लगाना चाह रहा है। किसान किसी भी कीमत पर मांसाहारी दुग्ध का उत्पादन नहीं होने देंगे। मई में तेंदुए के हमले में घायल हुए छह किसानों के मुआवजे की मांग की। गन्ना मिल से किसानों का बकाया भुगतान कराने की मांग की।

इस मौके पर तहसील अध्यक्ष रविपाल सिंह, कामेश सैनी, भगवानदास, पुखराज सिंह, राकेश रतनपुर, जगत सिंह चौहान, राम सिंह, नेपाल निरंजन दयाराम राजू सोनू चौधरी,भगवानदास, बाबूराम सैनी, सतवीर सिंह, यशपाल सिंह, अर्जुन सिंह, ओम प्रकाश सिंह, हेतराम सिंह, कामेश सिंह, गौरव कुमार, हरीराज सिंह, सतपाल सिंह, करण सिंह, सोमपाल सिंह आदि रहे। कार्यक्रम का संचालन हुकुम सिंह ने किया। बैठक में संगठन का विस्तार भी किया गया।

- अमेरिकी दूध डेयरी न लगाने की सरकार से मांग

जनजागरण कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता ● अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

30 तक बढ़ाई प्रवेश पंजीकरण की तिथि

बहजोई, अमृत विचार : गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद द्वारा स्नातक कक्षाओं के बीए व बीकॉम प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश के समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण की तिथि 30 जुलाई तक बढ़ा दी गयी है। बहजोई महविद्यालय के प्राचार्य वीरेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि जो छात्र-छात्राएं पंजीकरण समर्थ पोर्टल पर नहीं करा सके हैं वे 30 जुलाई तक करा सकते है। महाविद्यालय में निःशुल्क पंजीकरण की व्यवस्था भी उपलब्ध है।

नगदी व सामान चोरी

संभल/मनोटा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव दरियापुर बंद निवासी संजीव बुधवार की रात परिजनों के साथ घर के बरामदे में सो रहा था। रात में चोर नकब लगा घर में दाखिल हुए और संदूक में रखी 25000 की नगदी व अन्य सामान चुरा कर ले गए। थाना प्रभारी संजीव बालियान ने बताया कि अभी चोरी की तहरीर नहीं मिली है।

श्रीराम कथा सुन श्रद्धालु मंत्रमुग्ध

चन्दौसी, अमृत विचार : श्री सनातन धर्म पंजाबी सभा मंदिर में कथा वाचक अयोध्या दास रामायणी ने श्रीराम जन्म, सीता विवाह व वनगमन की कथा का वर्णन किया। कथा सुन श्रोता भावविभोर हो गए। वेद प्रकाश अरोरा, सतीश अरोरा, चरनजीत लाल, राजू कालड़ा, राम खत्री, पारस बजाज, प्रेम खुराना, सुधीर मल्होत्रा, आकाश आहूजा, चंद्रकांता, मीना अरोरा आदि मौजूद रहे।

बहजोई उप केंद्र से 2 घंटे गुल रहेगी बिजली

बहजोई, अमृत विचार : विद्युत उपकेंद्र बहजोई में पैनल एवं पावर परिवर्तक की ट्रिपिंग को दुरुस्त करने तथा उपकरणों की टेस्टिंग के चलते शुक्रवार सुबह नौ बजे से 11 बजे तक आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत उपखंड अधिकारी अखिलेश कुमार ने बताया कि यह कार्य आवश्यक रूप से किया जाना है। ताकि उपभोक्ताओं को बिना ट्रिपिंग के निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिल सके।

डीएम के अनुमोदन के बाद जनपद की सीएचसी व पीएचसी पर काम हुआ शुरू

बच्चों को कुपोषण से निकालने को आठों विकासखंडों में खुलेंगे एनआरसी

सुनील कुमार, संभल/बहजोई

अमृत विचारः संभल में बच्चों को कुपोषण से बचाने को लेकर जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया ने नई मुहिम शुरू की है। प्रत्येक विकासखंड की सीएचसी-पीएचसी पर एनआरसी (न्यूट्रिशन रिहेबिलिटेशन सेंटर) खुलेंगे। यहां कुपोषित बच्चों का इलाज होगा।

जनपद के 1335 कुपोषित बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए यह प्रयास शुरू किया गया है। बाल विकास विभाग द्वारा 0 से 5 वर्ष के 1335 कुपोषित बच्चों को चिन्हित किया गया है। जुनावई में सबसे कम 47, तो बनियाखेड़ा में सबसे अधिक 334 कुपोषित बच्चे चिन्हित किए गए हैं। इसकी तरह असमोली में 126, बहजोई में 215, गन्नौर में 93, पंवासा में 196, रजपुरा में 120, संभल में 204 बच्चे कुपोषण का शिकार हैं। इन बच्चों के लिए अब तक केवल चंदौसी में ही एक एनआरसी केंद्र था। इस एक एनआरसी में बाल विकास विभाग के अनुसार 60 बच्चों को कुपोषण से बचाने का काम चल रहा है। कुपोषित बच्चों की अधिकता को देखते हुए डीएम ने अब नई मुहिम प्रारंभ की है। अब जनपद के आठ और विकास खंडों में एनआरसी जैसी व्यवस्थाएं की जाएंगी। जिससे प्रत्येक माह कुपोषित बच्चों का अधिक संख्या में उपचार किया जा सके। यह व्यवस्था जल्द ही प्रारंभ हो जाएगी। डीएम ने इसका अनुमोदन दे दिया है। वहीं स्वास्थ्य विभाग इस कार्य में जुट गया है।

- अब तक केवल चंदौसी में ही था पोषण पुनर्वास केंद्र

प्रत्येक केंद्र पर पांच बच्चों का होगा उपचार

चंदौसी में 20 बच्चों को भर्ती कर उन्हें कुपोषण से दूर किया जाता है। अब डीएम के अनुमोदन के बाद सीएमओ डॉ. तरुण पाठक ने आठों विकासखंड में एनआरसी की व्यवस्था करने को लेकर निर्देश दिए। जल्द ही सात और एनआरसी केंद्र संचालित हो जाएंगे। कुपोषित बच्चों की कुपोषण से बाहर निकालने की संख्या अब तक 60 है जो बढ़कर 100 हो जाएगी। प्रत्येक केंद्र पर पांच बच्चों का उपचार होगा।

> जिलाधिकारी के अनुमोदन के बाद जनपद के सभी विकास खंडों में एनआरसी (पोषण पुनर्वास केंद्र) खोले जाएंगे। इसके लिए प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। अब तक शासन से 20 बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए लक्ष्य था। अब जनपद में 100 बच्चों को साथ अन्य एनआरसी केंद्रों के खुलने से निकाला जा सकेगा।
>
> -महेश कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी संभल।

14 दिन एनआरसी में रखे जाते हैं बच्चे

बाल विकास विभाग द्वारा लगातार बच्चों को चिन्हित किया जा रहा था। 1335 बच्चों का कुपोषण से बाहर निकालने के लिए चिन्हीकरण हुआ। 14 दिन तक एनआईसी केंद्र में रखकर कुपोषण से बाहर निकालने के प्रयास किये जाते हैं।

चन्दौसी बार के अध्यक्ष बने विनोद कुमार तीरथ राज बने सचिव

अध्यक्ष पद पर विजयी विनोद कुमार सिंह को कंधे पर उठाए साथी अधिवक्ता।

कार्यालय संवाददाता, चन्दौसी

- 5 पदों पर हुआ था मतदान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष व कोषाध्यक्ष के पद पर हो चुके हैं निर्विरोध निर्वाचन

अमृत विचारः चन्दौसी बार एसोसिएशन का चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। गुरुवार को बार रूम में 5 पदों के लिए मतदान हुआ। अध्यक्ष पद पर विनोद कुमार सिंह व सचिव पद पर तीरथ राज यादव विजेता रहे। जीते प्रत्याशियों को साथी अधिवक्ताओं ने फूल माला पहनाकर ढोल की थाप जमकर नृत्य किया। चुनाव व मतगणना के दौरान पुलिस बल तैनात रहा। पहले ही वरिष्ठ उपाध्यक्ष व कोषाध्यक्ष का एक-एक प्रत्याशी रहने पर उन्हें निर्विरोध निर्वाचित कर दिया गया।

गुरुवार को जिला न्यायालय में चन्दौसी बार एसोसिएशन के चुनाव बार रूम में कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न कराई गए। सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान प्रक्रिया संपन्न कराई गई। 867 वोट में से 836 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। इसके बाद मतगणना आरंभ कर दी। अध्यक्ष पद पर विनोद कुमार सिंह को 482 व राजेश कुमार यादव ने 351 वोट मिले। विनोद कुमार सिंह ने 131 मतों से विजयी श्री प्राप्त की। सचिव पद पर तीरथ राज यादव को 487, बीएल सागर को 262 व मुकेश शर्मा को 80 मत मिले। जिसमें सचिव पद पर तीरज राज यादव ने 225 मतों से जीत दर्ज की। उपाध्यक्ष वरिष्ठ खंड के 2 पदों पर अरविंद कुमार 452, बलराम सिंह 458, उपाध्यक्ष कनिष्ठ खंड के 2 पदों पर अंबर चौहान 503, आमिर खान 322 जीत दर्ज की। इसके अलावा सह सचिव के 3 पदों पर कविता चौहान 488, कृष्णानंद शर्मा 387, अमोल कुमार 315 जीते।

मतदान व मतगणना एल्डर कमेटी के चेयरमैन अनिल कुमार गुप्ता की देखरेख में संपन्न हुई। अपने-अपने प्रत्याशियों की विजयी होने पर साथी अधिवक्ताओं ने जमकर आतिशबाजी छोड़ी व फूलमाला पहनाकर बधाई दी। साथी अधिवक्ताओं ने ढोल की थाप पर जमकर नृत्य किया। इस दौरान एल्डर कमेटी के सदस्य शकील अहमद वारसी, मोहम्मद सगीर सैफी, राज बहादुर, लोकेंद्र शर्मा मौजूद रहे। मगदान और मतगणना के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही।

अव्यवस्थाओं पर उखड़े नवोदय के छात्र

किया प्रदर्शन, भोजन का भी बहिष्कार, डीएम ने स्कूल पहुंचकर दिया आश्वासन तब शांत हुए छात्र

संवाददाता, बबराला

अमृत विचार : रसूलपुर स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में बुधवार देर रात छात्रों ने भोजन और पेयजल की खराब व्यवस्था को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। नाराज छात्रों ने भोजन का भी बहिष्कार कर दिया। पुलिस और प्रशासन को मौके पर हस्तक्षेप करना पड़ा। गुरुवार को जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने विद्यालय पहुंचकर छात्रों को समझाकर शांत कराया।

छात्रों ने आरोप लगाया कि विद्यालय में पिछले कई दिनों से भोजन की गुणवत्ता बेहद खराब है। पेयजल की आपूर्ति न केवल अनियमित है बल्कि पानी अशुद्ध होता है। छात्रों ने रात्रिकालीन अध्ययन के दौरान प्रयोगशालाओं में आवश्यक रसायनों की अनुपलब्धता की शिकायत की। इसके अलावा छात्रावास में अव्यवस्थाओं पर भी नाराजगी जताई। छात्रों का कहना था कि पहले कपड़े धोने के लिए धोबी की व्यवस्था थी, जो अब बंद कर दी गई है। कपड़े सुखाने की व्यवस्था न होने के कारण वह गीले कपड़े पहनने को मजबूर हैं। छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि अभिभावकों के आने पर उन्हें बैठने की उचित व्यवस्था नहीं दी जाती और उनकी शिकायतों की कोई सुनवाई नहीं होती। कई बार शिकायत करने के बावजूद जब प्रबंधन ने कोई कदम नहीं उठाया तो उन्होंने बुधवार रात में भोजन का बहिष्कार करते हुए सामूहिक प्रदर्शन किया। सूचना मिलते ही एसडीएम डॉ. वंदना मिश्रा और कोतवाली प्रभारी अखिलेश प्रधान मौके पर पहुंचे और छात्रों से संवाद कर उन्हें शांत किया। गुरुवार को विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष और जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने छात्रों से सीधे संवाद किया और समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। डीएम यहां दो घंटे से अधिक समय तक रहे और उन्होंने स्कूल प्रशासन को व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। एसडीएम डॉ. वंदना मिश्रा ने छात्रों के विरोध प्रदर्शन की बात नकारते हुए, भोजन का बहिष्कार करने की बात मानी। उन्होंने बताया कि फिलहाल मामला सुलझ गया है।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय।

- रात में ही एसडीएम और कोतवाली प्रभारी स्कूल पहुंचे

मीडिया और अभिभावकों की नो एंट्री

पीएम श्री में चयनित जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा छह से इंटर तक 442 छात्र-छात्राएं हैं। प्रदर्शन के बाद विद्यालय प्रशासन ने मेन गेट बंद कर अभिभावकों सहित किसी को भी अंदर प्रवेश की अनुमति नहीं दी। यहां तक कि मीडिया कर्मियों को भी भीतर नहीं जाने दिया गया। सवाल उठना लाजमी है कि क्या छुपाने की कोशिश की गई। लोग सवाल कर रहे हैं कि यदि सब कुछ ठीक है, तो पारदर्शिता से परहेज क्यों।

युवती के साथ दुष्कर्म कर खींचे फोटो, अब कर रहा ब्लैकमेल

संभल/मनोटा, अमृत विचारः ऐंचोडा कंबोह के गांव में युवक ने युवती की सगाई के अगले दिन दुष्कर्म कर फोटो खींच लिए। इसके बाद ब्लैकमेल कर युवती से 50000 ऐंठने के साथ ही शादी का दबाव बनाया।

युवती का कहना है कि वह तीन साल से दूसरे शहर में नौकरी करती है। गांव के ही युवक से उसकी पिछले 5 साल से जान पहचान थी। 13 जून को युवती सगाई के लिए अपने गांव आई थी। आरोप है कि सगाई के अगले दिन 14 जून को दोपहर 2:30 बजे युवक घर आ धमका और उसने तमंचे के बल पर दुष्कर्म कर फोटो खींच लिए। युवती का कहना है कि इस घटना के बाद से ही युवक ने परेशान करना शुरू कर दिया। युवक उसे बदनाम न करे इसके लिए उसने 50 हजार रुपये दे दिए। लेकिन वह लगातार धमकियां देता रहा। कहने लगा कि तुम मुझसे शादी कर नहीं तो फोटो वायरल कर दूंगा। युवक की हरकतें नहीं थमीं तो युवती ने घर वालों के साथ ऐंचोड़ा कंबोह थाना पहुंचकर पुलिस से मदद मांगी। पुलिस ने युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

फार्मिंग व एग्रीकल्चर में अपार संभावनाएं

कार्यालय संवाददाता, चन्दौसी

अमृत विचारः जिला व्यापारी सम्मेलन में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि कल्कि धाम नगरी में आना मेरा सौभाग्य है। साथ ही कहा कि जनपद संभल में फार्मिंग व एग्रीकल्चर में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। व्यापारियों की समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

गुरुवार की शाम रामबाग धाम स्थित श्री वार्ष्णेय सेवा सदन धर्मशाला में जिला व्यापारी सम्मेलन को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा व्यापारियों के लिए अलग-अलग कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। अधिक से अधिक व्यापारी इसका लाभ उठाएं। गंगा एक्सप्रेस-वे से व्यापारियों सहित आमजनता को बहुत लाभ मिल रहा है। प्रदेश सरकार में व्यापारियों की समस्याओं का समाधान कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व की समाजवादी, बहुजन व कांग्रेस सरकारों ने प्रदेश को बीमारू राज्य बना दिया था। पिछले 8 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। विकास की राह पर उत्तर प्रदेश चल दिया है। कार्यक्रम में संभल के अलावा बदायूं, बरेली, मुरादाबाद, रामपुर, अमरोहा आदि के व्यापारी भी शामिल हुए। इस दौरान गोविंद गर्ग, अरविंद गुप्ता, पालिकाध्यक्ष लता वार्ष्णेय, फूल प्रकाश वार्ष्णेय, कमल किशोर, सुबोध वार्ष्णेय, श्रीगोपाल, विनय सर्राफ, अंकित जैन, मुकेश वार्ष्णेय, सुधीर मल्होत्रा, मनोज वार्ष्णेय आदि बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

जिला व्यापारी सम्मेलन में मंचासीन मंत्री नंदगोपाल नंदी व अन्य। • अमृत विचार

- व्यापारी सम्मेलन में शामिल हुए मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी
- कहा, भगवान कल्कि की भूमि पर आना मेरा सौभाग्य

कार्यक्रम में मौजूद बड़ी संख्या में व्यापारी। • अमृत विचार

खाटू श्याम मंदिर में की पूजा

मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी का मुकेश वार्ष्णेय के आवास पर स्वागत किया गया। इअनुज वार्ष्णेय अन्नू, मयंक वार्ष्णेय, शुभम अग्रवाल, बृजेश वार्ष्णेय, देवेंद्र मोनू, लकी वार्ष्णेय, शिशांक वार्ष्णेय, प्रभात कृष्णा, रितिक वार्ष्णेय आदि मौजूद रहे। इसके बाद खाटू श्याम मंदिर, रामबाग धाम स्थित श्री सिद्धिदात्री नवदुर्गा मंदिर में पूजा की।

स्टेशनरी भत्ता बढ़ाने पर मुख्यमंत्री का जताया आभार

बहजोई, अमृत विचारः राजस्व निरीक्षकों ने सरकार द्वारा स्टेशनरी भत्ता छह रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये प्रति माह करने पर डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को आभार पत्र भेजा है।

राजस्व निरीक्षक गुरवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को सौंप कर कहा कि राजस्व निरीक्षक संवर्ग सरकार की योजनाओं को अंतिम पायदान तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाता है। आईजीआरएस, यूपी राजस्व संहिता की धाराओं 24, 38, 101, 116 के अंतर्गत आवेदन, नोटिस और पत्रावलियों का प्रिंट, नजरी नक्शे तैयार करने, संपूर्ण समाधान दिवस पर जनशिकायतों से निपटने समेत दर्जनों कार्यों में स्टेशनरी की भारी आवश्यकता होती है जिसे अभी तक निजी खर्च से पूरा किया जाता था। सरकार द्वारा मांग के अनुरूप मासिक भत्ता दिया जाना सराहनीय है। जिलाध्यक्ष बृजपाल मौर्य, जिला सचिव चंद्रपाल सिंह, अवनीश, बाबूराम, जोंटी गोयल आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

जायन्ट्स ग्रुप के तीजोत्सव में मौजूद पदाधिकारी।

मनीषा व प्राची को चुना तीज क्वीन

चन्दौसी, अमृत विचार : जायन्ट्स ग्रुप चन्दौसी वेस्ट की ओर से बिहारी लाल प्राकृतिक आरोग्य सदन में तीजोत्सव में मनीषा गुप्ता को तीज क्वीन का ताज पहनाया गया। स्वाति अग्रवाल पहली रनर अप व आरती अग्रवाल दूसरी रनरअप रही। बहू कैटेगरी में प्राची चौधरी तीज क्वीन, मानसी वार्ष्णेय पहली रनर अप, शुभांगी दूसरी रनरअप रही। तंबोला, वन मिनट, फोटो पहचानो, सरप्राइज व प्रश्नोतरी का आयोजन किया। मेहंदी, सिंदूर, बिंदी, रुमाल व क्लेचर दिए गए। विनेश वार्ष्णेय, जया दीक्षित, रितु गोयल, डॉ. मोनिका, विवेक कुमार चौधरी, भुवनेश वार्ष्णेय, सीमा चौधरी, सरिता अग्रवाल, नीरा ऐरन, रागिनी अग्रवाल, संगीता भार्गव, योजना गुप्ता, नीरू वार्ष्णेय आदि मौजूद रहीं।

स्कूटी सवार युवक की हादसे में मौत

संभल, अमृत विचार : सरायतरीन के शाहजीपुरा मोहल्ले का रहने वाला मोनू सागर गुरुवार को स्कूटी पर सवार होकर घर लौट रहा था। पुलिस के अनुसार पक्का बाग मंदिर के निकट उसकी स्कूटी साइकिल से आ रहे रसूलपुर निवासी लियाकत की साइकिल से टकरा गई। हादसे में दोनों घायल हुए। इसी दौरान डनलप वहां से गुजरी तो उसका पहिया मोनू सागर के ऊपर से उतर गया। पुलिस ने उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डाक्टरों ने मोनू सागर को मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई ने साजिश की आशंका जाहिर की है। कहा कि ब्याज का काम करने वाले एक व्यक्ति ने मोनू को बुलाया था।

बच्चों को जागरूक करतीं संगठन की सदस्य।

शोर मचाने पर भागा चोर

संभल, अमृत विचार : मोहल्ला आलम सराय निवासी अंकित के घर में चोर ने दिन दहाड़े घुसने का प्रयास किया। उसकी पत्नी ने शोर मचाया तो वह भाग गया। लोगों ने चोर को तलाशने का प्रयास किया लेकिन वह नहीं मिला। मोहल्ले वालों का कहना है कि कई दिन से संदिग्ध लोगों की गतिविधि नजर आ रही है।

बालिका को बंदरों ने किया जख्मी : चन्दौसी : गांव मोहम्मद नगर निवासी हरीशंकर की 12 वर्षीय पुत्री शीतल गुरुवार को कूड़ा डालने जा रही थी। बंदरों के झुंड ने हमला कर हाथ जख्मी कर दिया। सीएचसी में उसका उपचार कराया गया।

बच्चों को किया जागरूक

चन्दौसी, अमृत विचार : समर्पण वेलफेयर सोसाइटी ने लक्ष्मी देव हर प्रसाद सरस्वती शिशु मंदिर में बच्चों को संचारी रोगों से बचाव के उपाय बताए। संगठन की सचिव अभिलाषा प्रजापति ने बच्चों को सफाई का महत्व बताया। बच्चों को चार्ट के माध्यम से संक्रमण से बचने के उपाय बताए गए। साफ-सफाई से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने प्रतिभाग किया काजल अरोड़ा, सपना गुप्ता, रश्मि वर्मा, मीनू अग्रवाल, प्रिया मखीजा, विशाखा अरोड़ा, खुशी वर्मा आदि मौजूद रहीं।

महिलाओं ने गाये गीत

संभल, अमृत विचार : नारी उत्थान समिति के हरियाली तीज कार्यक्रम में कुसुम आर्य को तीज क्वीन चुना गया। प्रीति शर्मा और अल्पना आर्य उप विजेता रहीं। महिलाओं ने मेंहदी रचाई और गीतों पर प्रस्तुति दी। अध्यक्ष सीमा आर्य ने कहा कि हरियाली तीज नारी सशक्तिकरण, सौंदर्य और एकता का प्रतीक है। आशा आर्य, तरन्नुम अकील, सुरभि शर्मा, सुही आर्य, प्रियंका आर्य, जूही, संध्या, अंजू शालिनी रस्तोगी, नीरू वाहल, पिंकी वर्मा, मिताली गुप्ता, गीता गुप्ता, गोरी शर्मा, सुरभि टंडन, दीपा आदि उपस्थित रहीं।

तीज उत्सव कार्यक्रम में शामिल महिलाएं। अमृत विचार

ऊर्जा मंत्री के बयान पर जताई आपत्ति

बहजोई, अमृत विचार : अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के युवा प्रदेश अध्यक्ष अमित वार्ष्णेय ने ऊर्जा मंत्री एके शर्मा द्वारा वैश्य व्यापारी वर्ग पर दिए गए बयान की निंदा की। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि एके शर्मा को मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाए। कहा कि बिजली विभाग एक जनसेवा विभाग है जिसे व्यापारी वर्ग से जोड़ना अनुचित और दुर्भावनापूर्ण है।

अनियंत्रित हो नाले में गिरा कंटेनर

सिरसी, अमृत विचार : बुधवार की रात प्रवेश निवासी बीजकपुर थाना आदमपुर जिला अमरोहा कंटेनर में गुजरात से प्लास्टिक का सामान लेकर उत्तराखंड के सितारगंज जा रहा था। संभल मुरादाबाद मार्ग पर कढ़िरतान के पास छुट्टा पशु को बचाने के प्रयास में कंटेनर नाले में जा गिरी। चालक प्रवेश को मामूली चोट आई है।

जूमलियन मशीन से 27 फीट शिफ्ट की मजार

शिफ्ट करने से पहले मजार को बॉक्स व पॉलीथिन में पैक करते लोग। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचारः याकूब शाह अली चिश्ती की दरगाह को जूमलियन क्रेन से 27 फीट शिफ्ट कर दिया गया। अब जल्द ही दरगाह का कमरा भी जैक के सहारे पीछे हटाया जाएगा।

संभल-बहजोई मार्ग के चौड़ीकरण में हयातनगर थाने के आगे मस्जिद, मदरसा व याकूब शाह अली चिश्ती की दरगाह अतिक्रमण के रूप में चिह्नित की गई थी। मस्जिद व मदरसे के अतिक्रमण वाले हिस्से को तोड़ दिया गया था। जबकि दरगाह को पीछे हटाने के लिए कमेटी ने समय मांगा था। आखिरकार आधुनिक मशीनों से दरगाह को पीछे हटाने की रणनीति बनाई गई। गुरुवार को जेसीबी से 7 फीट गहरा गड्ढा खुदवाया गया था। उसके बाद लोहे के बॉक्स में मजार को पैक किया गया। इसके बाद खासतौर से बिजनौर से मंगवाई गई जूमलियन व हाइड्रा मशीनों की मदद से मजार को 24 फीट पीछे शिफ्ट किया गया। दरगाह कमेटी के लोगों का कहना है कि मुश्किल काम पूरा कर लिया गया है।

- सात फीट गड्ढा खोदकर लोहे के बॉक्स में पैक की गई थी मजार

बाबा महाकाल की पालकी यात्रा निकाली

बाबा महाकाल पालकी यात्रा में नृत्य करते अघोरी व मौजूद श्रद्धालु। • अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचारः संभल में गुरुवार को श्री महाकाल सेवा परिवार के तत्वावधान में बाबा महाकाल की भव्य नगर भ्रमण पालकी यात्रा उत्साह के साथ निकाली गई।

गौरी सहाय मंदिर कोट पूर्वी में सिद्धेश्वर श्री दयाशंकर महादेव का अलौकिक श्रृंगार शिवा कश्यप के द्वारा किया गया। बाबा महाकाल की पालकी यात्रा गोरी सहाय मंदिर से शुरू होकर चक्की का पाट, टंडन तिराहा, पुराना तहसील रोड, शंकर कॉलेज, सूरजकुंड मंदिर, रहट वाला मंदिर सरथल पुलिस चौकी व पंजाबी मंदिर होते हुए वापस गोरी सहाय मंदिर पर आकर संपन्न हुई। श्री तुलसी मानस मंदिर में भगवान श्री राम का बाबा महाकाल के साथ हरिहर मिलन हुआ। शोभायात्रा में सबसे आगे चार घोड़े पर सैनिक, उसके पीछे अघोरी अपने करतब दिखाते हुए चल रहे थे। ढोल ताशे, डमरू व झांझर की गूंज और फूलों की वर्षा के साथ पालकी बढ़ रही थी। रात को गोरी सहाय मंदिर में कीर्तन में रुद्रपुर से आए अमन सांवरिया एवं संभल के अतुल अग्रवाल व शशांक अग्रवाल ने गुणगान किया। महंत बाल योगी दीनानाथ, राजेश सिंघल, निशिकांत तिवारी, संजय गुप्ता पोली, शिवा कश्यप, दीपांशु राजपूत, कुलदीप गुप्ता, आशीष गुप्ता, हर्षित गुप्ता, कृष्ण गुप्ता, शुभम, आशीष गुप्ता, राहुल कश्यप, हर्ष कश्यप, हर्षित तोमर, अश्विनी बजाज, निधि शर्मा, यश गुप्ता, आकाश कश्यप आदि लोग मौजूद रहे।

- रात को गोरी सहाय मंदिर में कीर्तन का आयोजन

नंदी पर सवार शिव-पार्वती के प्रतिरूप।

स्टेट ब्रीफ

बिना फार्मर रजिस्ट्री बीमित नहीं होंगी गैरऋणी फसलें

अमृत विचार, लखनऊ : अब बिना फार्मर रजिस्ट्री के गैरऋणी किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ नहीं मिलेगा। किसानों को फसलों का स्वयं से बीमा कराने के लिए पहले फार्मर रजिस्ट्री कराना होगा। तभी फसलें बीमित की जाएंगी। केंद्र ने गैरऋणी किसानों के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की गाइडलाइन में बदलाव किया है। नई व्यवस्था में फार्मर रजिस्ट्री कराये किसान ही जनसेवा केंद्र या स्वयं से फसलों का बीमा करा पाएंगे। सरकार ने पारदर्शिता के लिए यह व्यवस्था की है। इससे फर्जीवाड़ा या फिर दोहरा लाभ नहीं उठा पाएंगे। खरीफ फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। सरकार ने केसीसी धारकों की प्रक्रिया में बदलाव नहीं किया है। जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने बताया कि जिन किसानों की फार्मर रजिस्ट्री नहीं है, वे जल्द कराकर फसलों का बीमा कराएं।

प्रदेश में बंद हो स्कूलों का विलय : अजय राय

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने उच्च न्यायालय के सीतापुर में स्कूलों के विलय पर रोक का स्वागत करते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में स्कूलों का विलय बंद किया जाए। ऐसा न होने पर कांग्रेस संघर्ष तेज करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार शिक्षा में निजीकरण को बढ़ाने के लिए सरकारी विद्यालयों को बंद करने का षड्यंत्र रच रही है, जबकि कांग्रेस प्रदेश में 27 हजार प्राथमिक विद्यालयों के विलय के कुत्सित प्रयास के खिलाफ संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि निशुल्क शिक्षा सभी का अधिकार है। उच्च न्यायालय के आदेश से गरीब व वंचित वर्ग के बच्चों को समुचित शिक्षा मिल सकेगी।

ऊर्जा मंत्री के बयान पर उठाए सवाल

अमृत विचार, लखनऊ : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उप्र. ने ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के बयान पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब मंत्री बिजली विभाग को 'जनसेवा' बता रहे हैं, तो ऊर्जा निगमों का निजीकरण आखिर क्यों किया जा रहा है। इस बीच, उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने भी इसी बयान पर ऊर्जा मंत्री से सवाल किए। बीते दिन बिजली आपूर्ति की समीक्षा बैठक में ऊर्जा मंत्री ने विभाग के शीर्ष अधिकारियों को खूब खरी-खोटी सुनाई थी। उनका कहना था कि विभाग 'बनिया' की दुकान नहीं है। उन्होंने बकाया होने पर पूरे गांव की बिजली काटने पर नाराजगी जताई थी।

नई बिजली दरों पर बैठक आज : प्रदेश में नई बिजली दरों के निर्धारण को लेकर राज्य विद्युत नियामक आयोग की राज्य सलाहकार समिति की बैठक 25 जुलाई को होगी। बैठक में नई बिजली दरों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

चार देशों में पांच कंपनियां खोलीं, मिले 11 बैंक खाते

गाजियाबाद के कविनगर में एक मकान में फर्जी दूतावास संचालन का मामला, दस्तावेजों की जांच में कई राज सामने आए

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गाजियाबाद

- हर्षवर्धन जैन के यूके में दो, यूएई मॉरिशस व कैमरून में है एक-एक कंपनी
- चंद्रास्वामी ने लंदन में कराई थी आर्म्स डीलर अदनान खशोगी और एहसान अली से मुलाकात

अमृत विचार : गाजियाबाद के कविनगर में घर के अंदर फर्जी दूतावास चलाने के आरोपी हर्षवर्धन जैन को मंगलवार देर रात को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया था। आरोपी के पास से मिले दस्तावेजों की जांच की गई तो कई राज सामने आये। हर्षवर्धन चर्चित चंद्रास्वामी का काफी करीबी था। चंद्रास्वामी ने हर्षवर्धन की सउदी निवासी आर्म्स डीलर अदनान खशोगी और एहसान अली सैयद से लंदन में मुलाकात कराई थी। हर्षवर्धन के नाम से यूके में दो, यूएई, मॉरिशस और कैमरून में है एक-एक कंपनी हैं। जांच में दुबई (यूएई) में 6, मारिशस में 1, यूके में 3 तथा भारत में 1 बैंक खाते की जानकारी मिली है। एसटीएफ बैंकों में हुए लेन-देन के बारे में जानकारी हासिल करने में जुटी है।

एसटीएफ के अधिकारी के मुताबिक जांच में सामने आया कि हर्षवर्धन जैन ने एहसान अली सैयद के साथ मिलकर विदेशों में कई कंपनियों का रजिस्ट्रेशन कराया है। इसमें यूके में स्टेट ट्रेडिंग कारपोरेशन लि., ईस्ट इंडिया कंपनी यूके लि., यूएई में आईसलैंड जनरल ट्रेडिंग कोआपरेशन लि., मारिशस में इंदिरा ओवरसीज लि.अफ्रीका के कैमरून में कैमरून इस्पात एसएआरएल शामिल हैं। जांच में सामने आया कि एहसान अली सैयद हैदराबाद का रहने वाला है। उसने तर्किश की नागरिकता ले ली है। चंद्रास्वामी ने हर्षवर्धन को इसी के पास लंदन में भेजा था। हर्षवर्धन के साथ मिलकर कई शेल कंपनी बनाई। इसी तरीके से बड़ी कमाई की थी।

गाजियाबाद में इसी मकान से आरोपी हर्षवर्धन चलाता था फर्जी दूतावास। ● अमृत विचार

अहसान और हर्षवर्धन ने दलाली से बनाए थे 3 अरब रुपये

जांच में सामने आया कि अहसान की स्विट्जरलैंड और बहरीन बेस्ड कंपनी वेस्टर्न एडवाइजरी ग्रुप थी। अहसान और हर्षवर्धन ने स्विस बेस्ड कई कंपनियों को वर्ष 2008 से 2011 के बीच में करीब 70 मिलियन पाउंड (भारतीय मुद्रा में आठ अरब, 19 करोड़, 37 लाख 31 हजार रुपये) लोन दिलाया था। इसके बदले में उसने 25 मिलियन पाउंड (2 अरब 92 करोड़ 64 लाख 60 हजार रुपये) दलाली ली थी। इसके बाद वहां से भाग गया। 22 नवंबर 2022 को स्विस सरकार की सिफारिश पर लंदन पुलिस ने हर्षवर्धन को गिरफ्तार किया था। जुलाई 2023 में वेस्ट मिनिस्टर कोर्ट लंदन ने जालसाजी करने के मामले में स्विट्जरलैंड को प्रत्यर्पण की मंजूरी दे दी है। जांच में सामने आया कि ज्यूरिच कोर्ट ने 16 कंपनियों को लोन दिलाने के नाम पर दलाली के रुपये लेकर ठगी करने और भाग जाने के मामले में अहसान को साढ़े छह साल की सजा सुनाई है। एहसान अली के साथ हर्षवर्धन की भी भूमिका की जांच की जा रही है। एसटीएफ को हर्षवर्धन के दो पैन कार्ड की भी जानकारी मिली हे। जिनके आधार पर उसने कई बैंकों में खाते खोले हैं। उसके भारत समेत चार देशों में खोले गये बैंक खातों में हुए लेनदेन की डिटेल जुटाई जा रही है।

वेस्ट आर्कटिका, सबोरगा, पॉल्विया और लोडोनिया से जुड़े तार

एसटीएफ नोएडा के इंस्पेक्टर सचिन कुमार के मुताबिक गिरफ्तार किए गए हर्षवर्धन जैन कई देशों का काउंसिल एंबेस्डर बताता है। इसके तार खुद को देश घोषित करने वाले वेस्ट आर्कटिका, सबोरगा, पॉल्विया और लोडोनिया से जुड़े हैं। वह चार लग्जरी गाड़ियों पर राजनयिक नंबर प्लेट लगाकर चलता था। कविनगर में संचालित दूतावास का कोई पंजीकरण नहीं मिला। विदेशी कंपनियों में नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने की भी शिकायतें की हैं।

लंदन से किया एमबीए, सैटेलाइट फोन का करता था प्रयोग

एसटीएफ टीम के मुताबिक, हर्षवर्धन जैन ने गाजियाबाद से बीबीए और लंदन से एमबीए किया। इसके पिता जेडी जैन प्रतिष्ठित उद्योगपति रहे हैं। गाजियाबाद में इनकी जैन रोलिंग मिल और राजस्थान के बांसवाड़ा और काकरोली में इंदिरा मार्बल्स व जेडी मार्बल्स नाम से खदानें थीं। जहां आरोपी हर्षवर्धन ने भी काम किया था। खदानों से मार्बल लंदन भी भेजा जाता था। हर्षवर्धन लंदन में मार्बल एक्सपोर्ट का काम देखता था। एसटीएफ के मुताबिक वर्ष 2011 में हर्षवर्धन साउथ अफ्रीका में कारोबार करता था। इस दौरान अवैध तरीके से वह साउथ अफ्रीका से गाजियाबाद में सेटेलाइट फोन ले आया। कुछ दिन उसने सेटेलाइट फोन को ऑन किया तो केंद्रीय एजेंसी ने लोकेशन ट्रेस कर ली। एसटीएफ हर्षवर्धन को गिरफ्तार कर पूछताछ के लिए दिल्ली ले गई। जांच में देशविरोधी गतिविधियां न मिलने पर उसे छोड़ दिया गया।

कब्जा मुक्त कराए जमीनः मुख्यमंत्री

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी है कि गरीबों की जमीन पर यदि किसी ने कब्जा किया है तो तत्काल कब्जा मुक्त कराने के साथ दबंगों को सबक सिखाया जाए। इलाज को लेकर आए लोगों को आश्वासन दिया कि पैसे की कमी से किसी का भी इलाज नहीं रुकेगा।

- जनता दर्शन में सुनीं 200 लोगों की समस्याएं

योगी ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में आए करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनते हुए कहा कि जमीन का मामला यदि किसी परिवार का हो तो दोनों पक्षों के बीच संवाद कर उसका निस्तारण कराएं। हर पीड़ित को हक दिलाया जाए। मुख्यमंत्री ने प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

आपदा राहत निधि से बना सकते हैं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सड़क

- मुख्यमंत्री का अहम फैसला जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों पर तेजी से सड़क बनाने के निर्देश
- योगी ने नगरीय क्षेत्र की सड़कों का विकास सीएम ग्रिड से करने के दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एक अहम फैसला लेते हुए निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आपदा राहत निधि से भी सड़क बना सकते हैं। इसी के साथ उन्होंने नगरीय क्षेत्र की सड़कों का विकास सीएम ग्रिड से करने के निर्देश दिए।

गोरखपुर के एनेक्सी भवन सभागार में बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने सबसे पहले गोरखपुर-बस्ती मंडल के सभी विधानसभा क्षेत्रों में आगामी सड़क निर्माण परियोजनाओं और प्रस्तावों का डिजिटल प्रेजेंटेशन देखा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से विधानसभावार उनके क्षेत्र की सड़क आवश्यकताओं को लेकर चर्चा की। कुछ जनप्रतिनिधियों ने बाढ़ के समय कुछ सड़कों के क्षतिग्रस्त होने का मुद्दा उठाया। इस पर योगी ने लोक निर्माण विभाग के अफसरों से कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने इसके लिए जरूरत पड़ने पर आपदा राहत निधि का भी इस्तेमाल करने के निर्देश दिए। जनप्रतिनिधियों से अपेक्षा की कि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान और क्षेत्रीय जन आकांक्षा के अनुरूप नई सड़क परियोजनाओं का प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराएं। उन्होंने अफसरों को हिदायत दी कि जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों पर तेजी से सड़क बनाएं, इसके कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। योगी ने इस दौरान सड़क निर्माण परियोजनाओं को तय समय सीमा में पूरा करने और गुणवत्ता में कोई भी समझौता न करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी ने सड़क कनेक्टिविटी को लगातार सुदृढ़ करने पर जोर देते हुए कहा कि सड़कों को लेकर जनप्रतिनिधियों से मिले प्रस्तावों को लोक निर्माण विभाग गंभीरता से लें। जनप्रतिनिधि जिन सड़कों को प्राथमिकता दें, सबसे पहले उनका एस्टीमेट बनाएं और शिलान्यास कराकर निर्माण कार्य शुरू हो। उन सड़कों को सबसे पहले प्राथमिकता दी जाए, जो बड़ी आबादी को लाभान्वित करने वाले हों।

बैठक में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, राज्य मंत्री विजयलक्ष्मी गौतम, लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव अजय चौहान, पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम समेत सांसद-विधायक आदि जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

धर्मस्थलों को रोड कनेक्टिविटी से जोड़ें

मुख्यमंत्री ने कहा कि जितने भी मंदिरों, धार्मिक स्थलों का पर्यटन विकास हुआ है और हो रहा है, उन्हें प्रमुख मार्गों से जोड़ने के लिए लोक निर्माण विभाग तत्परता से कार्य करें। इसके लिए कोई जनप्रतिनिधि प्रस्ताव दे तो उसका एस्टीमेट शीघ्रता से बनाकर कार्य शुरू कराया जाए।

विकास के ब्रांड एंबेसडर हैं जनप्रतिनिधि

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्र में होने वाले विकास के ब्रांड एंबेसडर हैं। इनकी जिम्मेदारी है कि वे जनता के बीच रहकर विकास कार्यों की चर्चा करें, विकास को लेकर उनकी और आकांक्षाओं को जाने तथा उसके अनुरूप प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराएं। जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र में संचालित विकास परियोजनाओं का निरीक्षण करते रहें।

दंगा और गुंडामुक्त यूपी बना उत्सव प्रदेश : योगी

गोरखपुर के पीएसी परिसर में 11 मंजिला बैरक टॉवर और हॉस्पिटल का किया लोकार्पण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जो उत्तर प्रदेश आठ वर्ष पहले तक दंगा प्रदेश के रूप में बदनाम था, गुंडों-माफिया से तबाह था, वही आज कानून व्यवस्था का मानक पेश कर रहा है। दंगामुक्त और गुंडामुक्त उत्तर प्रदेश आज अनुशासित और उत्सव प्रदेश की पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है।

योगी गुरुवार को 26वीं वाहिनी पीएसी परिसर में 11 मंजिला बैरक टॉवर और 30 बेड के हॉस्पिटल के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज कोई भी बाहरी व्यक्ति कानून व्यवस्था के मामले में यूपी पर हंस नहीं सकता, न ही अंगुली नहीं उठा सकता है। यूपी का नौजवान आज कहीं भी जाता है तो सम्मान पाता है जबकि आठ वर्ष पहले यहां के नौजवान को यूपी के नाम पर एक कमरा तक नहीं मिलता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आठ साल पहले यहां शांति की कल्पना तक नहीं की जा सकती थी, यह सपना था। तब पुलिस के लाखों पद खाली थे लेकिन नियत सही न होने से तत्कालीन सरकारें पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाती थीं।

गोरखपुर के 26वीं वाहिनी पीएसी परिसर में लगाई गई प्रदर्शनी देखते मुख्यमंत्री योगी। ● अमृत विचार

मुख्यमंत्री ने लोकनायक की प्रतिमा का किया अनावरण

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को गोरखपुर के असुरन चौराहे के सुंदरीकरण कार्य का लोकार्पण व लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा का अनावरण करते हुए कहा कि कांग्रेस के तानाशाही के कारण जब एक बार लगा था कि भारत का लोकतंत्र दम तोड़ देगा, तब लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने उसे पुनर्जीवित करके नया जीवन दिया। योगी ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी जयप्रकाश नारायण ने अपना जीवन भारत-भारतीयता और जीवन मूल्यों के लिए आगे बढ़ाया था, जिस पर भारत की मजबूत नींव टिकी हुई है।

विधानसभा के शीतकालीन सत्र में कई विधायी कार्यों को निपटाने की तैयारी

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. विधानसभा के शीतकालीन सत्र की तैयारियां तेज हैं। कई विधायी कार्यों को निपटाने की कार्यसूची लगभग तय है। इन कार्यों को निपटाने के लिए तारीखें व संबधित एजेंडे को कार्यमंत्रणा समिति में रखकर अंतिम फैसला लिया जाएगा। दरअसल, व्यवस्था यह है कि विधान सभा सत्र के लिए नियत तिथि की सूचना सदस्यों को आमतौर पर सात दिन पहले प्रमुख सचिव, विधान सभा स्तर से दी जाएगी। इस शीतकालीन सत्र में कई विधायी कार्य निपटाए जाएंगे वहीं, सत्र के दौरान राज्य सरकार कई अध्यादेशों को भी मंजूरी के लिए सदन में पेश कर सकती है। वहीं दूसरी ओर कैबिनेट ने विधानमंडल में सीएजी की रिपोर्ट पेश करने के लिए राज्यपाल की अनुमति लेने का वित्त विभाग का प्रस्ताव भी स्वीकृत किया है। मानसून सत्र में सीएजी की रिपोर्ट भी सदन के पटल पर रखा जाना संभव है। मौजूदा विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के रहते विधानभवन ही नहीं सदन की कार्यवाहियों में भी बदलावों का दौर है। इस शीतकालीन सत्र में भी विधानभवन की व्यवस्था और अंदरूनी साजसज्जा में और आकर्षक परिवर्तन दिखेंगे। इस बार सदस्यों को आर्टिफिशियल इंटीलिजेंस की भी ट्रेनिंग दिए जाने की तैयारी है।

पंचायत चुनाव : मत पत्रों के मुद्रण के लिए निविदा जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव तय समय पर होंगे। राज्य निर्वाचन आयोग पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत पंचायत चुनाव की तैयारी में लगा है। केवल विवादित क्षेत्रों में चुनाव टाले जाने की आशंका है। इस बीच, आयोग ने मत पत्रों के मुद्रण के लिए निविदा भी जारी कर दी है।

प्रदेश में पंचायत चुनाव प्रक्रिया टलने की आशंका नगर विकास विभाग की ओर से पंचायतीराज विभाग को लिखे गये पत्र से पैदा हुई, जिसमें नगर विकास विभाग ने पंचायतीराज विभाग से पंचायत चुनाव सम्पन्न होने तक नये नगरीय निकायों के सृजन व सीमा विस्तार पर लगी रोक हटाने का अनुरोध किया है। साथ ही, पंचायतीराज विभाग की ओर से 21 मई को जारी शासनादेश को निरस्त किये जाने का अनुरोध किया है। वर्तमान में 18 जुलाई से पंचायत चुनाव के लिए ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत व जिला पंचायत के वार्डों के पुनर्गठन की प्रक्रिया चल रही है। 10 अगस्त को वार्डों की अंतिम सूची जारी करने की तैयारी है। आयोग के सूत्रों का कहना है कि आयोग निर्धारित समय के अनुसार चुनाव कराने की तैयारी कर रहा है। मतदाता पुनरीक्षण का कार्य चल रहा है। मत पत्रों के मुद्रण की भी तैयारी शुरू कर दी गई है।

भ्रष्टाचार के आरोप में कानपुर के एसीएमओ समेत तीन डॉक्टर निलंबित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- डफरिन अस्पताल की सीएमएस समेत कई पर विभागीय कार्रवाई शुरू
- ब्रजेश पाठक के निर्देश पर प्रमुख सचिव ने शुरू की कार्रवाई

> एसीएमओ, कानपुर नगर द्वारा चीफ फार्मासिस्ट एवं वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी के साथ मिलकर वित्तीय अनियमितता किए जाने संबंधी प्रकरण में एसीएमओ को निलंबित करते हुए विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की गई है। चीफ फार्मासिस्ट एवं वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी के विरुद्ध भी विभागीय कार्रवाई की जाएगी। -ब्रजेश पाठक, उप मुख्यमंत्री

अमृत विचार : स्वास्थ्य विभाग में लग रहे आरोपों व शिकायतों के बाद राज्य सरकार ने कठोर कार्रवाई की है। भ्रष्टाचार के आरोप में कानपुर नगर के अपर मुख्य चिकित्साधिकारी (एसीएमओ) समेत एटा के दो चिकित्सकों को निलंबित कर दिया गया है।

इसके अलावा राजधानी लखनऊ में वीरांगना अवंती बाई महिला अस्पताल की प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ.रेनू पंत को आरोप पत्र देते हुए, कानपुर नगर के चीफ फार्मासिस्ट व बांदा व हमीरपुर के एक-एक डॉक्टर के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गयी है। उप्र मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव ने डॉक्टर व अन्य के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रमुख सचिव ने बताया कि कानपुर नगर में एसीएमओ के पद पर रहते हुए डॉ.सुबोध प्रकाश यादव ने अपने पद का दुरुपयोग किया है। नवम्बर 2024 में डॉ. सुबोध ने चीफ फार्मासिस्ट अवनीश कुमार शुक्ला, डॉ. वन्दन सिंह, वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी के साथ मिलकर सप्लायरों से साठगांठ कर वित्तीय अनियमितता बरती हैं।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में जांच के दौरान सीबीआई ने नियम विरुद्ध तरीके से 1.60 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान करने का कुचक्र रचने की पुष्टि की। जांच के बाद उप मुख्यमंत्री ने डॉ. सुबोध प्रकाश यादव को निलम्बित करने के आदेश दिए।

उप मुख्यमंत्री से जनता दर्शन में लोगों ने की थीं शिकायतें, जांच में आरोप सही मिले

उपमुख्यमंत्री से जनता दर्शन में लोगों ने वीरागना अवन्ती महिला चिकित्सालय (डफरिन) के खिलाफ शिकायतें की थीं। उप मुख्यमंत्री ने लखनऊ में मण्डलीय अपर निदेशक से अस्पताल का अचानक निरीक्षण कराकर जांच करायी। प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रेनू पंत को आरोप पत्र देकर विभागीय कार्रवाई किये जाने के निर्देश प्रमुख सचिव को दिये गये हैं। इसके अलावा पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि बदायूं जिला चिकित्सालय में तैनात डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। हमीरपुर जिला चिकित्सालय में नेत्र सर्जन डॉ. अनिल कुमार सिंह को कर्तव्यों एवं दायित्वों के प्रति उदासीनता बरतने के आरोपों का स्पष्टीकरण न देने पर विभागीय कार्रवाई संस्तुति की गयी है। इसके अलावा सीतापुर में फर्श पर प्रसूता व नवजात शिशु के लेटे जाने का वायरल वीडियो को लेकर उप मुख्यमंत्री ने जिम्मेदारों पर कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

मेडिकल परीक्षण में पास करने के लिए ली थी घूस, किए गए निलंबित

प्रमुख सचिव ने बताया कि मथुरा में उप्र पुलिस आरक्षी भर्ती प्रकिया में गठित मेडिकल पैनल के डॉक्टर सदस्यों पर मेडिकल परीक्षण पास कराने के नाम पर अभ्यर्थियों से धन वसूली करने के आरोप लगे थे। प्रथमदृष्टया जांच में जिला चिकित्सालय में तैनात आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. हरि नारायण प्रभाकर व जिला चिकित्सालय एटा में तैनात डॉ. राहुल वार्षणेव को निलम्बित करने के साथ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

नई प्रणाली | योजना के क्रियान्वयन से संबंधित किसी राजपत्रित अधिकारी को अधिकृत करने की हुई व्यवस्था

राष्ट्रीय योजनाओं में नौकरशाहों के लिए बदला गया मानक

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

- सभी बिलों की स्वीकृति व प्रतिहस्ताक्षर में आ रही थी व्यावहारिक कठिनाई

अमृत विचार : केंद्रीय योजना में भारत सरकार की ओर विभागीय प्रमुख को बिल प्रस्तुत करने बाद ही धनावंटन की अनिवार्यता संबंधी आदेश को नौकरशाहों ने अपने लिए खास इंतजाम कर लिया है। प्रमुख सचिव व सचिवों को सभी बिलों की स्वीकृति व प्रतिहस्ताक्षर में व्यावहारिक कठिनाई का हवाला देते हुए वित्त विभाग ने 10 जुलाई को जारी शासनादेश में संशोधन करते हुए इस तरह की सभी योजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित किसी राजपत्रित अधिकारी को अधिकृत करने की व्यवस्था दे दी है।

दरअसल भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने सभी राज्यों को निर्देश दिए हैं कि केंद्र प्रायोजित योजनाओं में बजट आवंटन और भुगतान को लेकर एसएनए-एसपीएआरएसएच (स्पर्श) प्रणाली पूरी तरह लागू होगी। इसके लिए संबंधित विभाग अपने स्तर पर सुनिश्चित करेंगे कि लाभार्थी या वेंडर को परियोजनाओं की गाइडलाइन के अनुसार अनुमन्यता व देयता होने पर ही भुगतान किया जा रहा है। नई प्रणाली से योजनाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की गई है। इसे लेकर यहां 30 जून को कार्यशाला में भारत सरकार के अधिकारियों ने बजट आवंटन की इस नई व्यवस्था के बारे में विभागीय अधिकारियों को प्रशिक्षित भी किया। साथ ही, केंद्र की 67 योजनाओं नई व्यवस्था लागू की अनिवार्यता को लेकर 10 जुलाई को वित्त विभाग के सचिव मिनिस्ती एस ने सरकार की ओर सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव समेत विभागाध्यक्ष व प्रमुख कार्यालयाध्यक्षों को इसे लागू करने का शासनादेश जारी किया।

सूत्रों कहना है कि वरिष्ठ नौकरशाहों (प्रमुख सचिव और सचिव) की ओर से इसे लेकर आपत्ति जताई गई। दरअसल, जिन योजनाओं में उनकी भूमिका प्रमुख की है, वहां बिल पर हस्ताक्षर और प्रतिहस्ताक्षर में तमाम व्यावहारिक कठिनाई गिनाई गईं। इसके बाद सरकार को शासनादेश का संशोधन करना पड़ा है।

सचिव मिनिस्ती एस की ओर से जारी नए शासनादेश में कहा गया है कि जिनके एसएनए शासन में तैनात प्रमुख सचिव व सचिव हैं, ऐसे मामलों में, बिल प्रस्तुतीकरण हेतु प्रत्येक बिल के लिए एसएनए द्वारा भुगतान स्वीकृति आदेश निर्गत करने और प्रत्येक बिल को प्रतिहस्ताक्षर करने में व्यवहारिक कठिनाइयां स्वाभाविक हैं। इसे संशोधित करते हुए नए आदेश में कहा गया है कि इन बिलों पर प्रतिहस्ताक्षर करने और समेकित धनराशि के भुगतान के स्वीकृति आदेश पर हस्ताक्षर करने हेतु योजना के क्रियान्वयन से संबंधित किसी राजपत्रित अधिकारी को अधिकृत किया जा सकता है। इसके लिए संबंधित प्रमुख सचिव और सचिव को सुस्पष्ट आदेश निर्गत किया जाएगा। जिसका पृष्ठांकन महालेखाकार, उत्तर प्रदेश एवं मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, साईबर ट्रेजरी और भारत सरकार के संबंधित मंत्रालय के प्रोग्राम डिवीजन को किया जाएगा।

किसानों में बढ़ा तिलहन का क्रेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- धान और मक्के का रकबा भी बढ़ा, कपास में भी जगी आस

अमृत विचार : तिलहन और दलहन के उत्पादन में यूपी को आत्मनिर्भर बनाने के लिए योगी सरकार लगातार प्रोत्साहन दे रही है। धान और मक्के का रकबा भी बढ़ा है, साथ ही कपास में भी आस जगी है।

कृषि विभाग से मिले आंकड़ों के मुताबिक, खरीफ के मौजूदा सीजन में 21 जुलाई तक तिलहन की सभी प्रमुख फसलों तिल, मूंगफली और सोयाबीन की बुवाई का रकबा पिछले सीजन की तुलना में करीब सवा गुना तक बढ़ा है। वर्ष 2024 में इन फसलों की बुवाई का कुल रकबा 432.250 हजार हेक्टेयर था, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 547.144 हजार हेक्टेयर हो गया। इसमें तिल के रकबे में तो डेढ़ गुने से अधिक की वृद्धि हुई है। पिछले साल तिल का रकबा 180.26 हजार हेक्टेयर था, जो मौजूदा वर्ष में बढ़कर 303 हजार हेक्टेयर हो गया। रकबे की यह बढ़त खुद में अभूतपूर्व है।

इसी तरह इस सीजन की तिलहन की अन्य दो फसलों मूंगफली एवं सोयाबीन के बुवाई के रकबे में भी वृद्धि हुई है। इसी समयावधि में सोयाबीन का रकबा 34.12 हजार हेक्टेयर से बढ़कर 40 हजार हेक्टेयर हो गया। मूंगफली का रकबा भी 204 हजार हेक्टेयर से बढ़कर 218 हजार हेक्टेयर तक पहुंच गया। अरहर की बुवाई का रकबा 184 हजार हेक्टेयर से 273 हजार हेक्टेयर तक पहुंच गया है। मूंग भी 30 से बढ़कर 32 हजार हेक्टेयर तक पहुंच गई है। उर्द में पीछे है। खरीफ की बाकी मुख्य फसलों धान एवं मक्के की बुवाई का रकबा भी बढ़ा है। धान का रकबा 4193 हजार हेक्टेयर से बढ़कर 5546 और मक्के का रकबा 636 हजार हेक्टेयर से बढ़कर 701 हजार हेक्टेयर तक पहुंच गया है। कपास के प्रति भी उत्तर प्रदेश के किसानों की रुचि बढ़ी है। इसका रकबा सात हजार हेक्टेयर से 18 हजार तक पहुंच गया है।

अमृत विचार
शुक्रवार, 25 जुलाई 2025

"संगति आप को ऊंचा उठा भी सकती है और यह आप की ऊंचाई से गिरा भी सकती है। इसलिए संगति अच्छे लोगों से करें।"

अहम कूटनीतिक दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मालदीव यात्रा अहम कूटनीतिक दौरा होने के साथ हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक उपस्थिति को मजबूत बनाने की दिशा में सशक्त कदम है। पड़ोसी देश मालदीव और भारत की दोस्ती दक्षिण एशिया की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारियों में गिनी जाती रही है। लेकिन बीते दो वर्षों में मालदीव के साथ भारत के रिश्तों में खटास आ गई थी। मालदीव का चीन की तरफ झुकाव काफी बढ़ गया था। ऐसे में बिगड़े रिश्तों के बीच प्रधानमंत्री मोदी का मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस पर बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करना बाजी पलटने वाला मिशन साबित हो सकता है। दरअसल, साल 2023 में 'इंडिया आउट' अभियान चलाकर मालदीव के राष्ट्रपति बनने के बाद वहां मौजूद भारतीय सैनिकों को देश छोड़ने का आदेश देने और चीन का गुणगान गाने वाले मोहम्मद मुइज्जू अगर अब प्रधानमंत्री मोदी का गर्मजोशी से स्वागत करने को आतुर हैं, तो इसे हाल में पाकिस्तान को परास्त करने वाले ऑपरेशन सिंदूर के बाद कूटनीतिक मोर्चे पर भारत की बड़ी सफलता माना जा सकता है। भारत पहले ही 'पड़ोसी पहले' नीति के तहत मालदीव को विशेष प्राथमिकता देता रहा है। मालदीव के साथ भारत के संबंध न सिर्फ ऐतिहासिक है, बल्कि मौजूदा वैश्विक भू-राजनीति के संदर्भ में और भी ज्यादा प्रासंगिक हो गए हैं। हाल के वर्षों में भारत ने मालदीव में सड़कों, पुलों और आवास परियोजनाओं में बड़ा निवेश भी किया है। ऐसे में मोदी की यह यात्रा इन परियोजनाओं की प्रगति का मूल्यांकन करने के साथ नई योजनाओं की शुरुआत का बड़ा अवसर होने के साथ इस बात का स्पष्ट संदेश देगी कि भारत अपने पड़ोसियों की कभी अनदेखी नहीं करता है और उनकी प्रगति में सहभागी बनकर क्षेत्रीय स्थिरता को सुनिश्चित करता है। प्रधानमंत्री का मालदीव दौरा रक्षा सहयोग, नौसैनिक अभ्यास, समुद्री निगरानी, पर्यटन और जलवायु परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ठोस संवाद और समझौते का आधार बन सकता है। भारत पहले ही मालदीव को कोस्टल सर्विलांस रडार सिस्टम में जोड़ता रहा है, जिससे हिंद महासागर में भारत की निगरानी शक्ति सुदृढ़ होती रही है। इस सबके बीच वर्तमान वैश्विक घटनाक्रमों के चलते एशिया और अफ्रीका को जोड़ने वाले समुद्री मार्ग के मध्य में स्थित होने से मालदीव महाशक्तियों की रणनीतिक स्पर्धा के केंद्र में आ गया है। चीन की 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' रणनीति के तहत हिंद महासागर में बढ़ती उपस्थिति भारत के लिए पहले ही चुनौती बनी हुई है। ऐसे में यह जरूरी हो गया था कि मालदीव जैसे पारंपरिक मित्र के साथ विश्वास और साझेदारी को नए सिरे से परिभाषित किया जाए। मालदीव के साथ मजबूत रिश्ते भारत को श्रीलंका और अन्य छोटे द्वीपीय देशों के साथ सामरिक नेटवर्क बेहतर बनाने में भी मदद करेंगे। इन नई परिस्थितियों में मालदीव की लहरों पर भारत की नए सिरे से सवारी को एक नए युग की शुरुआत के साथ कई बड़े बदलावों और प्रभावों की नींव रखने वाला कहा जा सकता है।

प्रसंगवश

क्रिप्टो की उड़ान और भरोसे की गिरावट

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

भारत में डिजिटल वित्तीय क्रांति ने निवेश की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। क्रिप्टोकरेंसी अब सिर्फ तकनीकी नवाचार नहीं रही, यह एक जीवंत, जोखिमपूर्ण और आकर्षक निवेश का साधन बन चुकी है, जिसमें लाखों भारतीयों ने अपनी मेहनत की कमाई लगाई है। लेकिन इस तेजी से बढ़ते डिजिटल बाजार के पीछे एक सच्चाई ऐसी है, जिसे नज़रअंदाज करना अब संभव नहीं रहा-हमारी सुरक्षा व्यवस्था और कानूनी तैयारी, इस तकनीकी रफ्तार के मुकाबले पीछे छूट रही है। हाल ही में क्रिप्टो एक्सचेंज कॉइनडीसीएक्स पर हुआ साइबर हमला और उससे एक साल पहले वज़ीरएक्स पर हुआ करोड़ों डॉलर का नुकसान, इस असंतुलन के सबसे जीवंत उदाहरण हैं। 19 जुलाई 2025 को कॉइनडीसीएक्स के एक आंतरिक खाते से 368 करोड़ की डिजिटल संपत्ति चोरी हो गई। हालांकि कॉइनडीसीएक्स ने साफ़ किया कि किसी भी ग्राहक की निधि इस हमले से प्रभावित नहीं हुई है, क्योंकि सभी उपभोक्ता फंड कोल्ड वॉलेट्स में सुरक्षित रखे गए थे। यह साइबर हमला एक्सचेंज के उस वॉलेट पर हुआ, जिसका इस्तेमाल बाजार में लिक्विडिटी बनाए रखने के लिए किया जाता था। कंपनी ने चोरी की गई संपत्ति की वापसी के लिए अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय बनाकर एक संगठित प्रयास शुरू किया और साथ ही उसने $11 मिलियन तक का बाउंटी प्रोग्राम घोषित किया-एक ऐसा कदम जो दर्शाता है कि यदि निजी संस्थाएं ज़िम्मेदारी और इच्छाशक्ति से काम लें, तो संकट के समय भी जनता का भरोसा बनाए रखा जा सकता है।

कॉइनडीसीएक्स का यह सक्रिय और पारदर्शी रवैया उसकी परिपक्वता का संकेत है। लेकिन इसके साथ ही यह प्रश्न भी ज़ोर से उभरता है कि क्या सभी क्रिप्टो कंपनियां इतनी ज़िम्मेदारी निभा सकती हैं? और अगर नहीं, तो क्या हमारे पास ऐसा कोई कानूनी ढांचा मौजूद है जो निवेशकों को साइबर हमलों से सुरक्षा या हानि की भरपाई की गारंटी देता हो? इस सवाल का उत्तर हमें वज़ीरएक्स की घटना में मिलता है-एक साल पहले जुलाई 2024 में। वज़ीरएक्स पर हुए साइबर हमले में $230 मिलियन (लगभग 1,900 करोड़) की क्रिप्टो संपत्ति हैक हो गई थी। लेकिन इस हमले के बाद कंपनी की ओर से जो प्रतिक्रिया सामने आई, उसने लाखों निवेशकों को असमंजस, चिंता और असुरक्षा में धकेल दिया। सबसे पहले तो इस घटना की सूचना देने में देरी हुई, फिर उपयोगकर्ताओं के फंड लॉक कर दिए गए, और उसके बाद शुरू हुआ कानूनी दांवपेंचों का लंबा सिलसिला-वह भी भारत में नहीं, सिंगापुर की अदालतों में। इस निर्णय ने भारतीय निवेशकों को चकित कर दिया, क्योंकि उन्हें लगा कि उनका मामला अब एक ऐसे मंच पर पहुंच गया है जहां उनकी पहुंच, प्रभाव और अधिकार सीमित हैं। वज़ीरएक्स ने कहा कि वह संरचनात्मक पुनर्गठन के ज़रिए फंड लौटाने के लिए प्रतिबद्ध है, और इस योजना पर 93.1 प्रतिशत लेनदारों ने वोट भी दिया था। लेकिन अदालत ने पहले इसे नामंजूर कर दिया, और अब एक संशोधित योजना पर दोबारा वोटिंग होनी है। कंपनी का कहना है कि कुछ हफ्तों में वितरण शुरू हो जाएगा। पर जो बात साल भर बाद भी नहीं बदली, वह है भारतीय निवेशकों की अनिश्चितता। उनकी संपत्ति अब भी अटकी है, और सरकार की ओर से कोई निर्णायक हस्तक्षेप अब तक नहीं आया है। इन दोनों घटनाओं को एक साथ देखने पर भारत की क्रिप्टो दुनिया की एक विडंबनात्मक तस्वीर सामने आती है। एक ओर कॉइनडीसीएक्स जैसी कंपनी है, जो संकट के समय अपनी जवाबदेही निभाने को तैयार दिखती है, तो दूसरी ओर वज़ीरएक्स जैसे मामले हैं जहां निवेशक एक साल बाद भी अदालत के फैसलों की प्रतीक्षा कर रहे हैं। और इन दोनों के बीच जो चीज़ अनुपस्थित है, वह है सरकार की ओर से ठोस कानूनी पहल। भारत को अब यह तय करना होगा कि वह इस तेजी से बदलती डिजिटल अर्थव्यवस्था में सक्रिय भूमिका निभाना चाहता है या सिर्फ़ दर्शक बना रहना चाहता है। इसलिए अब ज़रूरत किसी आदर्शवाद की नहीं, व्यावहारिक और तत्काल कदम उठाने की है। जो देश इस क्षेत्र में भरोसे और सुरक्षा की बुनियाद तैयार करेंगे, वही डिजिटल अर्थव्यवस्था के भविष्य में नेतृत्व की भूमिका निभा सकेंगे।

संसद में न हो सड़क जैसा व्यवहार

सुनील कुमार महला
स्तंभकार

संसद के प्रति हर देशवासी अथाह सम्मान रखता है और यह उम्मीद करता है कि संसद के सत्र में चलने वाली चर्चाएं और मुद्दे सार्थक होंगे, जिससे समाज और देश आगे बढ़ सकेगा, लेकिन संसद में ठीक उलट हो रहा है।

मॉनसून नवीनता और नवसृजन का प्रतीक है और वर्तमान में संसद का मानसून सत्र चल रहा है, जो 21 जुलाई 2025 से शुरू हुआ था, लेकिन यह बहुत ही दुखद है कि लोकतंत्र का मंदिर कहलवाने वाली संसद में बेवजह बात-बात पर हंगामा खड़ा किया जा रहा है। संसद के प्रति हर देशवासी अथाह सम्मान रखता है और यह उम्मीद करता है कि संसद के सत्र में चलने वाली चर्चाएं और मुद्दे सार्थक होंगे, जिससे समाज और देश आगे बढ़ सकेगा, लेकिन संसद में ठीक उलट हो रहा है। मुख्य मुद्दे और चर्चाएं ग़ायब हैं और ऐसे मुद्दों पर परिचर्चाएं हो रहीं हैं, जिनका कोई मतलब और औचित्य नजर नहीं आता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि संसद सत्रों के दौरान अनेक बार देखा गया है कि मुद्दे से ज्यादा हंगामे को महत्व दिया जाता है और ऐसा ही कुछ संसद के मानसून सत्र के दौरान भी देखने को मिल रहा है।

लोकसभा में विपक्ष के हंगामे के कारण 23 जुलाई बुधवार को लगातार तीसरे दिन सदन की कार्यवाही नहीं चल पाई। दरअसल, विपक्षी दलों के सदस्यों ने बिहार में वोटर लिस्ट के लिए किए जा रहे 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (एसआईआर) और अन्य मुद्दों को लेकर सदन में हंगामा किया, जिसके कारण लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होने के बाद दो बार स्थगन के साथ दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

यहां जानकारी देना चाहूंगा कि बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ही निर्वाचन आयोग 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' यानी कि एसआईआर करवा रहा है। इस संबंध में आयोग का यह कहना है कि कानून व संविधान के तहत उसे यह अधिकार प्राप्त है कि वह नागरिकता से जुड़े दस्तावेज मांग सकता है, ताकि नागरिकों को उचित मताधिकार मिल सके। इधर, विपक्ष यह आरोप लगा रहा है कि आयोग से एसआईआर की आड़ में नागरिकता (सिटिजनशिप) की जांच कर रहा है।

यहां बताता चलूं कि सुप्रीम कोर्ट अपने फैसले में यह स्पष्ट कर चुका है कि मताधिकार केवल संवैधानिक अधिकार है, मौलिक अधिकार नहीं। मगर भारतीय नागरिक होने के बावजूद उसे विभिन्न शर्तें पूरी करनी होती है, और आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने होते हैं। विपक्ष का यह आरोप है कि गणना फार्म में मांगे गए दस्तावेज में आधार, मतदाता-पत्र व राशन कार्ड का न शामिल होना कहीं न कहीं संदेह पैदा करता है।

चूंकि सरकार 'आधार' को केवल पहचान-पत्र मान रही है, इसलिए यह संशय उठा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि यदि जल्द ही आयोग इसमें सुधार कर ले तो, शायद विपक्ष के इन आरोपों-प्रत्यारोपों से बचा जा सकता है। बहरहाल, जरूरत इस बात की है कि आयोग अपनी छवि, गरिमा और स्वायत्तता का ख्याल रखे।

बहरहाल, संसद के मानसून सत्र में विपक्षी दलों के हंगामे के बीच ही खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक, 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी संशोधन विधेयक 2025 सदन में पेश किए। दुःखद है कि लोकसभा में विपक्षी सांसद नारेबाजी करते हुए वेल में चले आए। इतना ही नहीं, उन्होंने काले कपड़े भी लहराए। विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया तो लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भड़क गए और उन्होंने विपक्षी सांसदों को चेतावनी देते हुए यह कहा कि 'आप सड़क का व्यवहार संसद में कर रहे हैं। ये देश देख रहा है।' उन्होंने यह भी कहा कि 'सदन में तख्तियां लेकर आने वालों पर मुझे निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ेगी।' कितनी बड़ी बात है कि लोकसभा स्पीकर के इस कथन का विपक्षी सांसदों पर कोई असर दिखाई नहीं दिया। इधर, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि- 'सरकार कहती है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' चालू है, जबकि डोनाल्ड ट्रम्प इसे बंद कराने का दावा कर चुके हैं।' हाल फिलहाल, मीडिया के हवाले से यह खबरें आईं हैं कि सरकार 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा को तैयार है और इसके लिए लोकसभा में 28 जुलाई और राज्यसभा में 29 जुलाई को चर्चा होगी।

बहरहाल, यह अच्छी बात है कि सरकार 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सार्थक चर्चा के लिए तैयार है। ऐसे में विपक्षी दलों के नेताओं का भी यह कर्तव्य व जिम्मेदारी बनती है कि वे सार्थक, संयमित चर्चा को अंजाम दें। आज देश में अनेक मुद्दे मौजूद हैं, जिन पर संसद में सार्थक चर्चाएं होनी चाहिए, व उन मुद्दों के समाधान के लिए यथेष्ठ प्रयासों को बल मिलना चाहिए, लेकिन दुःख इस बात है कि ऐसा होता नहीं है और हर बार सत्र हंगामे की भेंट चढ़ जाते हैं, वास्तव में संसद सही ढंग से चलनी चाहिए, ताकि हम हमारे देश को प्रगति व उन्नयन के पथ की ओर अग्रसर कर सकें। पक्ष-विपक्ष दोनों को ही यह चाहिए कि दोनों ही पूरी गंभीरता व संवेदनशीलता से देश व समाज के विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए माहौल बनाने के लिए आगे आएं। यहां पाठकों को बताता चलूं कि संसद के सत्र के संबंध में हमारे देश के संविधान के अनुच्छेद 85 में प्रावधान किया गया है और संसद के किसी सत्र को बुलाने की शक्ति सरकार के पास है। इस पर निर्णय संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति द्वारा लिया जाता है जिसे राष्ट्रपति द्वारा औपचारिक रूप दिया जाता है। संसद चलती है तो बहुत पैसा खर्च होता है, चर्चाएं मुद्दों पर होनी चाहिए, अनर्गल, असार्थक बहस का कोई औचित्य नहीं होता। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को यह चाहिए कि वे लोकतंत्र के पावन व पवित्र मंदिर में अपने आचरण और व्यवहार पर ध्यान दें। सच तो यह है कि संसद हो या व्यावहारिक जीवन, हर कहीं पर अनुशासन और शिष्टाचार बहुत ही जरूरी और आवश्यक है।

आमने

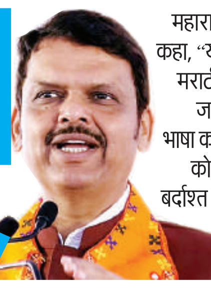

महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, "यह स्वाभाविक है कि महाराष्ट्र में मराठी भाषा बोलने का अनुरोध किया जाएगा। यह गलत नहीं है। लेकिन भाषा को लेकर कोई भी विवाद या भाषा को लेकर किसी के साथ दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जब भी ऐसी कोई घटना हुई है, हमने सख्त कार्रवाई की है।

सामने

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, "हम सभी अपनी मातृभाषा बोलते हैं। बच्चे सबसे पहले अपनी मातृभाषा में "मां" बोलते हैं। हालांकि, बंगाली भाषा को लेकर भाषा युद्ध की घोषणा कर दी गई है। एक और भाषा आंदोलन से सभी में जागरूकता बढ़नी चाहिए। कई जगहों पर बंगाली बोलने पर लोगों को प्रताड़ित किया जाता है। सिर्फ़ बंगाली बोलने पर लोगों को हिरासत में नहीं लिया जा सकता।

विभाजनकारी राजनीति की फसल का सीजन

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

भयग्रस्त पानवाला यह सवाल नहीं पूछ सकता। उसे सबसे पहले किसी तरह अपनी जान बचानी है। वह जानता है कि सामने वृहन्नमुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के चुनाव हैं जिसमें मराठी मानुष की अस्मिता को सबसे बड़ा मुद्दा बनाया जा रहा है।

कल्पना कीजिए मुंबई में यूपी के जौनपुर से गया एक आदमी अपनी पान की दुकान पर बैठा है। शिवसेना के उद्धव और राज ठाकरे गुटों के कार्यकर्ता आते हैं। उससे दुकान में रखे सभी सामानों के नाम मराठी में बताने के लिए कहते हैं। उसे सिर्फ भोजपुरी और हिंदी आती है। वे उसे पीटने लगते हैं। पानवाला चिल्लाता है, मराठी नहीं आती तो क्या हुआ हिंदू तो हूं, तुम लोग एक हिंदू को क्यों मार रहे हो? क्या कार्यकर्ता रूक जाएंगे और एक जागरूक हिंदी-हिंदू पानवाले को 'मार दिया जाए या छोड़ दिया जाए' का फैसला करने के लिए अपनी पार्टियों के नेताओं के पास लौट जाएंगे?

भयग्रस्त पानवाला यह सवाल नहीं पूछ सकता। उसे सबसे पहले किसी तरह अपनी जान बचानी है। वह जानता है कि सामने वृहन्नमुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के चुनाव हैं जिसमें मराठी मानुष की अस्मिता को सबसे बड़ा मुद्दा बनाया जा रहा है। लेकिन सत्ताधारी भाजपा चाहती है कि पानवाला यह सवाल पूछे इसीलिए महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नितेश राने ने बयान दिया है कि दोनों प्रकार की शिवसेना और कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी पार्टियां क्यों नहीं मस्जिदों से मराठी में अजान देने और मदरसों में पढ़ाई का माध्यम उर्दू के बजाय मराठी करने की मांग कर रही हैं? यह विभाजन की राजनीति में तू डाल-डाल तो मैं पात-पात की स्थिति है। घृणा का निशाना हिंदी से हटाकर अजान पर कर देने से भाषा और मराठी अस्मिता का मुद्दा पीछे जाएगा और हर किस्म का हिंदू खुश होगा, उसके वोटबैंक को बंटने से रोकने वाला एक पक्का धार्मिक बाड़ा बनेगा।

जब तक उद्धव और राज ठाकरे इस चाल की कोई काट सोच रहे हैं आप एक और कल्पना कीजिए। सभी लोग अपने मोबाइल फोनों के जरिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स (एआई) का इस्तेमाल करने अभ्यस्त हो गए हैं। एक बहुत सस्ती चिप बाजार में आ गई है जिसे लोग अपने दिमागों में फिट कराकर दुनिया की कोई भी भाषा समझने और बोलने लगे हैं। हर तरह का व्यापार, पर्यटन, शिक्षा और सबसे बढ़कर प्रवासी मजदूरों की जिंदगी बहुत आसान हो गई है। मुंबई की एक मस्जिद में अजान देने की तैयारी कर रहे एक मुल्ला के पास भाजपा और एकनाथ शिंदे समेत शिवसेना के तीनों धड़ों के कार्यकर्ता जाते हैं और उससे मराठी में अजान देने के लिए कहते हैं। वह अपने फोन पर उंगलियां चलाता है और अरबी के बजाय मराठी में अजान देने लगता है। वह अजान के बाद पूछता है, अगर दुनिया की किसी और भाषा चाइनीज या रूसी या फ्रेंच में अजान देने की जरूरत हो तो बताएं, वह फौरन दे सकता है क्योंकि उसके सॉफ्टवेयर में तीन सौ पैंसठ भाषाओं का विकल्प है।

क्या लगता है, अजान देने वाला अपनी धार्मिक पहचान या अस्मिता से जुदा होने के लिए राजी हो जाएगा? अगर संकट की स्थिति में, जान बचाने के लिए कुछ देर के लिए हो भी जाए तो क्या हिंदुत्ववादी पार्टियों के कार्यकर्ताओं के चेहरों पर हवाईयां उड़ने लगेंगी? वे निरूत्तर हो जाएंगे? क्या टेक्नालॉजी के विकास से धर्म-भाषा-जाति की राजनीति की विभाजनकारी दीवारें इतनी आसानी से भरभराकर गिर जाएंगी और एक विज्ञान-तकनीक आधारित राजनीति का नया रास्ता खुल जाएगा? भारतीय राजनीति का देसी अनुभव कुछ और कहता है। ज्यादा संभावना है कि कार्यकर्ता उसके अशुद्ध मशीनी उच्चारण को मुद्दा बनाते हुए मराठी भाषा के अपमान और खुद उसके धर्म के ज्यादातर लोग इस्लाम की पवित्रता और आस्था से खिलवाड़ करने के आरोप लगाएंगे। जब तक यह विवाद चलेगा भाषा और धर्म की रक्षा के नाम पर वोटों के ध्रुवीकरण के नए आक्रामक उपाय सोचे जाएंगे।

कभी शिवसेना भाजपा से ज्यादा उग्र हिंदुत्व वाली पार्टी हुआ करती थी। याद आ सकता है कि बाबरी मस्जिद गिराए जाने के बाद भाजपा अगर-मगर कर रही थी लेकिन शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे ने दावा किया था कि इस कारनामें को उनके कार्यकर्ताओं ने अंजाम दिया है। शिवसेना सत्ता के लिए सेकुलर पार्टियों के साथ जाकर कुछ नरम पड़ी और टूटी तो भाजपा आगे निकल गई। भाजपा ने भी सेकुलर पार्टियों का साथ लिया लेकिन अपनी हिंदू उग्रता को बनाए भी रखा। अब विधानसभा का रिहर्सल समझे जाने वाले महापालिका चुनावों को सामने पाकर उसके दो धड़े मराठी अस्मिता का मुद्दा लेकर आए हैं जबकि भाजपा को उग्र हिंदुत्व की ताकत पर ज्यादा यकीन है। इसकी बुनियाद में एक तथ्य है कि गरीब राज्यों से आजीविका की तलाश में तेज आवक से मुंबई का 28 प्रतिशत वोटर हिंदी भाषी हो चुका है। इस हिंसा के पीछे वोटों की राजनीति है कहने से भी कुछ नहीं होने वाला है। जनता उसकी कब की अभ्यस्त हो चुकी है। पानवाला और अजान देने वाला दोनों कार्यकर्ताओं के सामने एक और सवाल उठा सकते हैं कि आपको मराठी या हिंदी से क्या मतलब, आपके नेताओं के बच्चे तो अंग्रेजी मीडियम के मंहगे स्कूलों में पढ़ रहे हैं, खुद आप भी अपने बच्चों को थोड़ा सस्ते अंग्रेजी स्कूलों में पढ़ा रहे हैं या पढ़ाना चाहते हैं? लेकिन यह सवाल भी सिर्फ भय से नहीं एक और बड़े कारण से नहीं पूछा जाएगा। वह यह है कि खुद मुल्ला और पानवाला भी अपने बच्चों को अंग्रेजी सिखाना चाहते हैं ताकि वे आजीविका के अवसरों, ग्लोबल शक्ति और सभ्यता की दौड़ में पिछड़ न जाएं। आजादी के समय सोचा गया था कि शिक्षित होने के साथ धर्मिक जड़ता, जातिवाद, भाषा और क्षेत्रीयताओं के झगड़े खत्म हो जाएंगे लेकिन वे उल्टे बढ़ते गए। इसका कारण यह है कि जनता सिर्फ शिक्षा और आर्थिक बेहतरी से नहीं बदलती बल्कि उसका मानस राजनीतिक पार्टियां अपनी जरूरतों के हिसाब से संगठित अभियान चलाकर निर्मित करती और बिगाड़ती रहती हैं। थोड़ा-बहुत खून बहता है लेकिन यह फूट डालो और राज करो की राजनीति अंग्रेजों के समय से लेकर आज तक कम मेहनत, कम लागत और बहुत कम समय में बंपर फसल दे रही है।

मंथन

कौन अधिक आस्थावान

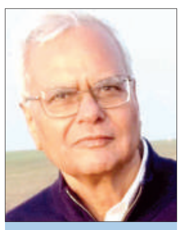

कमलाकांत त्रिपाठी
पूर्व आईआरएस

दिमाग़ की सिफ़त है, क़ुदरत की देन। कट्टरता और उदारता किसी मज़हब की संपत्ति नहीं, व्यक्ति के गुण हैं। वही सब पढ़-सुनकर कोई कट्टर हो सकता है, कोई उदार। कट्टर व्यक्ति अपने मज़हब की एकान्तिक बातों को गांठ बांध लेता है और उदार व्यक्ति समावेशी बातों को। कट्टर व्यक्ति को हमेशा यह एहसास बना रहता है कि उसने अन्तिम सत्य पा लिया है। उसके लिए दुनियावाले दो हिस्सों में बंट जाते हैं-वे जो उसके समानधर्मा हैं और वे जो इतरधर्मा हैं। दूसरे हिस्से के लोगों को वह गुमराह और बदतर इंसान मान लेता है। उसका अच्छे-बुरे का विवेक सिमटकर मज़हब में विलीन हो जाता है। रोज़-रोज़ के विपरीत अनुभव को भी वह दरकिनार कर देता है। इतिहास से चुन-चुन कर अपने मज़हब के अच्छे लोगों की अच्छाई याद कर लेता है और दूसरे मज़हब के बुरे लोगों की बुराई।

अपने-पराये का यह बोध अंततः नफ़रत और हिंसा की ओर ही ले जाता है। नफ़रत मनुष्य की सहजता, उसका चैन हर लेती है। घोर कट्टर व्यक्ति नफ़रत से निजात पाने के लिए तलवार तक उठा सकता है। किसी अनजान और निर्दोष व्यक्ति का, जिसने कभी उसका कोई ज़ाती नुक़सान नहीं किया, सर तक क़लम कर सकता है। मज़हबी होने के बावजूद वह भूल जाता है कि उसी ईश्वर/अल्लाह/गॉड ने इतर मज़हबवालों को भी बनाया है। उसकी मर्ज़ी के बिना तो पत्ता तक नहीं हिल सकता, तो दुनिया के इतने सारे लोगों का अस्तित्व (जिनमें स्वभाव से भले-बुरे दोनों शामिल हैं, जैसे उसके मज़हब में भले-बुरे दोनों शामिल हैं) कैसे क़ायम रह सकता है? तात्पर्य यह कि वस्तुतः उसे ईश्वर में विश्वास ही नहीं होता। उसे लगता है, दुनिया ईश्वर ने भले बनाई हो, उसका एक बड़ा हिस्सा ईश्वर के रास्ते पर चलने के बजाय उसके दुश्मन शैतान के रास्ते पर चल पड़ा है। और ईश्वर का इस पर कोई वश नहीं। यानी, ईश्वर शैतान के सामने कमज़ोर पड़ गया है। तो वह ईश्वर का हाथ मज़बूत करने, उसकी सहायता करने, यानी ईश्वर का ही काम करने निकल पड़ता है। ईश्वर को कमज़ोर मानकर ही कोई उसके काम में हाथ बंटाने, उसका काम अपने हाथ में लेने के लिए दौड़ सकता है।

यही हाल किसी विचारधारा, किसी व्यक्ति के कट्टर अनुयायियों का भी होता है। नफ़रत और बेचैनी कट्टरता के अनिवार्य लक्षण हैं। इसी को बुनियादपरस्ती भी कहते हैं। तो बुनियादपरस्ती मज़हब तक महदूद नहीं है। उदार व्यक्ति जैसे किसी मज़हब का अंध या कट्टर अनुयायी नहीं हो सकता वैसे ही किसी विचार, किसी अन्य व्यक्ति का भी अंध या कट्टर अनुयायी नहीं हो सकता। वह किसी अन्य को किसी मज़हब, किसी विचार, किसी व्यक्ति का अंध अनुयायी होने को प्रेरित भी नहीं कर सकता। अपना भी नहीं। उदारता की यही पहचान है। ईश्वर की बनाई दुनिया की विविधता का सम्मान। (पाखण्डियों की बात अलग है। वे जो लगते हैं, वह होते नहीं। वे अवसर देखकर रंग बदलने की कला में माहिर होते हैं। उनकी आस्था सिर्फ़ अपने हित-साधन में होती है।) सवाल है, कट्टर और उदार में अधिक आस्थावान कौन है? ईश्वर को ईश्वर के रूप में कौन ज़्यादा शिद्दत से मानता है।

सोशल फोरम

साक्षात्कार के उद्देश्य

शंभुनाथ
सेवानिवृत्त प्रोफेसर, कोलकाता

साक्षात्कार के संबंध में सामान्यत: कहना जरूरी लग रहा है कि यह ज्ञान की जगह न होकर अब सर्कस बन रहा है। दर्शक यह देखकर मजा लेते हैं कि देखो अमुक ने अमुक को कैसा जमकर रगड़ा, अपनी ताल पर किस तरह नचाया या उसके व्यक्तिगत मामलों को सार्वजनिक कर दिया।

हिन्दी संसार को समझने के लिए भारतेंदु के 'अंधेर नगरी': नाटक के 'समर्पण' पृष्ठ की पंक्तियां काम की साबित हो सकती हैं। इसकी ओर सामान्यतः ध्यान नहीं गया है। आज संस्कृत के उस श्लोक का अर्थ जानना बहुत जरूरी है : 'जो चंदन, आम और चंपा के वन को काटकर कीकड़ के पेड़ों की रक्षा करता है, हंस और कोयल के प्रति हिंसक होकर काग लीला का मजा लेता है और जो कपूर और कपास को उनके श्वेत रंग के कारण एक जैसा समझता है-जहां के गुणी जन ऐसी समझ रखते हों उस स्थान को नमस्कार है!' क्या रक्षणीय है और क्या त्याज्य, क्या सुरुचि है और क्या विकृति तथा क्या खोकर क्या हासिल हो रहा है, जब इसका विवेक लेखक और बुद्धिजीवियों के समाज में ही विलुप्त होता जा रहा हो, तो चिंता होती है।

साक्षात्कार के संबंध में सामान्यतः कहना जरूरी लग रहा है कि यह ज्ञान की जगह न होकर अब सर्कस बन रहा है। दर्शक यह देखकर मजा लेते हैं कि देखो अमुक ने अमुक को कैसा जमकर रगड़ा, अपनी ताल पर किस तरह नचाया या उसके व्यक्तिगत मामलों को सार्वजनिक कर दिया। मैंने सोशल मीडिया पर साक्षात्कार लेने वाले की इस वीरता का वर्णन पढ़ा है। यह मुझे लोकतांत्रिक बोध के क्षय और सत्ता की विचारधारा से सहानुभूति रखने के चिह्न की तरह दिखता है। आज यह एक संक्रामक रोग है, इसलिए आश्चर्य नहीं होता। मैं यह कभी कहना नहीं चाहता था, पर आज बता रहा हूं कि मेरे सामने ऐसा प्रस्ताव आया तो मैंने स्पष्ट कहा कि ऐसे साक्षात्कार में मेरी कोई रुचि नहीं है। सचमुच मैंने ऐसा एक भी साक्षात्कार नहीं देखा है और नहीं लगता कि कुछ खोया है। हजार-पांच हजार लोगों को अच्छा लगता है तो वे देखें-सुनें, मजा दें-लें, उन्हें स्वतंत्रता है। मुझे भीड़ में नहीं बहना। इस मामले को मैं 'अंधेर नगरी' के उपर्युक्त समर्पण की तरह लेता हूं।

जब साक्षात्कार कर्ता यह न सोचकर कि कैसे लेखक के भीतर के छिपे सर्वोत्तम को बाहर निकाले और उसकी वैचारिक प्रेरणाओं का उद्घाटन करे, इसकी जगह जब वह केवल उसके भीतर के निकृष्टतम को बाहर करना चाहता है या वह कहलाना चाहता है जो साक्षात्कार कर्ता खुद सुनना चाहता है और खुद नायक बनना चाहता है तो जाहिर है कि यह अहंकार भरा कितना पूर्वग्रहग्रस्त साक्षात्कार हो सकता है। यह संवाद का आनंद नहीं है, विवाद का मजा है! एक लगभग अलेखक द्वारा लिए गए साक्षात्कार और एक लेखक द्वारा लिए गए साक्षात्कार में फर्क है। मुझे अज्ञेय के रघुवीर सहाय और रमेशचंद्र शाह के लिए साक्षात्कार की याद आ रही है। उस समय साक्षात्कार सामान्यतः लेखक को दिखा लिए जाते थे, ताकि वह आखिरी टच दे सके। रामविलास शर्मा से नामवर सिंह का साक्षात्कार है। वर्तमान दौर के प्रसिद्ध विदेशी लेखकों के साक्षात्कार भी हैं, उनसे भी कुछ सीखना चाहिए। ऐसे साक्षात्कारों का उद्देश्य साहित्यकार को अपनी ताल पर नचाना या लोगों की आंखों में उसे गिराना या उसे रगड़ना नहीं होता था। साक्षात्कार कर्ता के प्रश्न सबसे पहले उसके अपने साहित्यिक ज्ञान का खुलासा करते हैं।

-फेसबुक वॉल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286 (कार्यालय), ईमेल-amritvichar.moradabad@gmail.com आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

आत्मनिर्भरता व तकनीकी संप्रभुता फ्रांस के बाद भारत बना निर्माता

मराल एयरोस्पेस का दावा है कि आईआईटी कानपुर से पीएचडी डॉ. विजय शंकर द्विवेदी के नेतृत्व में विकसित उनका स्वदेशी सौर ऊर्जा आधारित ड्रोन भारत की सीमाओं और विविध भौगोलिक चुनौतियों पर निरंतर निगरानी रखने के लिए विदेशी प्रौद्योगिकी पर निर्भरता कम करके राष्ट्रीय सुरक्षा और तकनीकी संप्रभुता को मजबूत बनाता है। यह ड्रोन एक अग्रणी नवाचार है, जो देश की आत्मनिर्भरता और तकनीकी प्रगति को भी दर्शाता है। इस तरह का ड्रोन दुनिया में सिर्फ फ्रांस की एक्सन कंपनी बना रही है। आईआईटी कानपुर ने विभिन्न प्रकार के ड्रोन विकसित किए हैं जो राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक आवश्यकताओं दोनों को पूरा करते हैं। इसमें एआई-सक्षम 'आत्मघाती ड्रोन' शामिल हैं जो 100 किमी तक के लक्ष्यों को नष्ट कर सकते हैं।

एक्सीरॉन तकनीक ने बनाया अपने पेलोड वर्ग में अनूठा

अत्याधुनिक यूएवी तेजस-1 पूरी तरह सोलर ऊर्जा पर निर्भर रहने के लिए एक्सीरॉन तकनीक से लैस है। इस तकनीक से इसके पैनल हमेशा सूर्य की ओर रहेंगे और उसकी सबसे अधिक ऊर्जा ग्रहण करेंगे। इस विशेषता ने इसे अपने पेलोड वर्ग में दुनिया का सर्वाधिक समय तक उड़ने वाला सोलर यूएवी बना दिया है।

उड़ने के लिए तैयार भारत का पहला सोलर ड्रोन

आईआईटी कानपुर का नवाचार सौर ऊर्जा से चलने वाला ड्रोन हवाई निगरानी में क्रांति लाने का भरोसा दिलाता है। सौर ऊर्जा से संचालित होने के कारण इसकी उड़ान का समय बढ़ जाता है। पांच किलोमीटर ऊंचाई तक उड़ने की क्षमता इसे निगरानी उद्देश्यों के लिए व्यापक हवाई कवरेज प्रदान करती है। हवाई निगरानी के साथ इसका उपयोग सीमा सुरक्षा, आपदा प्रबंधन और पर्यावरण निगरानी जैसे कामों के लिए किया जा सकता है। 10 से 12 घंटे तक लगातार तस्वीरें खींचने में सक्षम यह ड्रोन जमीन पर गतिविधियों की निगरानी में बेजोड़ दक्षता प्रदान करता है। यह उन्नत ड्रोन मध्यम ऊंचाई और लंबी दूरी के लिए डिजाइन किया गया है।

भारत का पहला सोलर अनमैंड एयर व्हीकल (यूएवी) तेजस-1 अब आसमान में उड़ान भरने और बाजार में उतरने के लिए तैयार है। इसका निर्माण आईआईटी कानपुर में स्थापित डीप टेक स्टार्टअप मराल एयरोस्पेस ने किया है। सौर-ऊर्जा संचालित इस स्वदेशी फिक्स्ड विंग ड्रोन को 12 घंटे से अधिक की असाधारण उड़ान के लिए डिजाइन किया गया है। यह क्षमता इसे खुफिया निगरानी और टोही मिशनों के लिए "आकाश में लंबी आंख" बनाती है, जो चौबीसों घंटे के मिशन, सीमा गश्त, लक्ष्य ट्रैकिंग के कारण सेना के लिए काफी कारगर साबित हो सकती है। इसके साथ ही यह ड्रोन समुद्री निगरानी, वैज्ञानिक अनुसंधान, खोज और बचाव, मानचित्रण, पर्यावरण संरक्षण और कृषि-तकनीक जैसे क्षेत्रों में भी इस्तेमाल के लिए अनूठा है। भारत के अलावा अभी फ्रांस ही इस तरह के ड्रोन बना रहा है।

मराल एयरोस्पेस के सीईओ विवेक कुमार पांडेय के अनुसार उनका सोलर यूएवी जिसे शुरू में मराल नाम दिया गया था, अब तेजस-1 नाम से अगले माह उपलब्ध हो जाएगा। यह ड्रोन देश की सीमाओं खासकर चीन और पाकिस्तान के साथ हिमालय के कठिन इलाकों में प्रभावी निगरानी करके आतंकी घुसपैठ और तस्करी जैसी गतिविधियों का पता लगाने में सक्षम है। इसे मिसाइल लॉन्च या बड़ी दूरी पर बड़ी सैन्य गतिविधियों का पता लगाने के लिए सेंसर से लैस किया जा सकता है। यह ड्रोन दूरदराज या पहाड़ी क्षेत्रों में जहां पारंपरिक संचार बुनियादी ढांचे की कमी है या प्राकृतिक आपदा अथवा दुश्मन के हमले में संचार सुविधाएं नष्ट हो गई हैं, वहां हवाई संचार नोड्स के रूप में काम करके सैन्य बलों को विश्वसनीय संचार लिंक प्रदान कर सकता है। यह ड्रोन ग्राउंड स्टेशनों और उपग्रहों के बीच डेटा रिले का काम अंजाम दे सकते हैं, जिससे सीधे लिंक संभव न होने पर भी निर्बाध संचार सुनिश्चित हो जाता है। इसके अलावा बाढ़ या भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के बाद क्षति का विस्तृत आकलन प्रदान करने के साथ प्रभावित क्षेत्रों का मानचित्रण करके राहत और बचाव कार्यों में मदद कर सकते हैं। यहां तक कि मौसम की स्थिति की भविष्यवाणी करके सैन्य अभियानों की योजना बनाने में सहायक हो सकते हैं।

12 किलो वजन ... 12 घंटे से ज्यादा उड़ान, 200 किमी की दूरी

सोलर यूएवी का वजन 12 किलो है। यह 12 घंटे से ज्यादा उड़ान भरने के साथ सात किलो वजन लेकर उड़ सकता और 200 किमी तक दूरी तय कर सकता है। यह 5 किलोमीटर तक की ऊंचाई पर उड़ान भर सकता है। यह ऊंचाई व्यापक हवाई कवरेज और अधिक गुप्त संचालन की अनुमति देती है। यह 3 किलोग्राम से अधिक का पेलोड ले जाने में सक्षम है। इसे आधुनिक ऑप्टिकल और इन्फ्रारेड कैमरों के साथ ही अत्याधुनिक सेंसर से लैस किया जा सकता है। कैमरों और राउटर सहित विभिन्न पेलोड को समायोजित करने की क्षमता इसकी उपयोगिता को बहुमुखी बनाती है।

200 मीटर के रनवे से लॉचिंग, 600 किमी से ज्यादा है रेंज

- सोलर यूएवी तेजस-1 का टेक आफ वजन लगभग 25 किलोग्राम है। इसका पंख फैलाव 11 मीटर है। परिचालन रेंज 600 किलोमीटर से ज्यादा है। इसे सिर्फ 30 मिनट में उड़ान भरने के लिए तैयार किया जा सकता है। यह ड्रोन ऊर्जा भंडारण के लिए बैटरी और गुरुत्वाकर्षण संभावित ऊर्जा का उपयोग करता है। इसे लगभग 200 मीटर के छोटे रनवे से लॉन्च किया जा सकता है, इस कारण इसे विभिन्न प्रकार के भौगोलिक स्थानों पर तैनात करना काफी आसान है। यह उन लंबी अवधि के मिशनों के लिए एक अत्यधिक आकर्षक समाधान है, जहां मानवीय उपस्थिति बनाए रखना या बार-बार ईंधन जुटाना काफी अव्यावहारिक या महंगा पड़ता है।

प्रस्तुति: मनोज त्रिपाठी

नए उत्पाद गैजेट

आगत का स्वागत

- इस साल कई शानदार स्मार्टफोन लॉन्च होने वाले हैं। कुछ बजट में और कुछ महंगे पर सभी दमदार तकनीक वाले। एप्पल आईफोन 17 प्रो और आईफोन 17 प्रो मैक्स भी बाजार में उतरने को तैयार हैं। दो दूसरे कैमरों के साथ 48 मेगापिक्सल के टेलीफोटो सेंसर वाला कैमरा लेंस, आईफोन 17 की खासियत होने वाली है। एपल 17 सिरीज के लिए सितंबर तक इंतज़ार करना होगा।

- Vivo V60 को लेकर जानकारी ये मिली है कि ये 12 अगस्त को भारत में लॉन्च होगा। इस हैंडसेट में 50-मेगापिक्सल प्राइमरी शूटर, 8-मेगापिक्सल अल्ट्रावाइड लेंस और 50-मेगापिक्सल 3X पेरिस्कोप टेलीफोटो सेंसर के साथ ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप होगा, जो पहले की लीक्स से मेल खाता है। Vivo स्मार्टफोन की कीमत भी लीक हुई है, जिससे पता चलता है कि ये एक मिड-रेंज डिवाइस हो सकता है। हाल ही में एक टिप्स्टर ने Vivo V60 के कथित रेंडर्स ऑनलाइन पोस्ट किए, जिसमें पिल-शेप्ड रियर कैमरा आइलैंड दिखाया गया।

- गूगल का इंडिया स्पेसिफिक भारत में मेड फॉर गूगल इवेंट 14 अगस्त को लांच होगा। इस इवेंट में कंपनी अपने चार स्मार्टफोन को लांच कर सकती है। लीक रिपोर्ट की मानें, तो कंपनी पहली बार फोल्डेबल स्मार्टफोन को लांच कर सकती है, जिस स्मार्टफोन को लॉन्च किया जा सकता है, उसमें Pixel 9, Pixel 9 Pro, Pixel 9 Pro XL और Pixel 9 Pro Fold शामिल हैं।

कैंसर के इलाज का रास्ता दिखाएगा चमगादड़

हम दोनों स्तन धारी फिर उसे क्यों नहीं यह बीमारी

फीचर डेस्क

कुछ ही दिनों पहले यह बात उजागर हुई कि स्तनधारी जीव चगादड़ों को कैंसर होने की आशंका लगभग न के बराबर होती है। वे अमूमन 25 साल जीते हैं और उनमें से कई तो इससे बहुत ज्यादा। शायद ही किसी को किसी तरह का कैंसर कभी हुआ हो। ऐसा क्यों होता है, यह समझने के लिये रोचेस्टर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने जो शोध किया है वह नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित हुआ है। चमगादड़ में मिलने वाले कैंसर विरोधी गुणों की खोज मनुष्यों के लिये बड़े काम की हो सकती है। जीवविज्ञानी वेरा गोरबुनोवा और आंद्रेई सेलुआनोव के नेतृत्व में चार अलग प्रजातियों के चमगादड़ों पर शोध के दौरान वैज्ञानिकों की टीम ने पाया कि चमगादड़ में ट्यूमर सप्रेसर या कैंसर से लड़ने वाला एक गुणसूत्र या जीन होता है, जिसे पी 53 कहा जाता है। यह जीन एपोप्टोसिस, उर्फ सेल डेथ को नियंत्रित करता है। होता तो यह मनुष्यों में भी है। अंतर बस इतना है कि चमगादड़ों में यह पी53 जीन इतनी उन्नत किस्म का है, इतना कारगर और करामाती कि कैंसर को पनपने से पहले इसकी दो प्रतियां प्राकृतिक रूप से कैंसर की अचूक हत्या कर देती हैं। अब यह जानने की कोशिश हो रही है कि चमगादड़ों में कैंसर प्रतिरोधक क्षमता इतनी ताकतवर कैसे है। चमगादड़ वाली पी 53 मानव में पाई जाने वाली एपी53 कैंसर के मुकाबले में इतनी घातक कैसे? उसे इतना सटीक कौन बनाता है? बेशक, चमगादड़ की प्रतिरक्षा प्रणाली की भी इसमें बड़ी भूमिका है जो आक्रमणकारियों को नेस्तनाबूद करने में देर नहीं करते।

इन सबका यह मतलब नहीं है कि चमगादड़ को कभी कैंसर नहीं होता। असल में उनके शरीर का तंत्र कैंसर को झेलने के लिए खास बना है। जब उनमें कैंसर विकसित होता है, तो उनका शरीर बेहद जल्दी और कुशलता से कैंसर से लड़ने लगता है। जबकि हमारी शारीरिक प्राकृतिक प्रतिक्रिया इनके मुकाबले दयनीय लगती है। कैंसर से लड़ने में चमगादड़ इतने कामयाब क्यों हैं उनके गुणों पर शोध अभी जारी है। बरसों बाद, शायद एक दिन, हमको इससे एक ऐसी चिकित्सा प्रविधि हासिल होगी जो हमें इस मामले में कुछ हद तक चमगादड़ों जैसा बना सके, बस उल्टा लटक कर सोने की ज़रूरत नहीं होगी।

नज़र आसमानी

यह कोई पक्षी नहीं, नए प्रकार का ड्रोन है जिसे लिटिल फाल्कन ऑर्निथॉप्टर कहा गया है। इसका वीडियो फुटेज इसे अपने पंख फड़फड़ाकर पंछी के तरह उड़ता हुआ दिखाता है। चीन ने इसे टोह लेने, निगरानी करने और जरूरत पड़ने पर हमला करने की नीयत से बनाया है। हूबहू पक्षी जैसा दिखने वाले ड्रोन को आसमान में बतौर खतरा पहचानना मुश्किल हो सकता है। हालांकि यह विचार नया नहीं है, 1960 के दशक में ऐसा प्रयोग हो चुका है, पर यह तकनीकी तौर पर उससे बहुत ज्यादा उन्नत है।

तकनीक क्षेत्र एआई की पहुंच पालतू तक

देश में पालतू पशु पक्षियों का बाज़ार जो अभी दस हजार करोड़ का है, दो बरस बाद तकरीबन 14 हजार और 2032 तक 21,000 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच जाएगा। वजह यह कि देश में पालतू रखने वालों की तादाद बेतहाशा बढ़ रही है। ऐसे में यह तकनीकी पहलू उनके बहुत काम का साबित होने वाला है। एक शाम संतू जायसवाल के प्यारे पालतू सेंट बर्नार्ड "झुक्का" ग़ायब हो गया तो पुलिस में रिपोर्ट हुई, पोस्टर चिपकाए गये, मुहल्लों और सोशल मीडिया पर मुनादी हुई पर सब बेकार। वह आज भी नहीं लौटा, न तलाशा जा सका। लेकिन अमेरिका के माइकल बोवन का अनुभव अलग है। उनकी पिटबुल- मिल्ली, लोअर मैनहट्टन के खुले इलाके में टहलने के दौरान ऐसे भागी कि वह उसे पकड़ नहीं पाया। बहुत तलाश करने के बाद यह सोचता घर लौट आया, वह भी उसे ढूंढ रही होगी। बोवन की मां ने मिल्ली की तस्वीर लव लॉस्ट नाम के एक वेब साइट के डेटाबेस पर अपलोड कर कर दी जो पालतू पशुओं को एआई के फेस रिकग्नीशन तकनीक का इस्तेमाल कर पालतुओं को तलाशती, पहचान कर मालिकों से मिलवाती है। खैर, 14 घंटे के भीतर, उन्हें एक कॉल आया। पता चला मिल्ली वहां से 10 मील उत्तर भागी थी। वहाँ वह कार से टकराई और किसी ने उसे पशु चिकित्सालय में भरती कर दिया था। अस्पताल ने मिल्ली की तस्वीर भी उसी लव लॉस्ट साइट पर अपलोड की थी, तस्वीर की मिलान हो गई और ज़ाहिर है पालतू और मालिक की भी। नई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित क यह तकनीक पालतू जानवर की अनूठी विशेषताओं जैसे आँखों के आकार पूंछ, मूंछ की लंबाई, टेढाई, बाल, चमड़ी, पंखों का पैटर्न, असामान्य निशान जैसे 512 डेटा पॉइंट एकत्र करता है, इसके बाद मिलान करके जानवरों की खोज करने के लिए मशीन लर्निंग का उपयोग करता है। सिस्टम की सबसे बड़ी खासियत यह कि यह पालतू जानवरों को पहचानने की इतनी शानदार क्षमता रखता है कि जाने के बाद अगर जानवर के रंग रूप में बदलाव भी आ जाए तो यह पहचान जाता है।

बूचड़खाने होंगे बंद

दशकों बाद यह संभव हो सका तो स्वास्थ्य, पर्यावरण तथा पशुओं के प्रति क्रूरता के विरुद्ध एक क्रांति होगी

कुछ बरस पहले आंध्रप्रदेश के हृदय रोग विशेषज्ञ और वैज्ञानिक वेलेटी ने कुछ अमेरिकी वैज्ञानिकों के साथ मिलकर लैब में कृत्रिम मांस तैयार किया था। पशु कोशिका द्वारा 9 से 21 दिनों में बनाया यह मांस हर तरह के संदूषण से दूर और स्वास्थ्य मानदंडों पर पूरी तरह खरा उतरा। इस मीट को मेम्फेसिस मीट कहते हैं। वेलेटी ने विल क्लेम जो बायो मेडिकल इंजीनियर हैं और निकोलस जीनेवेस जो स्टेम सेल बायोलॉजिस्ट हैं, के साथ मिलकर इसे तैयार किया।

लैब में पशु अंश और वनस्पति स्रोत से बना मांस पहले बहुत पसंद नहीं किया गया लेकिन दूसरे जानवरों और टर्की जैसे पक्षियों के मांस की नकल का काम चालू रहा लेकिन जटिल प्रक्रिया और लाखों गुना महंगा होने के चलते यह माना जाता रहा कि यह व्यावहारिक स्तर पर संभव नहीं हो सकेगा। आज इस बात की तैयारी ज़ोरों पर है कि बड़े रेस्त्रां या होटलों में अमीर लोगों की थाली तक बिना जानवरों का खून बहाये, उन्हीं से उत्पादित साफ, सुथरा, स्वास्थ्यप्रद सुस्वादु मांस पहुंचाया जा सके। बस सवाल कीमत का है। बीते दस सालों में वैज्ञानिकों ने इस तरह के मीट बनाने की लागत को 99 फीसदी तक कम किया फिर भी इसकी कीमत बाजारू मीट के हजार गुना रही। कोशिका से सीधे ही मांस को विकसित करने पर यह काम थोडा आसान और सस्ता हो गया है।

हम्पटन क्रीक कंपनी ने मीट का सस्ता विकल्प बनाया

- हम्पटन क्रीक कंपनी ने मीट का सस्ता विकल्प बनाया, है बिल्कुल मीट जैसा टेक्स्चर, वैसा ही स्वाद, खिंचाव, जो कुछ गुना ही महंगा है। बाजार को जितना मांस चाहिये उससे ज्यादा और लगातार उत्पादन की क्षमता की ओर कंपनियां अब तेजी से बढ़ रही हैं। इस काम में तमाम तरह की मशीनों, ऑटोमेशन तकनीक, प्रयोगशाला का कार्य और मानव श्रम चाहिये, सब झोंका जा चुका है। केमिस्ट, टिश्शू इंजीनियर सेल बायोलोजिस्ट सभी जुट गए हैं, हम्पटन क्रीक में ऐसे 60 से ज्यादा विशेषज्ञ काम पर लगे हैं। देखते है कवायद कितनी और कब तक कारआमद होती है। कब थाली तक पहुंचता है यह मीट। ताकि बूचड़ खाने हों बंद।

प्रस्तुति: संजय श्रीवास्तव

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	82,184.17	25,062.10
गिरावट	542.47	157.80
प्रतिशत में	0.66	0.63

सोना : 99,620 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 1,15,000 प्रति किलो

अमृत विचार

मुरादाबाद, शुक्रवार, 25 जुलाई 2025

www.amritvichar.com

भारत-ब्रिटेन में अब तक की सबसे बड़ी डील

एफटीए पर हस्ताक्षर से भारत में लग्जरी कारें, व्हिस्की, चॉकलेट, बिस्किट, सालमन फिश, कॉस्मेटिक सामान होगा सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत-ब्रिटेन में अब तक की सबसे बड़ी डील होने के बाद चमड़ा, जूते, ऑटोपार्ट, सीफूड, खिलौने और कपड़ों का रियायती दरों पर निर्यात संभव होगा, जिससे ये चीजें ब्रिटेन के लोगों को सस्ती मिलेगी। इसके साथ ही ब्रिटेन से आने वाले सामानों पर भी आयात सस्ता होगा, जिससे भारतीयों को व्हिस्की, चॉकलेट, बिस्किट, सालमन फिश, कॉस्मेटिक सामान, लग्जरी कारें आदि सस्ती मिलेंगी।

वहीं, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत-ब्रिटेन एफटीए से ब्रिटिश बाजार में चमड़ा, विद्युत मशीनरी और रसायन जैसे कई घरेलू क्षेत्रों को शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी, जिससे लगभग 23 अरब डॉलर के अवसर खुलेंगे। आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) कहे जाने वाले इस समझौते पर बृहस्पतिवार को लंदन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके ब्रिटिश समकक्ष केअर स्टार्मर की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए।

गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, लगभग 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात के लिए शुल्क-मुक्त पहुंच से श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए लगभग 23 अरब डॉलर के अवसर खुलेंगे, जो समावेशी और लैंगिक-समानता के लिए एक नए युग का सूत्रपात करेगा। कपड़ा, चमड़ा, जूते, रत्न एवं आभूषण, खिलौने और समुद्री उत्पादों से जुड़े कई एमएसएमई में कार्यरत कारीगर, बुनकर और दिहाड़ी मजदूर समृद्धि के एक नए चरण में प्रवेश करेंगे। गोयल ने कहा कि इस समझौते से लगभग 95 प्रतिशत कृषि उत्पादों का शुल्क मुक्त निर्यात सुनिश्चित होगा, जबकि मछुआरों को 99 प्रतिशत समुद्री निर्यात पर शून्य शुल्क से लाभ होगा, जिससे उनकी आय बढ़ेगी। समझौते का इंजीनियरिंग सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, रसायन, खाद्य प्रसंस्करण और प्लास्टिक जैसे विनिर्माण-गहन क्षेत्रों पर भी परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ेगा। यह समझौता भारतीय उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाली वस्तुएं भी प्रदान करेगा।

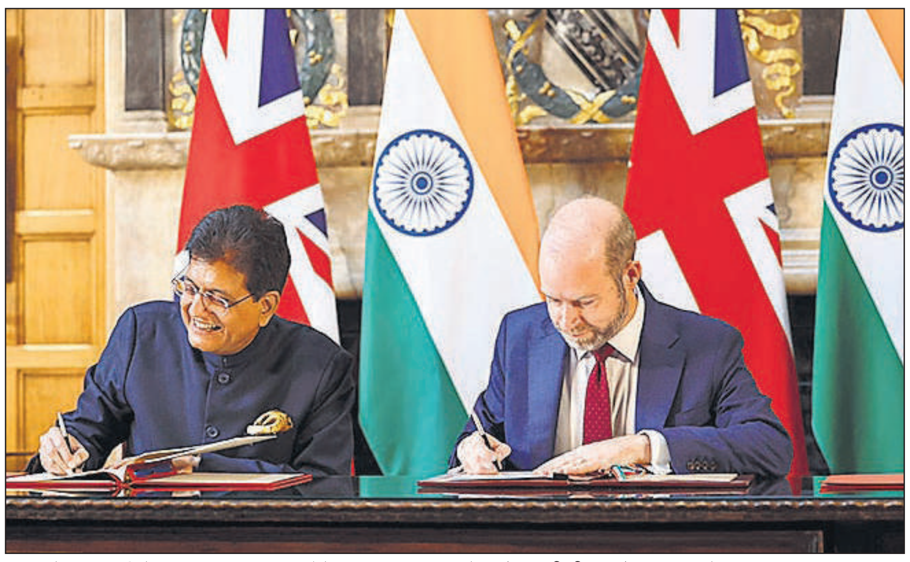

लंदन में भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करते उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व उनके समकक्ष।

उद्योग जगत ने कहा- देश के उभरते व्यापार ढांचे में मील का पत्थर

नई दिल्ली। भारतीय उद्योग जगत ने बृहस्पतिवार को कहा कि यह भारतीय निर्तायकों के लिए परिवर्तनकारी पल है और इससे दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार मौजूदा 60 अरब डॉलर से 2030 में दोगुना होकर 120 अरब डॉलर का हो जाएगा। एफटीए से ब्रिटेन को 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क कम हो जाएगा, जबकि ब्रिटिश कंपनियों के लिए भारत को व्हिस्की, कार और अन्य उत्पादों का निर्यात आसान हो जाएगा। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अध्यक्ष एस सी रल्हन ने भारत-ब्रिटेन एफटीए पर कहा कि यह भारतीय निर्तायकों के लिए परिवर्तनकारी पल है। उन्होंने कहा कि इससे दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार मौजूदा 60 अरब डॉलर से 2030 में दोगुना होकर 120 अरब डॉलर का हो जाएगा।

ब्रिटेन में सामाजिक सुरक्षा अंशदान से 3 साल छूट, 75,000 भारतीयों को फायदा

नई दिल्ली। ब्रिटेन में परिचालन करने वाली टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस जैसी देश की प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों को अब वहां (ब्रिटेन में) स्थानांतरित किए गए अपने कर्मचारियों के लिए तीन साल तक सामाजिक सुरक्षा अंशदान करने की जरूरत नहीं होगी। वाणिज्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि इससे 75,000 से अधिक भारतीय पेशेवरों और 900 से अधिक नियोक्ताओं को लाभ मिलने का अनुमान है। इससे भारतीय पेशेवरों और उनके नियोक्ताओं को ब्रिटेन में 36 महीने तक रहने के लिए इन अंशदानों से छूट मिल जाएगी। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि ब्रिटेन 283 अरब डॉलर के भारतीय आईटी उद्योग के लिए दूसरा सबसे बड़ा निर्यात बाजार है।

जेनेरिक दवाओं, चिकित्सा उपकरण निर्यात को बढ़ावा

नई दिल्ली। ब्रिटेन के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत शून्य शुल्क पर सहमति के बाद भारत के जेनेरिक दवाओं और चिकित्सकीय उपकरणों जैसे एक्स-रे सिस्टम और सर्जिकल उपकरणों के निर्यात को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। वाणिज्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, सर्जिकल उपकरण, जांच में उपयोग (डायग्नोस्टिक) वाले उपकरण, ईसीजी मशीन, एक्स-रे सिस्टम जैसे चिकित्सकीय उपकरणों के एक बड़े हिस्से पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। भारत वैश्विक स्तर पर दवा क्षेत्र के तहत 23.31 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात करता है और ब्रिटेन करीब 30 अरब अमेरिकी डॉलर का आयात करता है।

इंजीनियरिंग वस्तु: 2030 तक निर्यात 7.5 अरब डॉलर होगा

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग वस्तुओं पर सीमा शुल्क को 18 प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दिया गया है, जिससे इनका निर्यात अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएगा। उपकरणों का निर्यात अगले पांच वर्ष में लगभग दोगुना हो सकता है, जो 2029-30 तक 7.5 अरब डॉलर से अधिक हो जाएगा। ब्रिटेन, भारत का छठा सबसे बड़ा इंजीनियरिंग निर्यात बाजार है। ब्रिटेन के साथ व्यापार में वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान सालाना आधार पर 11.7 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखी गई। सूचीबद्ध क्षेत्रों में इंजीनियरिंग उत्पाद क्षेत्र की हिस्सेदारी सबसे अधिक है जिसमें 1,659 शुल्क श्रेणियां हैं जो कुल श्रेणियों का 17 प्रतिशत है। भारत का वैश्विक इंजीनियरिंग निर्यात 77.79 अरब डॉलर है, जबकि ब्रिटेन 193.52 अरब डॉलर मूल्य के ऐसे उत्पादों का आयात करता है।

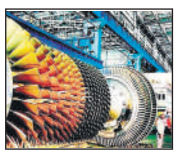

परिधान निर्यात के साथ रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली। परिधान क्षेत्र में अधिक रोजगार पैदा होंगे। सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और मानकों की पारस्परिक मान्यता में भी मदद मिलेगी, जिससे भारतीय परिधान निर्यातकों के लिए अनुपालन का बोझ कम होगा। ब्रिटेन एक वैश्विक 'फैशन' केंद्र और दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा परिधान आयातक है। 2024 में इसने दुनियाभर से 19.7 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के परिधान का आयात किया। भारत ने पिछले वर्ष 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के वस्त्र का निर्यात किया और ब्रिटेन के शीर्ष चार आपूर्तिकर्ताओं में से एक बन गया।

एफटीए पर मुख्य बातें

कृषि क्षेत्र :

- भारत को ब्रिटेन में फल, सब्जियां, अनाज, हल्दी, काली मिर्च, इलायची जैसे कई कृषि उत्पादों और खाने के लिए तैयार खाद्य, आम का गूदा, अचार और दालों जैसे प्रसंस्कृत उत्पाद तक शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी।
- भारत के 95 प्रतिशत से अधिक कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य शुल्क लाइन पर शून्य शुल्क लगेगा।
- शुल्क मुक्त पहुंच से अगले तीन साल में कृषि निर्यात में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने की उम्मीद है, जो 2030 तक भारत के 100 अरब डॉलर के कृषि निर्यात के लक्ष्य में योगदान देगा।
- 'व्यापार में तकनीकी बाधाओं' (टीबीटी) से संबंधित प्रावधान प्रमाणीकरण को सुव्यवस्थित करेंगे, जिससे निर्यातकों के लिए समय और लागत में कटौती होगी।
- एफटीए कटहल, बाजरा और जैविक जड़ी-बूटियों जैसे उभरते उत्पादों के लिए नए बाजार तक पहुंच बनाता है, जिससे किसानों को घरेलू मूल्य अस्थिरता के खिलाफ विविधता लाने में मदद मिलती है।
- भारत के मत्स्य पालन क्षेत्र, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश, ओडिशा, केरल और तमिलनाडु को, ब्रिटेन के 5.4 अरब डॉलर के समुद्री आयात बाजार तक पहुंच के माध्यम से विस्तार मिलेगा।
- भारत डेयरी उत्पाद, सेब, जई और खाद्य तेलों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों पर कोई शुल्क रियायत नहीं दे रहा है।
- भारत वैश्विक स्तर पर 36.63 अरब डॉलर का निर्यात करता है, जबकि ब्रिटेन 37.52 अरब डॉलर का आयात करता है, लेकिन भारत से केवल 81.1 करोड़ डॉलर का आयात करता है, जो उच्च मूल्य वाले कृषि उत्पादों में वृद्धि की संभावना दर्शाता है।
- इस समझौते से महाराष्ट्र (अंगूर, प्याज), गुजरात (मूंगफली, कपास), पंजाब और हरियाणा (बासमती चावल), केरल (मसाले) और पूर्वोत्तर राज्यों (बागवानी) को लाभ होगा।

समुद्री क्षेत्र

- सीईटीए भारत के समुद्री उत्पादों पर ब्रिटेन के शुल्क को समाप्त करता है।
- इससे भारतीय निर्यातकों के लिए मूल्य प्राप्ति में सुधार होगा, तथा उच्च खरीद दरों के माध्यम से तटीय मछुआरों को लाभ मिलेगा।
- ब्रिटेन के 5.4 अरब डॉलर के समुद्री आयात बाजार के बावजूद, भारत की हिस्सेदारी मात्र 2.25 प्रतिशत ही बनी हुई है, जो एक महत्वपूर्ण अप्रयुक्त निर्यात अवसर को रेखांकित करता है।
- भारतीय झींगा पर ब्रिटेन में मौजूदा शुल्क 4.2 प्रतिशत से 8.5 प्रतिशत के बीच है। इसके कारण, एफटीए के शुल्क उन्मूलन से विशेष रूप से झींगा, टूना, मछली के भोजन और चारे में तीव्र वृद्धि होने की उम्मीद है।
- झींगा, टूना, मछली का भोजन और चारा, जिन पर वर्तमान में 4.2 प्रतिशत से 8.5 प्रतिशत के बीच कर लगता है, पूरी तरह से शुल्क मुक्त हो जाएंगे।

चाय-कॉफी

- ब्रिटेन पहले से ही भारत के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है, जहां भारत के कुल निर्यात का 1.7 प्रतिशत कॉफी, 5.6 प्रतिशत चाय और 2.9 प्रतिशत मसाला जाता है। अब इन उत्पादों पर शुल्क मुक्त पहुंच के साथ इसमें तेजी से वृद्धि होने की उम्मीद है।
- 'इंस्टेंट कॉफी' तक शुल्क-मुक्त पहुंच से भारतीय व्यवसायों को जर्मनी, स्पेन और नीदरलैंड जैसे त्वरित/मूल्य-वर्धित कॉफी के अन्य यूरोपीय आपूर्तिकर्ताओं के साथ प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी। ● एफटीए, मूल्यवर्धित कॉफी उत्पादों, विशेषकर भारतीय इंस्टेंट कॉफी का ब्रिटेन को निर्यात बढ़ाने के लिए एक सशक्त मंच तैयार करेगा।

तिलहन

- कम शुल्क और सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं के साथ, भारतीय तिलहन निर्यातक ब्रिटेन के बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं, जिससे संभावित रूप से निर्यात में वृद्धि हो सकती है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टवेयर

- शून्य-शुल्क पहुंच से इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात में तेजी आने की उम्मीद है, साथ ही स्मार्टफोन, ऑप्टिकल फाइबर केबल और इनवर्टर के कारण ब्रिटेन के बाजार में भारत की स्थिति मजबूत होगी।

प्लास्टिक

- शुल्क मुक्त पहुंच से प्लास्टिक, फिल्म, शीट, पाइप, पैकेजिंग, टेबलवेयर और किचनवेयर के लिए ब्रिटेन की मजबूत मांग का लाभ उठाने का अवसर मिलता है। ये ऐसे क्षेत्र हैं जहां भारत ने विनिर्माण क्षमता सिद्ध कर ली है।
- शुल्क मुक्त पहुंच से भारत को ब्रिटेन के प्रमुख आयात स्रोतों जैसे जर्मनी, चीन, अमेरिका, नीदरलैंड, बेल्जियम और फ्रांस के साथ बेहतर प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी।
- अनुमानित वृद्धि दर 15 प्रतिशत है तथा कैलेंडर वर्ष 2030 के लिए अगले पांच वर्षों का लक्ष्य 18.7 करोड़ डॉलर है।

रत्न एवं आभूषण

- भारत का ब्रिटेन को कुल रत्न एवं आभूषण निर्यात 94.1 करोड़ डॉलर का है, जिसमें से 40 करोड़ डॉलर आभूषणों से आता है। यह एफटीए एक विशाल बाजार खोलता है क्योंकि ब्रिटेन सालाना लगभग तीन अरब डॉलर मूल्य के आभूषणों का आयात करता है। एफटीए के तहत शुल्क में छूट से अगले दो-तीन साल में ब्रिटेन को भारत के रत्न एवं आभूषण निर्यात में दोगुना वृद्धि होने का अनुमान है।

सेबी जुर्माना चूक मामले में दो निदेशकों को 6 महीने की सजा

मुंबई, एजेंसी

एक विशेष अदालत ने आभूषण फैशन एक्सेसरीज क्षेत्र से जुड़ी फर्म एम'बेले इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के दो निदेशकों को सेबी द्वारा लगाए गए एक करोड़ रुपये के जुर्माने को जमा करने में विफल रहने पर छह महीने के कारावास की सजा सुनाई है।

विशेष न्यायाधीश आर एम जाधव ने 19 जुलाई को पारित एक आदेश में गोपू बेलानी और अनुपमा मोटवानी को दोषी ठहराया और उन्हें सज़ा सुनाई।

साथ ही, नियामक द्वारा मूल रूप से लगाए गए जुर्माने का भुगतान न करने पर उन्हें एक-एक करोड़ रुपये का भुगतान करने का भी निर्देश दिया। सेबी ने 2014 में कंपनी और उसके निदेशकों के खिलाफ सेबी अधिनियम, 1992 के तहत दंडनीय अपराध के लिए मामला दर्ज किया था।

कानपुर में बढ़ सकता 400 करोड़ का निर्यात कारोबार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भारत-ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते का शहर के निर्यात कारोबार पर भी बड़ा असर पड़ेगा। निर्यात विशेषज्ञों की मानें तो इस समझौते से निर्यातकों को दोनों देशों के बीच होने वाले कारोबार में 99 फीसदी उत्पादों पर फ्री ड्यूटी का लाभ मिलेगा।

इसके अलावा शहर में ब्रिटेन के कारोबारियों के साथ होने वाले ई कारोबार में लगभग 20 फीसदी का इजाफा हो सकता है। यह लगभग 400 करोड़ रुपये के आसपास है।

- चमड़ा, खिलौने, इंजीनियरिंग गुड्स सहित शहर से कई अन्य प्रमुख उत्पादों का होता है निर्यात

अभी दोनों देशों के बीच लगभग दो हजार करोड़ रुपये का निर्यात कारोबार होता है। व्यापारिक समझौता होने के बाद माना जा रहा है कि शहर से सबसे अधिक चमड़ा, चमड़े के खिलौने, कृषि उत्पाद, टेक्सटाइल, होजरी, इंजीनियर गुड्स सहित अन्य उत्पादों का निर्यात बढ़ेगा। फियो के सहायक निदेशक आलोक श्रीवास्तव ने कहा कि इस समझौते का शहर के निर्यातक लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। शहर के निर्यात कारोबार को लाभ होगा।

रोजगार के बढ़ेंगे अवसर

समझौते से स्किल्ड युवाओं के लिए 15 फीसदी रोजगार के अवसर बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। एमएसएमई सेक्टर के लिए भी व्यापार के अवसर लेकर आया है। निर्यात विशेषज्ञों का मानना है कि उत्पादों का निर्यात बढ़ने से इस सेक्टर का भी दस फीसदी अधिक कारोबार बढ़ सकता है। शहर से ब्रिटेन में चमड़े के उत्पाद, कृषि उत्पाद, इंजीनियरिंग गुड्स, चमड़े के खिलौने सहित अन्य उत्पाद निर्यात होते हैं। वर्ष 2030 तक निर्यात कारोबार में हर वर्ष 10 से 20 फीसदी के आस-पास बढ़ोत्तरी हो सकती है।

नेशनल ब्रीफ

निकम ने राज्यसभा सदस्यता की ली शपथ

नई दिल्ली। राज्यसभा में गुरुवार को वरिष्ठ वकील एवं न्यायविद् उज्ज्वल निकम ने मनोनीत सदस्य के रूप में शपथ ली। निकम ने मराठी में ईश्वर के नाम पर शपथ ली। शपथ लेने के बाद सदस्यों ने मेजें थपथपाकर उनका स्वागत किया। निकम एक विख्यात वकील हैं, जिन्होंने सरकारी वकील के रूप में विभिन्न महत्वपूर्ण मुकदमों को अभियोजन पक्ष की ओर से लड़ा था।

साझा उम्मीदवार उतार सकता है इंडिया गठबंधन

नई दिल्ली। विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन उपराष्ट्रपति के चुनाव में साझा उम्मीदवार उतार सकता है, हालांकि सभी घटक दलों से विचार-विमर्श के बाद ही इस पर अंतिम निर्णय किया जाएगा। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। विपक्षी गठबंधन के एक वरिष्ठ नेता ने बताया, चुनाव को लेकर यह भावना है कि इसमें उम्मीदवार उतारा जाए।

विपक्षी सांसदों का संसद परिसर में प्रदर्शन

सोनिया समेत कई नेताओं ने बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का जताया विरोध

मानसून सत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के कई घटक दलों के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करते हुए बृहस्पतिवार को संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया। संसद के 'मकर द्वार' के निकट आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल और कई अन्य दलों के सांसद शामिल हुए।

विपक्षी सांसदों ने एक बड़ा बैनर भी ले रखा था, जिस पर 'एसआईआर-लोकतंत्र पर वार' लिखा हुआ था।

उन्होंने 'एसआईआर वापस लो' के नारे लगाए। विपक्षी सांसदों ने कहा कि इस विषय पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद गिरिधारी यादव के बयान का हवाला देते हुए कहा कि अब तो सत्तापक्ष के लोग भी एसआईआर पर सवाल उठा रहे हैं, ऐसे में इस विषय पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। यादव ने एसआईआर की कवायद का विरोध करते हुए कहा कि जो मतदाता सूची लोकसभा चुनाव में सही थी, वो विधानसभा चुनाव में गलत कैसे हो सकती है।

नई पीढ़ी के संस्कार देश देख रहा है: बिरला

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में हंगामा करने के लिए कांग्रेस सदस्यों को आड़े-हाथों लिया और कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी के संस्कार सदन में नारेबाजी करने, तख्तियां लाने और मेजें ठोंकने के लिए नहीं रहे हैं, लेकिन इस दल के मौजूदा सांसदों का आचरण पूरा देश देख रहा है। बिरला ने कहा, आपसे पहले भी कहा गया है कि प्रश्नकाल महत्वपूर्ण समय होता है। इसमें जनता के सवाल होते हैं और सरकार की जवाबदेही होती है...कई सांसदों ने कहा कि उनका प्रश्नकाल के दौरान मुश्किल से प्रश्न आता है, लेकिन आप लोगों का जिस तरह का व्यवहार होता है, वो संसद की गरिमा के अनुकूल नहीं है।

राहुल ने कहा-ईसी की धोखाखड़ी के 100 प्रतिशत सबूत, चुनाव आयोग ने आरोप का किया खंडन

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को दावा किया कि उनकी पार्टी के पास कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में निर्वाचन आयोग की ओर से धोखाधड़ी किए जाने के 100 प्रतिशत सबूत हैं और यदि आयोग सोचता है कि वह इससे बच निकलेगा, तो यह उसकी गलतफहमी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह आरोप भी लगाया कि निर्वाचन आयोग अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं कर रहा है।

उन्होंने कर्नाटक के निर्वाचन क्षेत्र के नाम का उल्लेख नहीं किया। राहुल के आरोपों पर निर्वाचन आयोग ने कहा, अगर चुनाव याचिका दायर की गई है, तो माननीय उच्च न्यायालय के फैसले का इंतजार करें। अगर नहीं, तो अभी बेबुनियाद आरोप क्यों लगाए जा रहे हैं? चुनाव परिणाम घोषित होने के 45 दिनों के भीतर चुनाव याचिका दायर की जा सकती है। ऐसी याचिकाएं उस राज्य के उच्च न्यायालयों में दायर की जा सकती हैं, जिसमें संबंधित निर्वाचन क्षेत्र आता है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने बिहार में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के बारे में पूछे जाने पर संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, यह बहुत ही गंभीर मामला है।

एसआईआर विवाद: तेजस्वी बोले- बिहार विस चुनाव का बहिष्कार करने का विकल्प खुला है

पटना, एजेंसी

राजद नेता तेजस्वी यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर पैदा विवाद के मद्देनजर उनकी पार्टी के पास आगामी चुनाव का बहिष्कार करने का विकल्प खुला है। विपक्ष के नेता ने मानसून सत्र के अंतिम पूर्व दिन राज्य विधानसभा के बाहर संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की।

कहा- समय आने पर गठबंधन सहयोगियों से चर्चा के बाद कोई निर्णय लेंगे

यादव ने कहा, समय आने पर, हम गठबंधन सहयोगियों के साथ चर्चा के बाद कोई निर्णय लेंगे। एसआईआर के नाम पर जो कुछ हो रहा है, वह किसी धोखाधड़ी से कम नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, मतदाताओं की ओर से बूथ-स्तरीय अधिकारी गणना प्रपत्रों पर अपने हस्ताक्षर और अंगूठे के निशान लगा रहे हैं। खाली प्रपत्रों का इस्तेमाल रद्दी कागज की तरह किया जा रहा है। इन विसंगतियों की ओर इशारा करने वाले स्वतंत्र पत्रकारों पर प्राथमिकियां दर्ज की जा रही है और सरकार को यह सब ठीक लग रहा है क्योंकि चुनाव आयोग सत्ताधारी दल के एक राजनीतिक औजार की तरह काम कर रहा है।

मृत और स्थायी प्रवासियों को सूची में नहीं रख सकते: सीईसी

बिहार वोटर लिस्ट विवाद पर चुनाव आयोग का फैसला

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि आयोग किसी प्रभाव में आकर मृतकों, स्थायी रूप से पलायन कर चुके लोगों या कई जगहों पर मतदाता के रूप में दर्ज लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं कर सकता।

उनकी यह टिप्पणी विपक्षी दलों द्वारा बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर आयोग पर बढ़ते हमलों के बीच आई है। विपक्ष का दावा है कि इस कदम से करोड़ों पात्र नागरिक मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। आयोग के अनुसार, उन्होंने कहा, क्या निर्वाचन आयोग द्वारा पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से तैयार की जा रही शुद्ध मतदाता सूची निष्पक्ष चुनाव और मजबूत लोकतंत्र की नींव नहीं है? उन्होंने कहा कि पहले बिहार में और बाद में पूरे देश में अपात्र लोगों को वोट देने की अनुमति देना संविधान के विरुद्ध है।

शाह ने सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने के लिए नई राष्ट्रीय नीति की पेश

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को सहकारिता क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए एक नई राष्ट्रीय नीति की घोषणा की। इस नीति का उद्देश्य हर गांव में अधिक पेशेवर रूप से प्रबंधित और वित्तीय रूप से स्वतंत्र सहकारी संगठन बनाना है। सहकारी समितियों के लिए इसी तरह की नीति वर्ष 2002 में लाई गई थी।

उस समय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सत्ता में था। 23 साल बाद नई नीति लाई गई है। 'राष्ट्रीय सहकारिता नीति - 2025' का अनावरण करते हुए, शाह ने ज़ोर देकर कहा कि सहकारिताएं, कराधान सहित सभी पहलुओं में कॉरपोरेट क्षेत्र के बराबर हैं। उन्होंने राज्यों से नई नीति को जल्द से जल्द लागू करने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि सहकारी क्षेत्र में भारत के लिए विकास लाने की क्षमता है।

- 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य मुख्य उद्देश्य

भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। उन्होंने कहा कि इस मिशन का उद्देश्य सहकारी संगठनों को पेशेवर, पारदर्शी, तकनीक से लैस और वित्तीय रूप से स्वतंत्र होने के साथ-साथ सफल भी बनाना है। शाह ने कहा, देश के हर गांव में कम से कम एक सहकारी संस्था स्थापित करने का लक्ष्य है।

वर्ल्ड ब्रीफ

शंकराचार्य मंदिर पहुंचा शिव का पवित्र दंड

श्रीनगर। भगवान शिव के पवित्र दंड 'छड़ी मुबारक' को सदियों पुरानी परंपरा के अनुरूप 'हरियाली अमावस्या' (श्रावण अमावस्या) के अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना के लिए बृहस्पतिवार को यहां ऐतिहासिक शंकराचार्य मंदिर ले जाया गया। महंत दीपेंद्र गिरि के नेतृत्व में छड़ी मुबारक को वार्षिक अमरनाथ यात्रा के तहत पूजा-अर्चना के लिए गोपाद्री पहाड़ियों पर स्थित मंदिर ले जाया गया। 'छड़ी मुबारक' के संरक्षक गिरि ने बताया कि 'छड़ी मुबारक' को यहां लाल चौक के निकट दशनामी अखाड़ा स्थित उसके निवास स्थान से मंदिर लाया गया, जहां पूजन किया गया।

थाईलैंड-कंबोडिया में सीमा विवाद तेज, 9 मरे

बैंकॉक। थाईलैंड और कंबोडिया में चल रहा सीमा विवाद गुरुवार को खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया जिसमें थाईलैंड के नौ नागरिकों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। देर शाम तक दोनों देशों के सीमांत इलाकों में रुक-रुक कर गोलीबारी होती रही। 'बैंकाक पोस्ट' ने जानकारी दी है कि कंबोडिया के हमले में एक बच्चे सहित नौ थाई नागरिकों मारे गए और 14 अन्य घायल हो गए। जबकि कंबोडिया में हताहतों की जानकारी नहीं मिल सकी। रायल थाई आर्मी के हवाले से बताया गया कि कंबोडिया की सेना ने रॉकेट दागे और आम लोगों को निशाना बनाया।

आईएईए के दौरे के लिए सहमत हुआ ईरान

संयुक्त राष्ट्र। ईरान ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु उर्जा एजेंसी (आईएईए) की एक तकनीकी टीम को देश में आने की अनुमति दे दी है। ईरान के कानून और अंतर्राष्ट्रीय मामलों के उप-विदेश मंत्री काजम गरीबाबादी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आईएईए की टीम अगले दो-तीन सप्ताह में आएगी। गरीबाबादी ने कहा, आईएईए का एक प्रतिनिधिमंडल अगले दो-तीन सप्ताह में आने वाला है। वे कामकाज के तौरतरीकों पर बातचित करने के लिए आ रहे हैं न कि परमाणु स्थलों पर जाने के लिए। हमारा परमाणु उर्जा संगठन परमाणु संयंत्रों को हुए क्षति का आकलन कर रहा है।

वाहनों में 6 एयरबैग की मांग वाली याचिका रद्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यात्री वाहनों में छह एयरबैग लगाए जाने का अनुरोध करने वाली याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी और कहा कि यह मामला पूरी तरह नीतिगत दायरे में आता है। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह सरकार को अभ्यावेदन दे। याचिकाकर्ता ने कहा कि वह 17 मई को सरकार को अभ्यावेदन दे चुके हैं।

अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए नए ऊष्मा स्रोत ईंधन का परीक्षण

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने पृथ्वी से लाखों मील दूर अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए नए ऊष्मा स्रोत ईंधन का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।

गहरे अंतरिक्ष में अज्ञात चीजों का पता लगाने को अंतरिक्ष यान में पर्याप्त शक्ति होना अत्यंत आवश्यक है। नासा के रेडियोआइसोटोप पावर सिस्टम इन अभियानों के लिए एक व्यवहार्य विकल्प हैं जिसका उपयोग 60 वर्षों से किया जा रहा है। ये परमाणु बैटरी अंतरिक्ष यानों और विज्ञान उपकरणों को दीर्घकालिक विद्युत शक्ति प्रदान करती हैं। नासा ने

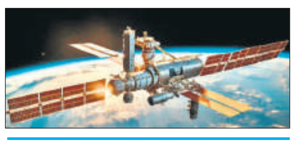

- गहरे अंतरिक्ष में यान की पर्याप्त शक्ति की जरूरत करेगा पूरी

कहा कि अब नासा एक नए प्रकार के आरपीएस ऊष्मा स्रोत ईंधन का परीक्षण कर रहा है जो भविष्य में चरम वातावरण में लंबी अवधि की यात्राओं के लिए अतिरिक्त विकल्प बन सकता है। ऐतिहासिक रूप से, रेडियोआइसोटोप प्लूटोनियम-238 नासा का पसंदीदा आरपीएस ऊष्मा स्रोत ईंधन रहा है जबकि दो दशकों से अमेरिकियम-241 यूरोप में पसंदीदा रहा है।

माइक्रोप्लास्टिक के खतरे

विकसित देशों की तुलना में भारत में ज्यादा

माइक्रोप्लास्टिक वैसे तो एक वैश्विक पर्यावरणीय संकट बन चुका है जो न केवल प्रकृति बल्कि मानव और पशु स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बनता जा रहा है लेकिन भारत जैसे विकासशील देशों में इसका खतरा अपेक्षाकृत ज्यादा है। माइक्रोप्लास्टिक एक अदृश्य लेकिन गंभीर संकट है और इसका गहरा असर हवा, पानी, भोजन और स्वास्थ्य पर हो रहा है। मानव ही नहीं, जानवर भी इस संकट से अछूते नहीं हैं। इस खतरे से बचाव के लिए प्रभावी नीतियों के अलाव वैज्ञानिक अनुसंधान और जान भागीदारी की भी त्वरित आवश्यकता है लेकिन विडंबना है कि इस दिशा में किए जाने वाले प्रयास काफी कम हैं और जो प्रयास किए जा रहे हैं, वे कोई ज्यादा असरदार साबित नहीं हो रहे हैं।

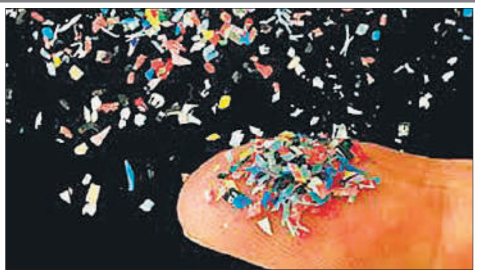

कैसे मिलते हैं वातावरण में

- सूरज की अल्ट्रा वायलेट किरणों, घर्षण और समुद्र की लहरों से प्लास्टिक धीरे-धीरे टूटकर छोटे-छोटे कणों में बदल जाता है।
- ये कण पानी, हवा, मिट्टी में मिल जाते हैं और लंबे समय तक नष्ट नहीं होते। हवा और दूसरे माध्यमों से मानव शरीर में पहुंचते हैं।
- वॉशिंग मशीन से निकले सिंथेटिक फाइबर, टायर का घर्षण, माइक्रोबीड्स युक्त सौंदर्य प्रसाधन भी इनका प्रमुख स्रोत हैं।

क्या होती है माइक्रोप्लास्टिक

माइक्रोप्लास्टिक यानी 5 मिमी से छोटे आकार के प्लास्टिक कण जो मुख्यत: दो तरह के होते हैं।

- **प्राथमिक माइक्रोप्लास्टिक :** ये प्लास्टिक के छोटे कण होते हैं जिन्हें सौंदर्य प्रसाधनों, व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों और औद्योगिक अनुप्रयोगों में उपयोग के लिए जानबूझकर बनाया जाता है। उदाहरण के लिए, माइक्रोबीड्स जो एक्सफोलिएटिंग उत्पादों में पाए जाते हैं, ये प्राथमिक माइक्रोप्लास्टिक हैं।
- **द्वितीयक माइक्रोप्लास्टिक :** ये बड़े प्लास्टिक के सामानों के टूटने से बनते हैं, जैसे कि प्लास्टिक की बोतलें, पैकेजिंग, और सिंथेटिक कपड़े. सूर्य के प्रकाश, गर्मी, हवा और लहरों के संपर्क में आने से बड़े प्लास्टिक के टुकड़े टूटकर छोटे कणों में बदल जाते हैं, जो अंतत: माइक्रोप्लास्टिक बन जाते हैं।

मानव स्वास्थ्य पर खतरे

- माइक्रोप्लास्टिक पीने के पानी, खाद्य पदार्थों जैसे मछली, नमक, शहद, दूध और हवा के जरिए इंसानों के शरीर में प्रवेश कर रहे हैं।
- ये शरीर में जाकर सूजन, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, और हार्मोनल असंतुलन पैदा कर सकते हैं। इनसे गंभीर रोग पैदा हो सकते हैं।
- कुछ अनुसंधानों में माइक्रोप्लास्टिस की वजह से फेफड़ों, लिवर, आंतों और यहां तक कि मस्तिष्क में सूक्ष्म स्तर पर क्षति देखी गई है।
- एक ताजा रिसर्च के अनुसार इंसान हर हफ्ते 5 ग्राम माइक्रोप्लास्टिक निगल सकता है जो एक क्रेडिट कार्ड के बराबर हो सकती है।

चिंताजनक : पर्याप्त नहीं प्रयास, निष्फलता ज्यादा

माइक्रोप्लास्टिक के बड़े खतरे सामने आने के बाद प्रतिबंध तो लगाए गए हैं लेकिन इसके बावजूद सिंगल यूज प्लास्टिक का अवैध उपयोग जारी है और सुधार की प्रगति काफी धीमी है। जन जागरूकता की कमी, कचरा पृथक्करण की असफलता और रिसाइक्लिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी से संकट जस का तस बना हुआ है। सरकार, उद्योग और आम जनता तीनों के संयुक्त प्रयासों की कमी से स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है।

संबंध बनाने की सहमति उम्र 18 से घटाकर 16 करने की सिफारिश

शीर्ष कोर्ट में किशोरावस्था की यौन गतिविधियों के अपराधीकरण को चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यायमित्र और वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने सहमति से शारीरिक संबंध बनाने के लिये वैधानिक उम्र 18 वर्ष से घटाकर 16 वर्ष करने की शीर्ष अदालत से सिफारिश की है। चर्चित 'निपुण सक्सेना बनाम भारत संघ' मामले में शीर्ष अदालत की सहायता करने वाली न्यायमित्र जयसिंह ने पॉक्सो एक्ट 2012 और आईपीसी की धारा 375 के तहत 16 से 18 वर्ष की आयु के किशोर एवं किशोरियों से जुड़ी यौन गतिविधियों को पूर्ण अपराधीकरण करने को चुनौती देते हुए लिखित प्रस्तुतियां दी हैं।

उन्होंने दलील दी कि वर्तमान कानून किशोरों के बीच सहमति से बनाए गए प्रेम संबंधों को अपराध मानता है और उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। जयसिंह ने कहा कि कानूनी ढांचा किशोरों के बीच सहमति से बने संबंधों को गलत तरीके से दुर्व्यवहार के बराबर मानता है, तथा उनकी स्वायत्तता, परिपक्वता और सहमति देने की क्षमता को नजरअंदाज करता है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा, सहमति की आयु 16 से बढ़ाकर 18 वर्ष करने को उचित ठहराने के लिए कोई तर्कसंगत कारण या अकाट्य आंकड़ा नहीं है। उन्होंने कहा कि आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2013 द्वारा इसे बढ़ाए जाने से पहले 70 वर्षों से अधिक समय तक यौन सहमति की आयु सीमा 16 वर्ष ही रही थी।

जयसिंह ने कहा कि शारीरिक संबंध बनाने के लिए सहमति की उम्र में वृद्धि बिना किसी बहस के की गई थी, और यह न्यायमूर्ति वर्मा समिति की सिफारिश के विरुद्ध है। इस समस्या के समाधान के लिए, उन्होंने न्यायालय से कानून में आयु के निकट अपवाद को शामिल करने का आग्रह किया, जो 16 से 18 वर्ष की आयु के किशोरों के बीच सहमति से किए गए यौन कृत्यों को पॉक्सो और आईपीसी के तहत अभियोजन से छूट देगा। उन्होंने कहा, किशोरों के बीच यौन संबंधों को अपराध घोषित करना मनमाना, असंवैधानिक और बच्चों के सर्वोत्तम हितों के विरुद्ध है।

वरिष्ठ अधिवक्ता ने न्यायालय से कानून में 'आयु के निकट' अपवाद को शामिल करने का आग्रह किया, जो 16 से 18 वर्ष की आयु के किशोरों के बीच सहमति से किए गए यौन कृत्यों को पॉक्सो और आईपीसी के तहत अभियोजन से छूट देगा।

- वरिष्ठ अधिवक्ता न्यायमित्र इंदिरा जयसिंह ने दीं लिखित प्रस्तुतियां

वरिष्ठ अधिवक्ता के तीन तर्क ...

- आजकल किशोर समय से पहले ही यौवन प्राप्त कर लेते हैं और अपनी पसंद के रोमांटिक और यौन संबंध बनाने में सक्षम होते हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के निष्कर्षों सहित वैज्ञानिक और सामाजिक आंकड़े बताते हैं कि किशोरों में यौन गतिविधियां असामान्य नहीं हैं।
- जयसिंह ने 2017 और 2021 के बीच 16-18 वर्ष की आयु के नाबालिगों से जुड़े पॉक्सो कानून के तहत अभियोजन में 180 प्रतिशत की वृद्धि का हवाला दिया। कहा, अंतरजातीय या अंतरधार्मिक संबंधों से जुड़े मामलों में अधिकतर शिकायतें अक्सर लड़की की इच्छा के विरुद्ध माता-पिता द्वारा दर्ज कराई जाती हैं।
- न्यायमित्र ने चेतावनी देते हुए कहा कि सहमति से यौन संबंध को अपराध घोषित करने से युवा जोड़ों को खुले संवाद और शिक्षा को प्रोत्साहित करने के बजाय छिपने, शादी करने या कानूनी परेशानी में पड़ने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों और भारतीय न्यायशास्त्र का दिया हवाला

वरिष्ठ अधिवक्ता ने अंतरराष्ट्रीय मानदंडों और भारतीय न्यायशास्त्र का हवाला देते हुए तर्क दिया कि कानूनी क्षमता सख्ती से उम्रबाधित नहीं है। जयसिंह ने बंबई, मद्रास और मेघालय सहित विभिन्न उच्च न्यायालयों के रुझानों की ओर भी इशारा किया गया है, जहां जजों ने पॉक्सो के तहत किशोर लड़कों के खिलाफ स्वत: मुकदमा चलाने पर असहमति जताई है। उन्होंने कहा कि इन न्यायालयों ने रेखांकित किया कि नाबालिगों से संबंधित सभी यौन कृत्य बलपूर्वक नहीं होते हैं, तथा कानून को दुर्व्यवहार और सहमति से बने संबंधों के बीच अंतर करना चाहिए। जयसिंह ने शीर्ष अदालत से आग्रह किया कि 16 से 18 वर्ष की आयु के किशोरों के बीच सहमति से बनाए गए यौन संबंध को दुर्व्यवहार नहीं माना जाना चाहिए और इसे पॉक्सो तथा दुष्कर्म कानूनों के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। उन्होंने पॉक्सो की धारा 19 के तहत अनिवार्य अभ्यावेदन दायित्वों की समीक्षा का आह्वान किया, जो किशोरों को सुरक्षित चिकित्सा देखभाल प्राप्त करने से रोकता है।

> यौन स्वायत्तता मानव गरिमा का हिस्सा है, और किशोरों को अपने शरीर के बारे में विकल्प चुनने की क्षमता से वंचित करना संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 19 और 21 का उल्लंघन है।
> – इंदिरा जयसिंह

पूर्वजों को श्रद्धांजलि

तमिलनाडु के कन्याकुमारी त्रिसमुद्री स्थल पर आदि अमावस्या के अवसर पर लोग गुरुवार सुबह अपने पूर्वजों को श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्रित हुए। कन्याकुमारी जिले में इस परंपरागत आयोजन के दिन सरकारी अवकाश रहता है। एजेंसी

भारत ने किया गाजा में संघर्षविराम का आह्वान

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने गाजा में जारी मानवीय संकट पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वहां संघर्षविराम जरूरी है और यह भी स्पष्ट किया कि बीच-बीच में संघर्षविराम क्षेत्र की जनता के सामने मौजूद चुनौतियों को दूर करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बुधवार को हुई एक चर्चा में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने कहा, आज की बैठक गाजा में जारी मानवीय संकट की पृष्ठभूमि में हो रही है। हरीश ने 'फलस्तीन समेत पश्चिम एशिया में स्थिति' पर एक बहस में भाग लेते हुए कहा, बीच-बीच में संघर्षविराम, लोगों के सामने आ रही मानवीय चुनौतियों से निपटने के लिए पर्याप्त नहीं है।

अल्ट्रा लॉन्ग उड़ानों के लिए एअर इंडिया को चार कारण बताओ नोटिस

मुंबई, एजेंसी

विमानन नियामक डीजीसीए ने एअर इंडिया को चालक दल के सदस्यों के आराम और ड्यूटी मानदंडों, प्रशिक्षण नियमों और परिचालन प्रक्रियाओं से संबंधित विभिन्न उल्लंघनों के लिए चार कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं।

एअरलाइन द्वारा नियामक के समक्ष कुछ स्वैच्छिक खुलासे करने के एक महीने बाद ये नोटिस जारी किए गए हैं। सूत्रों ने बताया कि एअरलाइन की ओर से 20 और 21 जून को डीजीसीए के समक्ष किए गए स्वैच्छिक खुलासे के आधार पर 23 जुलाई को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, हमें नियामक से ये नोटिस प्राप्त हुए हैं, जो पिछले एक साल में एअर इंडिया द्वारा किए गए कुछ स्वैच्छिक खुलासों से संबंधित हैं। हम निर्धारित अवधि के भीतर इन नोटिस का जवाब देंगे।

सूत्रों ने बताया कि एअर इंडिया द्वारा 20 जून को किए गए स्वैच्छिक खुलासे के आधार पर तीन कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं,

- 16 घंटे से ज्यादा लंबी उड़ानें कहलाती हैं अल्ट्रा लॉन्ग

जिनमें कम से कम चार 'अल्ट्रा लॉन्ग हॉल' उड़ानों के संबंध में चालक दल की ड्यूटी और विश्राम नियमों का उल्लंघन शामिल है। इनमें से दो उड़ानें 27 अप्रैल को और एक-एक उड़ान 28 अप्रैल और दो मई को संचालित की गई थी।

संयुक्त रूप से 16 घंटे से अधिक समय तक चलने वाली किसी भी उड़ान को 'अल्ट्रा लॉन्ग' कहते हैं। सूत्रों के अनुसार, कम से कम चार उड़ानों के संबंध में चालक दल के प्रशिक्षण और परिचालन प्रक्रिया का भी उल्लंघन हुआ, जिनमें 26 जुलाई, 2024 और नौ अक्टूबर, 2024 तथा 22 अप्रैल, 2025 को संचालित उड़ानें शामिल हैं। हाल के दिनों में, एअर इंडिया कुछ उल्लंघनों के लिए नियामकीय जांच के घेरे में रही है। इस बीच, 12 जून को लंदन के गैटविक जा रहा एअर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान अहमदाबाद से उड़ान भरने के तुरंत बाद एक इमारत से टकरा गया। इस दुर्घटना में 260 लोगों की मौत हो गई थी।

बांग्लादेश: राजद्रोह और जालसाजी के मामले में पूर्व सीजेआई हिरासत में

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के पूर्व प्रधान न्यायाधीश एबीएम खैर-उल-हक को राजद्रोह के आरोप सहित तीन आपराधिक मामलों में बृहस्पतिवार को हिरासत में लिया गया है।

हक 2010 से 2011 तक देश के 19वें प्रधान न्यायाधीश रहे थे। उन्हें ऐतिहासिक फैसले सुनाने के लिए जाना जाता है। उनकी अगुवाई वाली पीठ ने 2011 में व्यवस्था देते हुए बांग्लादेश की गैर-दलीय कार्यवाहक सरकार प्रणाली को असंवैधानिक घोषित किया गया था। ढाका मेट्रोपोलिटन पुलिस के उपायुक्त तालिब-उर-रहमान ने संवाददाताओं को बताया कि जासूसी शाखा के अधिकारियों ने 81 वर्षीय पूर्व न्यायाधीश को राजधानी के धनमंडी इलाके में उनके आवास से हिरासत में लिया।

रहमान ने कहा, हक तीन मामलों में आरोपी हैं। कानूनी प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधान न्यायाधीश को अदालत में पेश करने से पहले कम से कम एक मामले में गिरफ्तार किया जा सकता है।

जन्मजात नागरिकता : ट्रंप के फैसले पर रोक बरकरार

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका की एक संघीय अपील अदालत ने बुधवार को एक फैसले में कहा कि जन्म आधारित नागरिकता को समाप्त करने संबंधी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आदेश असंवैधानिक है। अदालत ने साथ ही देशभर में ट्रंप के फैसले पर अमल पर रोक लगाने वाले अधीनस्थ अदालत के फैसले को बरकरार रखा।

यह फैसला '9वीं अमेरिकी सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स' के तीन न्यायाधीशों के पैनल ने सुनाया, इससे पहले न्यू हैम्पशायर के एक संघीय जज ने ट्रंप के आदेश पर रोक लगाई थी। अपील अदालत के फैसले से ट्रंप प्रशासन पर उस आदेश को लागू करने पर रोक रहेगी जो अवैध रूप से या अस्थायी रूप से अमेरिका में

- आदेश को संघीय अपील कोर्ट ने असंवैधानिक बताया, निचली अदालत का देश भर में रोक का फैसला बरकरार

रहने वाले लोगों के बच्चों को नागरिकता देने से इनकार करता है। अदालत ने अपने आदेश में कहा, डिस्ट्रिक कोर्ट ने सही निष्कर्ष निकाला है कि शासकीय आदेश की प्रस्तावित व्याख्या, जो अमेरिका में जन्मे कई लोगों को नागरिकता से वंचित करती है असंवैधानिक है। हम इससे पूरी तरह सहमत हैं। अदालत के फैसले पर फिलहाल 'व्हाइट हाउस' और न्याय मंत्रालय ने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है।

भारतीयों को काम देने और चीन में कारखाने लगाने के दिन गए

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन में कारखाने लगाने और भारत में लोगों को काम पर रखने के लिए अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों की आलोचना की और आगाह किया कि ऐसा करने के दिन अब लद चुके हैं। ट्रंप ने यह टिप्पणी बुधवार को एआई शिखर सम्मेलन में की, जहां उन्होंने एआई संबंधी तीन कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए। इसमें एआई के उपयोग के लिए व्हाइट हाउस की कार्य योजना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि बहुत लंबे समय तक अमेरिका का अधिकतर प्रौद्योगिकी उद्योग कट्टरपंथी वैश्वीकरण का अनुसरण करता रहा, जिसके कारण लाखों अमेरिकी ठगा महसूस करते रहे हैं।

आज का भविष्यफल -पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 25 जुलाई, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा 11.22 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

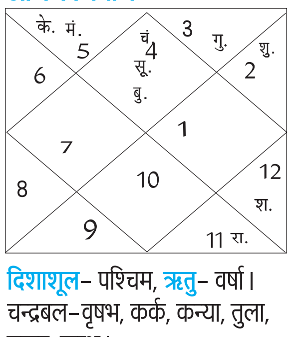

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वर्षा। चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भ। ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र-पुण्य 16.00 तक तत्पश्चात अश्लेशा।

मेष — आज मानसिक तनाव का असर आपके काम और पारिवारिक जीवन पर पड़ सकता है। प्रबुद्ध व्यक्तियों के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगे। घर के छोटे-छोटे काम को आज प्राथमिकता देंगे। कारोबार में सहकर्मियों के रवैये से नाखुश हो सकते हैं।

वृष — आज कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां आपके लिए अनुकूल रहेंगी। जॉब में आप बड़ा बदलाव कर सकते हैं। बहुमूल्य वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं। वैवाहिक जीवन का तनाव दूर होगा। बौद्धिक कार्यों में आप काफी ध्यान देंगे। समाज में आपकी ख्याति में वृद्धि होगी।

मिथुन — आज विदेशी संस्थानों से जॉब के ऑफर मिल सकते हैं। करियर को लेकर नई दिशा प्राप्त हो सकती है। जीवनसाथी से परामर्श लेना लाभकारी होगा। वैचारिक मतभेदों को अपने व्यक्तिगत संबंधों पर हावी न होने दें। आपको एकसाथ अनेक कार्य करने पड़ सकते हैं।

कर्क — आज युवा उद्यमियों को सम्मान मिल सकता है। मित्रों से वैचारिक मतभेद दूर होंगे। धार्मिक कार्यक्रमों में भागीदारी बढ़ेगी। घर की सुख-शांति बनी रहेगी। आपकी आय में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं। कला जगत से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष शुभ है।

सिंह — आज का दिन सामान्य फलदायी रहेगा। परिजनों के साथ बैठकर गम्भीर मुद्दों पर चर्चा करेंगे। दैनिक कार्यों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। आसपास के लोगों के व्यवहार पर नजर बनाये रखें। कब्ज और गैस की समस्या बढ़ सकती है।

कन्या — आज आप अत्यन्त ऊर्जावान महसूस करेंगे। शारीरिक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। पुराने रोगों की बाधा समाप्त होगी। पूजा-पाठ और सत्संग में आप भाग लेंगे। खानपान पर आप अत्यधिक धन खर्च करेंगे। नौकरीपेशा लोगों की आय में वृद्धि होगी।

तुला — आज विद्यार्थी उच्च शिक्षा को लेकर काफी सावधान रहेंगे। लोगों से आपकी जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। घर में बुजुर्ग आपके विचारों से सहमत रहेंगे। प्रेम संबंधों में आपको थोड़ी असुविधाओं का सामना करना पड़ेगा। विपरीत लिंग के जातकों के प्रति आकर्षित रहेंगे।

वृश्चिक — आज वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। मन की चञ्चलता पर नियंत्रण रखें। कर्ज और उधार चुकाने के लिये दिन बहुत अच्छा है। लोगों की अपेक्षाओं पर आप खरे उतरेंगे। अपने विचारों को लेकर थोड़े स्पष्ट रहें। जीवनसाथी की अहमियत को समझें।

धनु — आज आपकी परिस्थितियां प्रतिकूल हो सकती हैं। इसीलिए आपको सोच-समझकर ही निर्णय लेने चाहिए। जीवनसाथी को स्वास्थ्य समस्या होगी। पेट के विकार परेशान कर सकते हैं। ईर्ष्यालु लोग आपके विषय में गलत बातें प्रसारित कर सकते हैं।

मकर — आज आपकी कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। परिजनों का व्यवहार आपके प्रति बहुत ही अच्छा रहेगा। अपनी सफलता का भरपूर आनंद उठायेंगे। मित्र आपकी प्रत्येक कार्य में सहायता करेंगे। जीवनसाथी के प्रति प्रेम भाव उत्पन्न होगा। समाज में आपका वर्चस्व बढ़ेगा।

कुंभ — आज आपका स्वभाव थोड़ा अड़ियल रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों की परेशानियां दूर होंगी। पढ़ाई में आपको काफी मेहनत करनी पड़ेगी। आय के नए स्रोत विकसित हो सकते हैं। उधार दिया हुआ धन आपको वापस करना पड़ेगा। परिवार में मांगलिक कार्यक्रम की रूपरेखा बनेगी।

मीन — आज आपके ऊपर जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। नए काम की शुरुआत करने का विचार बनायेंगे। संतान की सफलता से उत्साहित रहेंगे। अपनी गलतियों को सुधारने के लिए दिन बहुत अच्छा है। मार्केटिंग संबंधी कार्यों से धन लाभ होगा।

सुडोकू-49

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			6				8	
	8	9			4			5
3			2			7		
	2			8	9			6
		7				3	9	
9				1			4	
		1			7			8
4			1			9	5	
	9				5			

सुडोकू - 48का हल

7	6	5	9	3	1	2	4	8
9	4	3	6	2	8	1	5	7
8	2	1	5	7	4	3	9	6
5	9	6	8	1	3	7	2	4
3	7	4	2	5	9	8	6	1
1	8	2	7	4	6	9	3	5
4	3	7	1	6	2	5	8	9
6	1	9	3	8	5	4	7	2
2	5	8	4	9	7	6	1	3

"इंग्लैंड में जीतना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है और टी-20 तथा वनडे दोनों में ऐसा करना टीम की तैयारी और मानसिकता के बारे में बहुत कुछ बयां करता है। इस शानदार प्रदर्शन से टीम का आत्मविश्वास बढ़ेगा।
–सचिन तेंदुलकर

स्टेडियम

मुरादाबाद, शुक्रवार, 25 जुलाई 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

स्पोर्ट्स हाईलाइट

सिंगापुर में विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप में कनाडा की खिलाड़ी कलात्मक तैराकी के महिला युगल फ्री फाइनल में प्रतिस्पर्धा करती हुईं।

डॉसन से इंग्लैंड को मजबूती मिली : वॉन

मैनचेस्टर : इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि बायें हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन को टीम में शामिल करने से मेजबान टीम को मजबूती मिली है क्योंकि वह ऑलराउंडर हैं और टीम को आवश्यक संतुलन प्रदान करते हैं। शोएब बशीर की चोट के कारण आठ साल के अंतराल के बाद अंतिम एकादश में शामिल किए गए 35 वर्षीय डॉसन ने भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच के पहले दिन शानदार फॉर्म में चल रहे यशस्वी जायसवाल को अपनी सातवीं गेंद पर ही आउट करके अपना प्रभाव छोड़ा। वॉन ने कहा वह ऐसे क्रिकेटर हैं जिनसे कप्तान अच्छी गेंदबाजी, अच्छी बल्लेबाजी और अच्छी फील्डिंग की उम्मीद कर सकता है।

ईएफआई की साख कम हो रही है: कुरैशी

नई दिल्ली : अदालत द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक एसवाई कुरैशी ने भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) के कामकाज का आकलन करने के बाद चुनाव कराने की मांग करते हुए कहा इसके कार्यकारी समिति के सदस्यों के बीच अंतहीन कलह खेल संस्था की साख कम कर रही है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने नवंबर 2019 में राजस्थान घुड़सवारी संघ की एक याचिका का जवाब देते हुए पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त कुरैशी को ईएफआई के कामकाज की देखरेख का जिम्मा सौंपा था। उच्च न्यायालय ने 29 मई 2024 को अंतरिम व्यवस्था के रूप में नवंबर 2019 में चुनी गई कार्यकारी समिति को बहाल कर दिया था।

आईओए ने सीईओ को लेकर विवाद खत्म किया

नई दिल्ली : भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की कार्यकारी परिषद ने बृहस्पतिवार को एक लंबे विवाद को खत्म करते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रघुराम अय्यर की नियुक्ति को मंजूरी दे दी और डोपिंग से निपटने के लिए एक पैनल का गठन किया। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक परिषद (आईओसी) ने 2036 ओलंपिक की दावेदारी के लिए भारतीय प्रतिनिधिमंडल के दौरे के दौरान डोपिंग में देश के खराब रिकॉर्ड पर चिंता जताई थी, इसलिए इससे निपटना काफी अहम है। कार्यकारी परिषद के सदस्यों ने जनवरी 2024 में अध्यक्ष पीटी उषा द्वारा की गई अय्यर की नियुक्ति को मंजूरी देने से इनकार कर दिया था जिसका मुख्य कारण उनका 20 लाख रुपये प्रति माह का वेतन और अन्य भत्ते थे।

नागल टैम्पियर ओपन के क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली : भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने नीदरलैंड के मैक्स हूकेस को हराकर टैम्पियर चैलेंजर स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं अर्जुन काधे और विजय सुंदर प्रशांत स्विट्जरलैंड में जुग ओपन के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में हार गए। मैच के लिए सर्विस करते हुए नागल को दूसरे सेट के 10वें गेम में कई ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा लेकिन वह 6-2, 6-4 से जीत के साथ अगले दौर में जगह बनाने में सफल रहे।

जमशेदपुर ने त्रिभुवन को 3-2 से हराया

जमशेदपुर : जमशेदपुर एफसी ने गुरुवार को 134वें डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ग्रुप सी के पहले मैच में नेपाल की त्रिभुवन आर्मी एफसी (टीएएफसी) को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हरा दिया। नेपाल आर्मी की टीम ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दो बार बराबरी का गोल किया लेकिन निखिल बारला के गोल ने जमशेदपुर एफसी की जीत के साथ शुरुआत सुनिश्चित की। जमशेदपुर के लिए सार्थक गोलौई और मनवीर सिंह ने शुरुआती दो गोल किए जबकि त्रिभुवन आर्मी एफसी के लिए कप्तान जॉर्ज प्रिंस कार्की और अनंत तमांग ने गोल किए।

भारत की पारी 358 रन पर सीमित बेन स्टोक्स ने झटके पांच विकेट

चौथे टेस्ट मैच का दूसरा दिन : इंग्लैंड ने चाय तक बिना विकेट खोए 77 रन बनाए

मैनचेस्टर, एजेंसी

ऋषभ पंत ने पैर में फ्रैक्चर के बावजूद अर्धशतक जड़ा लेकिन इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (72 रन पर पांच विकेट) ने आठ साल में पहली बार पांच विकेट चटकाकर भारत को चौथे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन चाय से पूर्व पहली पारी में 358 रन पर समेट दिया। इंग्लैंड ने इसके जवाब में तेज शुरुआत करते हुए चाय तक 14 ओवर में बिना विकेट खोए 77 रन बनाए। बेन डकेट 43 जबकि जैक क्रॉली 33 रन बनाकर खेल रहे हैं।

भारतीय तेज गेंदबाजों ने अच्छी शुरुआत नहीं की और दिशाहीन गेंदबाजी की। पदार्पण कर रहे तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज अपने दो छोटे स्पैल में विकेट हासिल नहीं कर पाए जबकि अनुभवी जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके। सत्र का आकर्षण हालांकि पंत रहे जिन्होंने चलने में हो रही परेशानी के बावजूद 75 गेंद में 54 रन की पारी खेली। पंत ने जोफ्रा आर्चर (73 रन पर तीन विकेट) की धीमी गेंद पर मिडविकेट और स्क्वायर लेग के बीच से छक्का जड़ा और फिर स्टोक्स को कवर के ऊपर से चौका लगाकर यादगार अर्धशतक पूरा किया।

इस पारी के लिए खचाखच भरे स्टेडियम में दर्शकों ने खड़े होकर तालियां बजाई गईं। आर्चर ने आखिरकार जब पंत को बोल्ड किया तो विरोधी टीम ने भी उनकी साहसिक पारी के महत्व को स्वीकारा और जो रूट ने उनकी पीठ थपथपाई। स्टोक्स ने कंबोज को विकेट के पीछे कैच कराकर पारी में पांच विकेट पूरे किए जबकि आर्चर ने जसप्रीत बुमराह को विकेटकीपर जेमी स्मिथ के हाथों कैच कराके भारत की पारी का अंत किया। सुबह के सत्र में पंत पैर में फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी करने उतरे जबकि शारदुल ठाकुर ने जुझारू पारी खेलकर लंच तक भारत को छह विकेट पर 321 रन तक पहुंचाया। भारत ने दिन की शुरुआत चार विकेट पर 264 रन से की। आसमान में छाए बदलों के बीच इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों विशेषकर आर्चर की गेंद काफी सीम और स्विंग कर रही थी। आर्चर को उनके शुरुआती स्पेल में अधिकांश समय बल्लेबाजों को खेलने में काफी परेशानी हुई।

स्टोक्स की गुड लेंथ की कुछ गेंदों ने काफी उछाल हासिल किया जिससे बल्लेबाजों की मुश्किलों और बढ़ गईं। इंग्लैंड ने दिन की शुरुआत में ही नई गेंद ली और क्रिस वोक्स को थमाई लेकिन मेजबान टीम को शुरुआती सफलता आर्चर के अगले ओवर में मिली।

ओल्ड ट्रैफर्ड क्रिकेट ग्राउंड पर मैच के दूसरे दिन गेंद लगने से वाशिंगटन सुंदर का संतुलन बिगड़ गया। एजेंसी

भारत पहली पारी

358/10 (114.1 ओवर)

जायसवाल का ब्रूक बो डॉसन	58
केएल राहुल का क्रॉली बो वोक्स	46
सुदर्शन का कार्स बो स्टोक्स	61
शुभमन गिल पगबाधा बो स्टोक्स	12
ऋषभ पंत बो आर्चर	54
रविंद्र जडेजा का ब्रूक बो आर्चर	20
शारदुल का डकेट बो स्टोक्स	41
वाशिंगटन का वोक्स बो स्टोक्स	27
कंबोज का स्मिथ बो स्टोक्स	00
बुमराह का स्मिथ बो आर्चर	04
मोहम्मद सिराज नाबाद	05

अतिरिक्त : 30, **गेंदबाजी** : वोक्स 23-5-66-1, आर्चर 26.1-3-73-3, कार्स 21-1-71-0, स्टोक्स 24-3-72-5, डॉसन 15-1-45-1, रूट 5-0-19-0

भारतीय टीम अगले साल इंग्लैंड में पांच टी20 और तीन वनडे खेलेगी

मैनचेस्टर : इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने गुरुवार को घोषणा की कि भारत अगले साल सीमित ओवरों की शृंखला के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगा जिसमें पांच टी20 अंतर्राष्ट्रीय और तीन एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच शामिल हैं। भारत का दौरा एक जुलाई को डरहम में टी-20 मैच से शुरू होगा, जिसके बाद मैनचेस्टर (चार जुलाई), नॉटिंघम (सात जुलाई), ब्रिस्टल (नौ जुलाई) और साउथम्प्टन (11 जुलाई) में मैच खेले जाएंगे। दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय शृंखला 14 जुलाई से बर्मिंघम में शुरू होगी। इसके बाद 16 जुलाई को कार्डिफ और 19 जुलाई को लॉर्ड्स में मैच खेले जाएंगे। भारतीय महिला टीम भी अगले साल फिर से इंग्लैंड का दौरा करेगी। वह इंग्लैंड की महिला टीम के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और एक टेस्ट मैच खेलेगी। टी20 श्रृंखला 28 मई को चेम्सफोर्ड में शुरू होगी। 30 मई को ब्रिस्टल और दो जून को टॉन्टन में मैच खेले जाएंगे। एकमात्र टेस्ट मैच 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा।

ऋषभ पंत (दाएं) का स्वागत करते मोहम्मद सिराज। एजेंसी

पंत के अंगूठे में फ्रैक्चर, दोबारा बल्लेबाजी के लिए उतरे

मैनचेस्टर, एजेंसी

- बीसीसीआई ने कहा ऋषभ बल्लेबाज के रूप में उपलब्ध रहेंगे

ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ चौथे क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन पैर के अंगूठे में फ्रैक्चर के कारण मौजूदा टेस्ट में विकेटकीपर की जिम्मेदारी नहीं निभा पाएंगे, लेकिन बृहस्पतिवार को दूसरे दिन बल्लेबाजी के लिए उतरे जबकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी कहा कि इस अहम मुकाबले में वह टीम की जरूरत के अनुसार वह बल्लेबाज के रूप में उपलब्ध रहेंगे।

पंत बुधवार को इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की गेंद पर रिवर्स स्वीप करने के प्रयास में चोटिल हो गए थे। तब वह 37 रन पर खेल रहे थे। दाहिने पैर में चोट लगने के कारण वह रिटायर्ड हर्ट हो गए और स्कैन के लिए गए। बीसीसीआई ने 'एक्स' पर लिखा मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन दाहिने पैर में चोट लगने के बाद ऋषभ पंत बाकी मैच में विकेटकीपिंग नहीं कर पाएंगे। ध्रुव जुरेल विकेटकीपर की भूमिका निभाएंगे।

चोट के बावजूद ऋषभ पंत दूसरे दिन टीम से जुड़ गए हैं और टीम की जरूरत के अनुसार बल्लेबाजी के लिए उपलब्ध रहेंगे। इससे पहले बोर्ड से शुरुआत में संकेत मिले थे कि पंत श्रृंखला से बाहर हो गए हैं और उनके कवर के तौर पर इशान किशन को बुलाया जाएगा। भारत ने 314 रन के स्कोर पर शारदुल ठाकुर के रूप में अपना छठा विकेट गंवाया जिसके बाद पंत बल्लेबाजी के लिए उतरे। इस 27 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने आक्रामक अंदाज के कारण विश्व क्रिकेट में खास जगह बनाई है। उन्होंने इस श्रृंखला में भी अच्छा प्रदर्शन किया है।

महिला यूरो 2025 सेमीफाइनल फुटबॉल मैच में जीत के बाद जश्न मनातीं स्पेन के खिलाड़ी। एजेंसी

स्पेन पहली बार यूरो फाइनल में

ज्यूरिख, एजेंसी

- बीमारी से लौटी ऐताना बोनमाटी के गोल से मिली सफलता

टूर्नामेंट शुरू होने से पहले बीमार होने के कारण कुछ दिन अस्पताल में बिताने वाली ऐताना बोनमाटी के अतिरिक्त समय में किए गए गोल की मदद से स्पेन ने जर्मनी को 1-0 से हराकर महिला यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप (यूरो 2025) के फाइनल में प्रवेश किया जहां रविवार को उसका सामना इंग्लैंड से होगा।

दोनों टीम निर्धारित समय में गोल नहीं कर पाई थी इसके बाद दो बार की बैलन डी'ओर विजेता बोनमाटी ने अतिरिक्त समय में 113वें मिनट में निर्णायक गोल किया। यूरो 2025 का फाइनल 2023 में खेले गए महिला विश्व कप के फाइनल की पुनरावृत्ति होगा। तब स्पेन ने इंग्लैंड को 2-1 से हराया था। स्पेन की जर्मनी के खिलाफ यह पहली जीत थी। वह पहली बार यूरोपीय चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा है। स्पेन ने पिछले दो साल में विश्व कप और नेशंस कप जीते हैं और अब उसकी निगाह खिताब की हैट्रिक पूरी करने पर होगी। यूरो 2025 के लिए बोनमाटी की तैयारियां उस समय गंभीर रूप से प्रभावित हो गई थी जब टूर्नामेंट से एक सप्ताह से भी कम समय पहले बार्सिलोना की मिडफील्डर को वायरल मैनिंजाइटिस के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। बोनमाटी ने कहा मैं अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर पहुंचना चाहती थी।

बीसीसीआई एशिया कप की मेजबानी के लिए तैयार

नई दिल्ली/ढाका : भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता सितंबर में संक्षिप्त रूप से फिर से शुरू होगी क्योंकि बीसीसीआई के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आगामी एशिया कप टी 20 टूर्नामेंट की मेजबानी करने का रास्ता साफ हो गया है।

एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एसीसी की बैठक के बाद यह फैसला हुआ जिसमें सभी 25 सदस्य देशों ने आयोजन स्थल पर चर्चा के लिए हिस्सा लिया। बीसीसीआई का प्रतिनिधित्व इसके उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने वर्चुअली किया। एसीसी के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई को बताया बीसीसीआई यूएई में एशिया कप की मेजबानी करेगा। भारत के अपने सभी मैच दुबई में खेलने की संभावना है। कार्यक्रम पर अब भी विचार-विमर्श चल रहा है। यह टूर्नामेंट यूएई में आयोजित किया जा रहा है।

भारतीय बल्लेबाजों ने दिखाया कि वे केवल सपाट पिचों पर ही रन नहीं बनाते

मैनचेस्टर, एजेंसी

पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि भारत के युवा बल्लेबाजों ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन विषम परिस्थितियों में शानदार प्रदर्शन करते साबित कर दिया कि वे केवल सपाट पिचों या कमजोर आक्रमण के खिलाफ ही रन नहीं बनाते। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (58) और केएल राहुल (46) ने भारत को ठोस शुरुआत दी।

इसके बाद साई सुदर्शन (61) और ऋषभ पंत (37 रन पर रिटायर्ड हर्ट) ने 72 रन की साझेदारी की जिससे भारतीय टीम पहले दिन का खेल समाप्त होने तक चार विकेट पर 264 रन बनाने में सफल रही। मांजरेकर ने जियो हॉटस्टार पर कहा आज का दिन उन लोगों के लिए करारा जवाब था जो यह मानते हैं कि यह युवा भारतीय बल्लेबाजी क्रम केवल सपाट पिचों पर या कमजोर आक्रमण के खिलाफ ही रन बनाता है। उन्होंने कहा इंग्लैंड में अमूमन इस तरह की परिस्थितियां मिलती है और उनका गेंदबाजी आक्रमण भी पहले से मजबूत नजर आ रहा था। बेन स्टोक्स ने फिर से अधिक ओवर किए जबकि लियाम डॉसन ने शोएब बशीर से बेहतर गेंदबाजी की। जोफ्रा आर्चर उसकी गेंदबाजी को और मजबूती प्रदान कर रहे थे। मांजरेकर ने कहाभारत का इन परिस्थितियों में पहले दिन चार विकेट पर 264 रन बनाना उसका एक और ठोस बल्लेबाज़ी प्रदर्शन है।

संजय मांजरेकर। एजेंसी

गिल की आक्रामकता नयी नहीं है : पटेल

नई दिल्ली : भारतीय कप्तान शुभमन गिल के आक्रामक रवैये ने एक बहस छेड़ दी है पर पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज पार्थिव पटेल का कहना है कि यह नया नहीं है। पटेल ने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा शृंखला के दौरान योजनाओं को लागू करने में गिल की दृढ़ता और स्पष्टता के लिए सराहना की। लॉर्ड्स टेस्ट में गिल ने जैक क्रॉली और उनके सलामी जोड़ीदार बेन डकेट तीसरे दिन के अंत में क्रीज पर 90 सेकेंड देरी से पहुंचने पर उनसे बहस की थी। भारत तब इंग्लैंड के पहली पारी के 387 रन की बराबरी करने में कामयाब रहा था और खेल के बचे हुए छह मिनट में दो ओवर निकालना चाहता था। हालाकि यह संभव नहीं हो सका क्योंकि इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने आने में समय लिया।

उन्नति ने बड़ा उलटफेर करते हुए सिंधु को हराया

चांग्झू (चीन), एजेंसी

- सात्विक-चिराग चाइना ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

उन्नति हुड्डा ने अपने करियर का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और भारतीय बैडमिंटन की दिग्गज खिलाड़ी पीवी सिंधु को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में हराकर गुरुवार को चाइना ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अपनी प्रतिष्ठित हमवतन खिलाड़ी का केवल दूसरी बार सामना करते हुए 17 वर्षीय हुड्डा ने कठिन क्षणों में धैर्य बनाए रखा और 73 मिनट में 21-16, 19-21, 21-13 से जीत दर्ज की। वह पहली बार किसी सुपर 1000 प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहुंची है।

रोहतक की इस किशोरी ने 2022 ओडिशा मास्टर्स और 2023 अबू धाबी मास्टर्स में सुपर 100 खिताब जीते थे। वह अगले दौर में जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त और दो बार की विश्व चैंपियन अकाने यामागुची से भिड़ेगी। सिंधु सात साल में पहली बार किसी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में किसी साथी भारतीय से हारी हैं। पिछली बार उन्हें 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में साइना नेहवाल से हार का सामना करना पड़ा था। वह 2019 राष्ट्रीय चैंपियनशिप के फाइनल में भी साइना से ही हार गई थी।

इससे पहले सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और बगास मौलाना को सीधे गेम में हराकर पुरुष युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी ने अपने धैर्य का अच्छा नमूना पेश करते हुए एक कड़े मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी पर 21-19, 21-19 से जीत हासिल की।

पोलैंड में चोपड़ा व नदीम का आमना सामना मुश्किल

कराची : पोलैंड में डायमंड लीग में दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा और मौजूदा चैंपियन अरशद नदीम के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबले पर अनिश्चितता बनी हुई है क्योंकि पाकिस्तानी भाला फेंक खिलाड़ी की हाल में इंग्लैंड में पिंडली की मांसपेशियों की सर्जरी हुई है। चोपड़ा और नदीम 2024 पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के एक साल बाद अगले महीने पहली बार आमने-सामने होने वाले थे।

पाकिस्तानी एथलीट ने पेरिस ओलंपिक में 92.97 मीटर के शानदार थ्रो से स्वर्ण पदक जीता था। तोक्यो ओलंपिक 2021 में स्वर्ण पदक जीतने वाले 27 वर्षीय चोपड़ा को पेरिस में 89.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। दोनों खिलाड़ी 16 अगस्त को पोलैंड के सिलेसिया में डायमंड लीग और फिर अगले महीने स्विट्जरलैंड में एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने वाले थे।

प्रशंसा | भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने टी-20 व वनडे दोनों सीरीज जीतकर किया है कमाल

इंग्लैंड में जीत से भारत का आत्मविश्वास बढ़ेगा : सचिन

नई दिल्ली, एजेंसी

दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का मानना है कि इंग्लैंड की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भारत की दो शृंखलाओं में जीत से इस साल होने वाले वनडे विश्व कप और अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप से पहले महिला टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने टी20 शृंखला 3-2 से जीत कर नया इतिहास रचा।

यह पहला अवसर था जबकि भारतीय महिला टीम ने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में इंग्लैंड से शृंखला जीती। भारत ने इसके बाद वनडे शृंखला 2-1 से अपने नाम की। यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत 30 सितंबर से श्रीलंका के साथ एकदिवसीय विश्व कप की सह-मेजबानी करेगा। इसके बाद इंग्लैंड में 2026 में टी-20 विश्व कप का आयोजन होगा। तेंदुलकर ने रेडिट पर कहा इंग्लैंड में जीतना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है और टी-20 तथा वनडे दोनों में ऐसा करना टीम की तैयारी और मानसिकता के बारे में बहुत कुछ बयां करता है।

उन्होंने कहा इस शानदार प्रदर्शन से टीम का आगे होने वाली प्रतियोगिताओं के लिए आत्मविश्वास बढ़ेगा। दो विश्व कप सामने होने के कारण यह टीम के आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए बेहद जरूरी था। शाबाश टीम इंडिया। भारत अब 14 सितंबर से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे शृंखला में विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करेगा और इसके बाद अपनी धरती पर होने वाले विश्व कप में भाग लेगा।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज जीतने के बाद जश्न मनाती महिला टीम। एजेंसी

सभी खिलाड़ियों ने धैर्य से काम लिया

तेंदुलकर ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ सभी खिलाड़ियों ने धैर्य से काम लिया और अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। उपकप्तान स्मृति मंधाना ने पहले मैच में अपना पहला टी-20 शतक बनाया, जबकि कप्तान हरमनप्रीत ने तीसरे वनडे में शतक लगाकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा 21 वर्षीय क्रांति गौड़ ने तीसरे वनडे में छह विकेट लिए। यह उपलब्धि हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय तेज गेंदबाज और कुल मिलाकर पांचवीं गेंदबाज बन गईं। तेंदुलकर ने कहा पहले टी20 मैच में स्मृति के शतक ने दौरे की शुरुआत में ही लय बना दी थी। आखिरी वनडे में हरमनप्रीत के शतक ने उस लय को और मजबूती प्रदान की। अन्य ने भी अपनी भूमिका बखूबी निभाई।